THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 70 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.10 2083 बुधवार, 10 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी एनडीए के मुख्यमंत्रियों के साथ कल करेंगे बैठक

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर होने जा रही एनडीए की बड़ी बैठक अब सिर्फ विकास योजनाओं की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को एनडीए शासित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक करेंगे। लेकिन इस बैठक से पहले ही दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में कैबिनेट फेरबदल, भाजपा संगठन में बदलाव और परिसीमन बिल को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दूसरी तरफ तृणमूल कांग्रेस में जारी बगावत और काकोली घोष दस्तीदार के पलटवार ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है।

भारत ने पहली बार 12 परमाणु बम तैनात किए

> 2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए > पाकिस्तान से 20 ज्यादा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है।

पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। एसआईपीआरआई और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के आधार पर रिपोर्ट जारी करती हैं।

दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार

एसआईपीआरआई इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतियोगिता के दौर में पहुंच रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। 2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिपोर्ट के 3 पॉइंट्स जो भारत से जुड़े

दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश: 2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयात करने वाला देश: 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2% रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की सयुक्त हिस्सेदारी 35% रही।

अमेरिका-रूस के पास दुनिया के करीब 86% परमाणु हथियार: दोनों देश बड़े स्तर पर परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रम चला रहे हैं। चीन का परमाणु भंडार भी बढ़कर 600 से 620 हथियारों तक पहुंच गया है। भारत के पास 190, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं।

समुद्र में भी बढ़ी परमाणु ताकत

रिपोर्ट में भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। भारत की परमाणु पनडुब्बियां, खासकर आईएनएस अरिहंत, अब देश की 'सेकेंड स्ट्राइक कैपेसिटी' का बड़ा आधार बन रही हैं। एसआईपीआरआई का अनुमान है कि भारत अब शांति काल में भी सीमित संख्या में परमाणु हथियारों को बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों पर तैनात करने लगा है। इससे दुश्मन के पहले हमले के बाद भी जवाबी कार्रवाई की क्षमता बनी रहती है।

रिपोर्ट में ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के कई हिस्सों में अब भी बड़े युद्ध छिड़ने का खतरा बना हुआ है। मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ दिनों तक सैन्य टकराव हुआ था। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के कुछ हवाई और मिसाइल ठिकानों पर हमला किया, जिनके पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम से जुड़े होने की आशंका थी।

हालांकि, दोनों देशों ने हालात को और गंभीर होने से रोक लिया था। रिपोर्ट में जिक्र है कि भारत और पाकिस्तान ने पहली बार किसी सैन्य संघर्ष के दौरान खुले तौर पर साइबर अटैक और डिजिटल ऑपरेशन्स का इस्तेमाल किया। भारत ने इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया था। जो 7 से 10 मई 2025 तक चला। इन 2 देशों के अलावा, दुनिया में संघर्ष प्रभावित देशों की संख्या में मामूली कमी आई है।

भारत की कोशिश-चीन के आखिरी छोर तक पहुंचने वाले हथियार बनाए

भारत लंबी दूरी के ऐसे हथियार बनाने पर फोकस बढ़ा रहा है, ताकि उनकी पहुंच चीन के आखिरी छोर तक हो सके। दरअसल, भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। 2020 की हिंसक गलवान झड़प के बाद भारत-चीन सीमा पर भारतीय सैन्य निगरानी भी बढ़ी है। भारत नए परमाणु डिलीवरी सिस्टम पर भी काम कर रहा है। इनमें सबसे अहम है एमआईआरवी तकनीक यानी मल्टीपल इंडिपेंडेन्टली टारगेटेबल रीएंट्री व्हीकल। इस तकनीक के जरिए एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जा सकती है और अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकती है।

एमपी में कांग्रेस को बड़ा झटका

राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द

भोपाल, 9 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। राज्यसभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द हो गया है। उनके नामांकन को लेकर बीजेपी ने शिकायत की थी कि उन्होंने तेलंगाना के हैदराबाद में चल रहे मामले को छिपाया है। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा में जाकर जमकर हंगामा किया है। वहीं, कांग्रेस विधायकों को वोटिंग से पहले विधायकों को कर्नाटक शिफ्ट किया गया है। ऐसे में बीजेपी के तीनों उम्मीदवारों की जीत तय मानी जा रही है।

लोकतंत्र की है हत्या

वहीं, मीनाक्षी नटराजन का नमांकन रद्द होने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा है कि हम इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे। साथ ही कहा कि कांग्रेस इसके खिलाफ सड़क पर उतरेगी।

कांग्रेस नेता विधानसभा से निकल गए हैं। मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ बीजेपी नेताओं ने रिटर्निंग ऑफिसर के पास नामांकन छुपाने को लेकर शिकायत की थी। तेलंगाना के केस के साथ ही कुछ संपत्ति से जुड़े मामले भी हैं, जिसकी जानकारी नहीं दी गई है। रिटर्निंग ऑफिसर ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद नामांकन को रद्द कर दिया है। वहीं, मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द होने के बाद उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा है कि कांग्रेस क्या कर रही है, इससे हमें कोई लेना देना नहीं है। उन्हें तो अपने घर में मची उथल-पुथल की चिंता करनी चाहिए। हमें पूरा भरोसा है कि बीजेपी के विकास कार्यों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों का हमें समर्थन मिलेगा। हमेशा न्याय और सत्य की जीत होती है। रिटर्निंग ऑफिसर का निर्णय आप पढ़ लीजिएगा।

नॉमिनेशन फॉर्म में देनी होती है जानकारी

बीजेपी की ओर से वकील साकेत गुप्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार आपको सारे मामले की जानकारी देनी पड़ती है। हमने रिटर्निंग ऑफिसर के सामने सुप्रीम कोर्ट और ईसीआई की गाइडलाइन को पेश किया है। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने उनके नामांकन रद्द कर दिया है। साकेत गुप्ता ने कहा कि यह कानून की जीत है। वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि कानून और नियमों की धज्जियां उड़ा दी गई हैं। हम शाम को कांग्रेस कार्यालय में इस पर बात करेंगे।

'पाकिस्तान को उसके कुकर्मों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए'

> पीओके में 27 मौतों के बाद भारत का बयान

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। पीओके के रावलाकोट में पुलिस और जेएएसी प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में पुलिस अधिकारियों समेत 27 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए। वहीं, भारत ने हिंसा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह पाकिस्तान द्वारा अपनी नाकामियों को छुपाने की कोशिश है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, इस संदर्भ में हम लगातार पाकिस्तान से फर्जी खबरों और वीडियो का सिलसिला देख रहे हैं। यह पाकिस्तान द्वारा अपनी नाकामियों को छुपाने और मानवाधिकारों

के हनन से ध्यान हटाने का एक हताश प्रयास है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में पुलिस की बर्बरता की खबरें आ रही हैं, जिनमें कई लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके कुकर्मों और दुर्व्यवहारों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

पीओके के रावलाकोट में हुई झड़प में 27 लोगों की मौत पर आयुक्त सरदार वाहीद खान ने बताया कि झड़प से पहले और बाद में 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, हिंसा की शुरुआत तब हुई, जब एक व्यापारी की मौत को लेकर तनाव भड़क उठा, जिसे कथित तौर पर शुक्रवार रात कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ टकराव में गोली मार दी गई थी। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि रविवार को प्रदर्शनकारियों ने रावलाकोट के सैन्य अस्पताल पर हमला किया।

नीट पुनर्परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने एनटीए पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान

मेरा पूरा भरोसा है हमारी टीम के ऊपर, इस बार हम लोगों ने जिम्मेदारी और अधिक दायित्व के साथ ली है, जिसमें हम सफल होंगे, ये मेरा भरोसा है।

धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा मंत्री

राज्यों से मांगा अतिरिक्त सहयोग

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय का दौरा कर नीट 2026 की तैयारियों की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने एनटीए अधिकारियों के साथ बैठक की और परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीयता तथा साइबर सुरक्षा उपायों का जायजा लिया। बैठक के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नीट परीक्षा 21 जून को आयोजित होनी है और सरकार परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा केंद्रों तक सामग्री पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए संबंधित सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस संबंध में कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के सचिवों की बैठक भी आयोजित की गई है। उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया है। प्रधान ने कहा कि राज्य सरकारों ने पहले भी सहयोग किया है, लेकिन इस बार और अधिक सतर्कता बरतने को कहा गया है ताकि परीक्षा निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

उन्होंने कहा, 'मैंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। उनका पहले भी सहयोग रहा है, इस बार थोड़ा अधिक ध्यान दिया जाए। इस बीच में अनेक राज्य के मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्य के नीजी और चीफ सेक्रेटरी की उपस्थिति में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, एसपी की मीटिंग शुरू की हैं।

आप नेता संजीव अरोड़ा के दिल्ली-यूपी समेत 6 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता संजीव अरोड़ा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मंगलवार सुबह अरोड़ा के दिल्ली, यूपी, पंजाब समेत 6 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मंगलवार सुबह पंजाब के लुधियान और जालंधर, उत्तर प्रदेश के बरेली, दिल्ली-नोएला में कुल 6 जगहों पर छापेमारी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच एजेंसी जिन परिसरों की तलाशी ले रही है, उनमें मामले से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं के आवास तथा व्यावसायिक कार्यालय शामिल हैं।

आतंकी शहजाद से जुड़े तीन आतंकी-गैंगस्टर केसों में छापेमारी

> हरियाणा-पंजाब में 18 ठिकानों पर पहुंची एनआईए

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को पंजाब और हरियाणा में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी पाकिस्तान स्थित आतंकी शहजाद भट्टी से जुड़े तीन आतंकी-गैंगस्टर नेटवर्क केसों के सिलसिले में की गई है। एनआईए की टीमों ने दोनों राज्यों के नौ जिलों में स्थित 18 ठिकानों पर समन्वित तलाशी अभियान चलाया। केस से जुड़ी कई तरह की प्रासंगिक जानकारी जुटाने के लिए लोगों से पूछताछ की गई। इस दौरान एनआईए ने कई डिजिटल उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं। तीनों ही मामलों में विभिन्न संचार नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन के पुख्ता सबूत भी जांच एजेंसी के हाथ लगे हैं। तलाशी के दौरान एकत्र की गई सभी जानकारी और सबूतों को गहन जांच के साथ-साथ फोरेंसिक एवं तकनीकी जांच के लिए भेजा गया है। इस मामले में सीमा पार की बड़ी साजिश का खुलासा हो सकता है।

ममता के घर तलाशी लेने पहुंची सीआईडी टीम

> फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच तेज

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। मंगलवार को सीआईडी की एक टीम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ऑफिस और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर पहुंची। यह कार्रवाई कथित तौर पर विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच के तहत की गई। बता दें कि इस मामले के सामने आने के बाद ही टीएमसी कई धड़ों में बंट गई।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि राज्य की जांच एजेंसी के अधिकारी दोपहर करीब 30B हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे। उनके साथ कालीघाट पुलिस स्टेशन के कर्मी और बड़ी संख्या में महिला पुलिस बल साथ मौजूद थे। यह कार्रवाई उस घटना के कुछ दिनों बाद हुई है जब सीआईडी ने विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए एक प्रस्ताव से जुड़े दस्तावेजों और जानकारी की मांग करते हुए नोटिस जारी किए थे। यह प्रस्ताव कथित रूप से विपक्ष के नेता की मान्यता के लिए कुछ टीएमसी विधायकों के हस्ताक्षरों की फर्जीवाड़े से जुड़ा है।

घटनास्थल पर मौजूद सीआईडी के अधिकारियों के मुताबिक, मौके पर की गई यह तलाशी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी द्वारा एजेंसी के पहले जारी नोटिस के जवाब में दिए गए बयान के आधार पर की गई। एक सीआईडी अधिकारी ने बताया, अपने जवाब में अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि विधायकों के हस्ताक्षर पार्टी के केंद्रीय कार्यालय 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर लिए गए थे। इसी बयान के आधार पर हम जांच के लिए यहां आए हैं।

हालांकि, जांच टीम को परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई जिसके चलते ऑफिस का कामकाज देखने वालों के साथ थोड़ी कहासुनी भी हुई। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद सुबासिस चक्रवर्ती ने कहा कि पार्टी ने अभिषेक बनर्जी की अनुपस्थिति में तलाशी का विरोध किया है। उन्होंने कहा, हमने अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में सीआईडी को परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया है। जब वे आएंगे, तब सीआईडी घर की तलाशी ले सकती है। यह घटनाक्रम फर्जी हस्ताक्षर माममता बनर्जी के घर तलाशी लेने पहुंची सीआईडी टीम

फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच तेज

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। मंगलवार को सीआईडी की एक टीम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के ऑफिस और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर पहुंची। यह कार्रवाई कथित तौर

मोदी सरकार के 12 साल : विदेश मंत्री ने गिनाई उपलब्धियां

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर विदेश मंत्रालय की उपलब्धियों को बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 12 साल में विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में कई जरूरी बदलाव हुए हैं। इसमें पासपोर्ट प्रक्रिया को आसान करना और विदेशों में रहने वाले भारतीयों की मदद करना शामिल हैं। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा,' 12 साल पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। पिछले 12 साल में , विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं।'

आम नागरिक के लिए पासपोर्ट जारी करना और दस्तावेजों का सत्यापन करना आसान बनाया गया है। खुले दूतावासों के माध्यम से विदेशों में रहने वाले भारतीयों को पूरा समर्थन दिया गया है। इसके साथ ही भारतीय समुदाय कल्याण कोष का उपयोग बढ़ाया गया है। शिकायत निवारण और प्रतिक्रिया के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं।

निकासी सहित संकट की स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी गई है। यूक्रेन, इस्राइल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं। भारतीयों को वैश्विक कार्यस्थलों तक पहुंचने और वैश्विक कार्यबल का हिस्सा बनने में सुविधा दी की गई है। अब तक 21 गतिशीलता साझेदारियां स्थापित की गई हैं। भारतीय व्यवसायों को विदेशों में बाजार तक पहुंच बनाने और निर्यात बढ़ाने में सहायता की गई है। विकास परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय उत्पादों और सेवाओं को नए बाजारों में प्रवेश करने में सक्षम बनाया गया है। विदेशों में भारतीय छात्रों के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए गए हैं। भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही अन्य देशों में हमारी विरासत और परंपराओं के प्रति सराहना को बढ़ाया गया है। विदेशों में रहने और जाने वाले भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 44 दूतावास और वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। इसके लिए भारतीय कूटनीति राष्ट्र के लिए चौबीसों घंटे काम करती है। आज भारतीय अधिक आत्मविश्वास और गौरव की भावना के साथ विदेश यात्रा करते हैं। इसके साथ ही मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी केंद्र में अपनी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बीते 12 साल विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित रहे हैं। 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ सरकार ने युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के सशक्तीकरण के लिए काम किया है।

ईडी के निशाने पर केरल के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी

पूछताछ के लिए वीणा विजयन को किया तलब

तिरुवनंतपुरम, 9 जून (एजेंसियां)। केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन की बेटी की मुश्किलें फिर बढ़ती दिखाई दे रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने वीणा विजयन को समन जारी कर शुक्रवार को पेश होने के लिए कहा है। मामला वीणा विजयन से जुड़ी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को किए गए भुगतानों से जुड़ा हुआ है।

वीणा के साथ आठ अधिकारियों को भी समन

हाल ही में कोच्चि में ईडी के शीर्ष अधिकारियों की हाई-लेवल मीटिंग हुई। इस बैठक के ठीक बाद केरल के पूर्व सीएम की बेटी वीणा विजयन को ईडी ने समन भेजकर तलब कर लिया है। वीणा विजयन के साथ ही सीएमआरएल के आठ और अधिकारियों को पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशन्स में हुई वित्तीय अनियमितताओं के चलते वीणा विजयन को शुक्रवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को 'भगाने' पर तनाव बढ़ा

> बीजीबी ने भारतीय सीमा पर तैनात किए ड्रोन > एक्सपर्ट ने दी धमकी

ढाका, 9 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कथित अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भगाने की घटनाओं के बीच बांग्लादेश की सेना ने सीमा की सुरक्षा काफी कड़ी कर दी है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 55वीं बटालियन ने हबीगंज सीमा पर सुरक्षा अभियान तेज कर दिए हैं। इसके तहत थर्मल ड्रोन तैनात किए गए हैं और चौबीसों घंटे गश्त बढ़ा दी गई है। इसमें स्थानीय लोगों को शामिल करते हुए जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है। सीमा पर ये डेवलपमेंट्स उस वक्त हो रहे हैं जब सोमवार को बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा है।

11 जून तक चलने वाली ये बातचीत दोनों देशों की सीमा की सुरक्षा करने वाली फोर्स के बीच तनाव के माहौल में हो रही है। यह तनाव बांग्लादेश के उन आरोपों की वजह से है जिनमें कहा गया है कि

बीएसएफ कई जमीनी रास्तों से बिना कागजात वाले कथित बांग्लादेशियों को सीमा पार भेज रही है। पड़ोसी देश इस कथित प्रक्रिया को 'पुश-इन' कह रहा है यानि जबरदस्ती भेजने की बात कह रहा है। बांग्लादेश का कहना है कि भारतीय पक्ष की तरफ से देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है। दिल्ली में होने वाली बैठक में बीजीबी के मुख्य एजेंडा में यही बात शामिल है।

बांग्लादेश ने भारत से लगती सीमा पर तैनात किए ड्रोन

द डेली स्टार के मुताबिक बीजीबी-55 के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद तंजीलुर रहमान ने कहा है कि सीमावर्ती इलाकों में हाईएस्ट लेवल का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा सीमा के हर हिस्से की सुरक्षा के लिए स्थानीय निवासी, ग्राम पुलिस और अंसार-वीडीपी के सदस्यों को भी इसमें शामिल किया गया है। बीजीबी अधिकारी ने बताया कि रात में निगरानी के लिए थर्मल और इन्फ्रारेड ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है और साथ ही 'यार्ड मीटिंग' का दायरा भी बढ़ाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा 'हमारे बीजीबी जवान हाई अलर्ट पर हैं। अवैध रूप से अंदर घुसने या गैर-कानूनी तरीके से सीमा पार करने की किसी भी कोशिश का सख्ती से विरोध किया जाएगा।' लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद तंजीलुर ने पुष्टि की कि अब तक हबीगंज बॉर्डर से 'घुसपैठ' का कोई मामला सामने नहीं आया है हालांकि देश भर में अलग-अलग जगहों पर 'घुसपैठ' की हालिया घटनाओं में बढ़ोतरी के बाद बटालियन को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के रिटायर जज का दावा

पूरा परिवार खतरे में, लंदन में बेटी पर हमला हुआ

> दाउदी बोहरा उत्तराधिकार केस में फैसला देने से जुड़ा है मामला

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस गौतम पटेल का दावा है कि उन्हें और उनके परिवार को पिछले करीब 10 महीनों से धमकियां मिल रही हैं। पूर्व जज का दावा है कि यह घटनाएं 2024 में दाऊदी बोहरा समुदाय के उत्तराधिकार विवाद पर दिए गए उनके फैसले से जुड़ी हैं। जज से मांग की जा रही है कि वे एक वीडियो रिकॉर्ड करके अपना फैसला वापस लें और दावा करें कि उन्हें यह ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया।

बार एंड बेंच और इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस पटेल ने अगस्त 2024 में दाऊदी बोहरा समुदाय के उत्तराधिकार विवाद पर फैसला सुनाया था। उन्होंने सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को दाऊदी बोहरा समुदाय का वैध 53वां दाई-अल-मुतलक घोषित किया था। यह विवाद उनके सौतेले भाई खुजैमा कुतुबुद्दीन और बाद में उनके बेटे ताहिर फखरुद्दीन की ओर से दायर दावों से जुड़ा था। फैसला आने के कुछ समय बाद से ही जस्टिस पटेल और उनके परिवार को धमकी भरे संदेश मिलने शुरू हो गए थे। सितंबर 2025 में एक लेटर भेजकर उनसे फैसले को वापस लेने और सार्वजनिक रूप से उसे गलत बताने की मांग की गई थी।

बेटी पर लंदन में 2 महीने पहले हमला, अब लेटर मिला

जस्टिस पटेल की बेटी अदिति पर 22 अप्रैल 2026 को लंदन में हमला किया गया। वह अपने बच्चे को स्कूल छोड़कर लौट रही थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में उनकी नाक की हड्डी टूट गई। यूके पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और पहले मिली धमकियों से जुड़े कनेक्शन की भी पड़ताल कर रही है।

रिटायर जस्टिस के मुताबिक 5 जून को उनकी बेटी अदिति पटेल को फिर से एक गुमनाम पत्र मिला। इस पत्र में कहा गया था कि अगर जस्टिस पटेल यूट्यूब वीडियो के जरिए 23 अप्रैल 2024 के अपने फैसले को सार्वजनिक रूप से वापस नहीं लेते हैं तो उनके परिवार का अंतिम संस्कार करवाया जाएगा। लेटर के साथ एक एसडी कार्ड भी था। यह भी कहा गया था कि इसके लिए गैंग को काम पर रखा गया है। इन घटनाओं के बाद लंदन में उनकी बेटी और दामाद ने यूके पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वेस्ट हर्टफोर्डशायर आतंकवाद विरोधी यूनिट 22 अप्रैल को अदिति पटेल पर हुए हमले की समीक्षा कर रही है।

रिटायर जज बोले-मैं रिटायर, वीडियो से हाईकोर्ट का फैसला नहीं बदल सकता

जस्टिस पटेल ने कहा कि उन्होंने लंदन में भारतीय हाईकमीशन और बॉम्बे हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को भी इस मामले से अवगत कराया है। उन्होंने आगे कहा- "मैं अप्रैल 2024 से सेवानिवृत्त हूं।

बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को यूट्यूब वीडियो के जरिए रद्द नहीं किया जा सकता।" जस्टिस गौतम ने बताया कि मैंने अधिकारियों से संपर्क किया है, और किसी ने भी मुझे मना नहीं किया है। मैं यह भी समझता हूं कि अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र भारत तक ही सीमित है। लेकिन फिर यह एक व्यवस्थागत विफलता होगी। पिछले साल 9 सितंबर को मुंबई के गामदेवी पुलिस स्टेशन में धमकी भरा लेटर मिलने के आधार पर शिकायत दर्ज की गई थी।

नशीली कोल्ड ड्रिंक पिला कर महिला के साथ दरिंदगी

आपत्तिजनक वीडियो भी किया वायरल; 10 गिरफ्तार

दावणगेरे, 9 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक 41 वर्षीय महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुष्कर्म का शिकार बनाने के बाद महिला का वीडियो भी वायरल किया गया था। इन आरोपों में पुलिस ने अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह घटना तीन जून की शाम को बसनगट्टा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले एक गांव में हुई थी। हालांकि, इसका खुलासा आठ जून को हुआ, जब आरोपियों द्वारा महिला की नशे की हालत में रिकॉर्ड की गई वीडियो को विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों पर साझा करने के बाद वह वायरल हो गई। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी में नामजद सभी 10 आरोपियों को महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

खबरें जरा हटके

दुनिया की सबसे खूबसूरत हिरण! नीली आंखें देखते ही मां ने तोड़ा नाता, मौत के बाद भी मशहूर

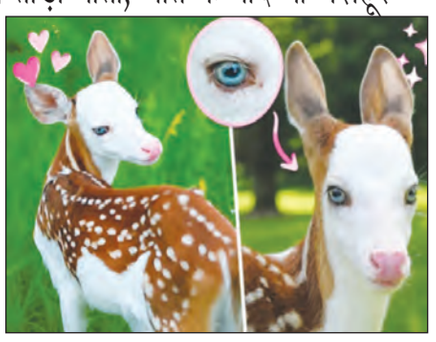

जब साल 2015 में एक छोटे से एनिमल फार्म में एक हिरण का बच्चा पैदा हुआ तो सबकी आंखें उसकी अनोखी खूबसूरती पर अटक गई. सफेद चेहरा, गुलाबी नाक और आकर्षक नीली आंखें– यह हिरण देखने में किसी परी कथा के किरदार जैसा लगता था. इसका नाम रखा गया ड्रैगन. लेकिन यही खूबसूरती उसके लिए अभिशाप बन गई थी. ड्रैगन की इस खूबसूरती के पीछे एक दुर्लभ जेनेटिक कंडीशन था जिसका नाम है पिएबॉल्डिज्म. पिएबॉल्डिज्म एक ऐसी स्थिति है जिसमें जानवर के शरीर में रंगद्रव्य (पिगमेंट) का निर्माण ठीक से नहीं हो पाता. सफेद पूंछ वाले हिरणों में यह स्थिति बहुत कम देखने को मिलती है. ड्रैगन के मामले में यह कंडीशन इतनी स्पष्ट थी कि उसका पूरा चेहरा बर्फ की तरह सफेद हो गया था, नाक गुलाबी और आंखें नीली चमक रही थी. जन्म के कुछ ही देर बाद ड्रैगन की मां ने इसे अस्वीकार कर दिया. जंगली जानवरों में अक्सर असामान्य दिखने वाले बच्चों को मां खुद से दूर कर देती है. ड्रैगन की मां ने भी यही किया. बस यही से शुरू हुआ ड्रैगन का संघर्षपूर्ण जीवन.

इंसानों ने की देखभाल

फार्म के मालिकों को जब यह पता चला तो उन्होंने तुरंत ड्रैगन को अपने संरक्षण में ले लिया. वे उसे बोतल से दूध पिलाते, देखभाल करते और धीरे-धीरे बड़ा करते गए. ड्रैगन की तस्वीरें जब सोशल मीडिया पर पहुंचीं तो पूरी दुनिया उसकी दीवानी हो गई. लोग इसे "दुनिया की सबसे खूबसूरत हिरण" कहने लगे. हजारों यूजर्स ने इसे शेयर किया और कमेंट्स में लिखा-"यह तो फेयरिटेल से निकलकर आया लगता है", "नीली आंखें देखकर दिल पिघल गया". ड्रैगन जल्दी ही इंटरनेट सेंसेशन बन गया. हालांकि ड्रैगन का जीवन उतना लंबा नहीं रहा जितना लोग चाहते थे, लेकिन उसकी कहानी आज भी लोगों को प्रेरित करती है. यह कहानी प्रकृति की विविधता, दुर्लभता और मानवीय करुणा का सुंदर मिश्रण है. फार्म मालिकों ने ना सिर्फ ड्रैगन को बचाया बल्कि उसे प्यार और देखभाल भी दी जिसकी उसे अपनी मां से नहीं मिली.

बच्चे पैदा करने की मशीन थी ये महिला, 27 बार हुई प्रेग्नेंट, बनी कुल 69 बच्चों की मां!

दुनिया भर में मां बनने का अहसास सबसे खूबसूरत माना जाता है, लेकिन कल्पना कीजिए कि एक महिला को यह अहसास 27 बार हुआ हो और वह कुल 69 बच्चों की मां बन गई हो. जी हां, 18वीं सदी की रूसी महिला वैलेंटिना वासिल्येवा ने ऐसा करिश्मा किया जो आज भी Guinness World Records में दर्ज है और 250 साल से कोई उसे तोड़ नहीं पाया है. वैलेंटिना रूस के शूया शहर के पास रहने वाली एक साधारण किसान परिवार की महिला थीं. उनके पति फ्योदोर वासिल्येव किसान थे. 1725 से 1765 के बीच के 40 सालों में वैलेंटिना ने 27 बार प्रसव किया. इन 27 प्रसवों में एक भी सिंगल बच्चा नहीं था. वो 16 बार जुड़वां, 7 बार तिहरे (ट्रिपलेट्स) और 4 बार चौगुने (क्वाड्रुपलेट्स) बच्चों की मां बनी. यानी कुल 69 बच्चे. इनमें से 67 बच्चे शैशवावस्था पार कर गए, जो उस समय के हिसाब से बेहद दुर्लभ था.

नहीं मिलती थी कोई डॉक्टरी हेल्प

उस दौर में रूस में शिशु मृत्यु दर बहुत ऊंची थी. कोई आधुनिक अस्पताल नहीं, कोई पेनकिलर नहीं, कोई हाइजीन की समझ नहीं. घर पर ही प्रसव होता था. फिर भी वैलेंटिना ने ना सिर्फ इतने बच्चों को जन्म दिया बल्कि ज्यादातर को बचाया भी. इस असाधारण घटना की खबर मॉस्को सरकार तक पहुंची और यहां तक कि फ्रांस के राजा लुई XV तक भी गई. निकोलस्क मठ के रिकॉर्ड्स में इन जन्मों का जिक्र मिलता है. 1783 में लंदन के मैगेजिन में भी इस कहानी को प्रकाशित किया गया था. वैलेंटिना की जिंदगी कल्पना से परे थी. उनका ज्यादातर वक्त गर्भावस्था और प्रसव के बाद रिकवरी में बीतता था. 18वीं सदी के किसान परिवार में इतने बच्चों का पालन-पोषण करना भी आसान नहीं रहा होगा. खाने-पीने की कमी, ठंड, बीमारियां– हर चुनौती के बावजूद उन्होंने यह मुश्किल सफर तय किया.

तपती धूप में बेटे को स्ट्रेचर पर ले जाने को मजबूर हुए माता-पिता

वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई

इंदौर, 9 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक इंदौर के महाराजा यशवंतराव (एमवाई) अस्पताल इन दिनों विवादों में है। दरअसल, बीते दिनों यहां से एक 11 साल के बच्चे को उसके माता-पिता द्वारा तपती दोपहर में स्ट्रेचर पर ले जाने का वीडियो वायरल हुआ था। लापरवाही का वीडियो प्रसारित होने के बाद अस्पताल प्रशासन ने कई कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर वीडियो में बच्चे के माता-पिता उसे एमवाई अस्पताल से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तक स्ट्रेचर पर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। इस घटना ने मरीजों की देखभाल को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया

अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक मामले में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। बच्चे का इलाज कर रहे डॉक्टर के सात दिन के वेतन की कटौती की गई है, जबकि तीन नर्सों का एक-एक दिन का वेतन काटा गया है।

जबकि अस्पताल के सुरक्षा प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा अस्पताल अधीक्षक और एक न्यूरोसर्जन समेत कई अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अस्पताल ने हाउसकीपिंग और सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली एजेंसी पर भी एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। छह जून को रिकॉर्ड किए गए वीडियो में बच्चे के माता-पिता भीषण गर्मी के बीच उसे स्ट्रेचर पर धकेलते हुए दोनों अस्पतालों के बीच ले जाते दिखाई दे रहे हैं।

ममता ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा में चीफ व्हिप बनाया

स्पीकर को लेटर लिखा; एक दिन पहले 20 बागी सांसदों ने काकोली को व्हिप चुना था

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। टीएमसी में टूट के बीच ममता बनर्जी ने मंगलवार को सांसद कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू जाए। टीएमसी के लोकसभा में 28 सांसदों में से 20 ने एक दिन पहले बगावत के बाद ममता का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इन लोगों ने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था।

खुद काकोली घोष ने बागी सांसदों के साइन वाला लेटर लोकसभा स्पीकर को भेजा था। इसमें टीएमसी से अलग हुए सांसदों के लिए अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में सिटिंग मांगी थी। चीफ व्हिप किसी राजनीतिक दल का सीनियर नेता होता है, जो संसद या विधानसभा में पार्टी के सांसदों/विधायकों के बीच अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की रणनीति लागू कराने की जिम्मेदारी संभालता है। अगर कोई आदेश नहीं मानता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है। लोकसभा में टीएमसी के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक भी अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट के नेता ऋतब्रत हैं।

काकोली घोष ने कहा था-मैं ही चीफ व्हिप रहूंगी

काकोली ने सोमवार को कहा था कि वे अभी भी लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) हैं। काकोली ने 27 मई को टीएमसी छोड़ दी है, लेकिन सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया था। काकोली घोष ने कहा- मैं 1986 से ममता बनर्जी के साथ हूं। 2005 में मुझे पार्षद तक का चुनाव लड़वाया गया। मैं तो लड़ते-लड़ते यहां आई हूं। मेरा सिर कटेगा लेकिन झुकेगा नहीं। मैंने बहुत सह लिया।

सागरिका घोष ने कहा-एक फोन पर नैतिकता खत्म

राज्यसभा सांसद सागरिका घोषः वफादारी सिर्फ जीत तक ही रहती है, अमित शाह के एक कॉल पर 'नैतिकता खत्म' हो जाती है। ये बहुत शर्म की बात है। लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जीः आपके पास सीएम, ईडी, सीबीआई और दूसरी ताकतें हैं, लेकिन मेरे पास 'मां, माटी, मानुष', मेरी पार्टी, कार्यकर्ता और बंगाल के लोग हैं। पूर्व राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखरः इस्तीफे का फैसला किसी के दबाव के कारण नहीं लिया। यह मेरी अंतरात्मा की आवाज थी। मुझे लगा कि अब बहुत हो चुका है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के बाद आई 'इश्क करो पार्टी'

> महुआ मोइत्रा को मिला ज्वाइन करने का ऑफर

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया की उपज कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब मार्केट में इश्क करो पार्टी की एंट्री हुई है। खास बात यह है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा को इस पार्टी को ज्वाइन करने का ऑफर भी मिला है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने भारतीय युवाओं से इश्क करो पार्टी नाम की नई पहल से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने इसे युद्ध नहीं, प्यार करो के सिद्धांत पर बना एक मंच बताया है। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में मार्कंडेय काटजू ने कहा कि जो लोग इश्क करो पार्टी से जुड़ना चाहते हैं वे ishqkaroparty@gmail.com पर लिख सकते हैं।

काटजू ने बताया पार्टी का प्लान

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ये बातें कहीं, जिसमें उन्होंने संगठन के ढांचे और मकसद के बारे में बताया। उनकी ये बातें ऐसे समय में सामने आई हैं जब भारत में वायरल 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) ने शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया और कथित तौर पर परीक्षा के पेपर लीक होने के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

महुआ मोइत्रा और मृणाल पांडे को दिया ज्वाइन करने का ऑफर

एक कथित स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है जिसमें मार्कंडेय काटजू टीएमसी की नेता महुआ मोइत्रा और पत्रकार मृणाल पांडे को 'इश्क करो पार्टी' में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। अपनी पोस्ट में काटजू ने टीएमसी नेता से कहा कि वे दूसरे सीजेपी जोकर को भूल जाएं और इसके बजाय उस नए संगठन का हिस्सा बनें, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि वह प्यार और शांति को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने लिखा, महुआ, सीजेपी के जोकरों को भूल जाओ और हाल ही में बनी 'इश्क करो पार्टी' में शामिल हो जाओ, जिसका एजेंडा है - 'प्यार करो, जंग नहीं'।

इसके अलावा उनके एक ट्वीट में लिखा है, मृणाल सीजेपी के जोकरों को भूल जाओ और नई बनी 'इश्क करो पार्टी' में शामिल हो जाओ, जिसका एजेंडा है 'प्यार करो, जंग नहीं'। मैं इसका संरक्षक हूं और इसके चेयरमैन इरफान अली हैं, जो प्रिंसटन न्यू जर्सी यूएसए में रहते और काम करते हैं।

घर के आंगन में पानी की टंकी में फनफनाते हुए दिखाई दिए 27 सांप के बच्चे, दहशत में आया परिवार

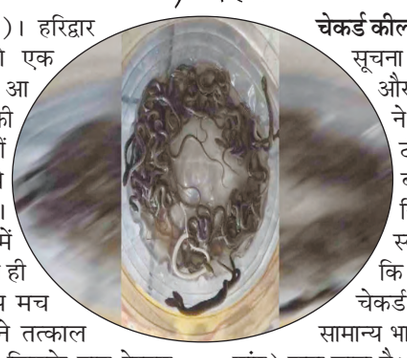

हरिद्वार, 9 जून (एजेंसियां)। हरिद्वार सराय गांव में दोपहर को एक परिवार उस समय दहशत में आ गया, जब घर के आंगन की पानी की टंकी में एक-दो नहीं बल्कि 27 सांपों के बच्चे फनफनाते हुए दिखाई दिए। पानी भरने के दौरान टंकी में सांपों की हलचल नजर आते ही परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। परिवार के सदस्यों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और सभी सांपों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के अनुसार, सराय ग्राम स्थित एक मकान की पानी की टंकी में अचानक बड़ी संख्या में सांपों के बच्चे दिखाई दिए। टंकी में सांपों को तैरता देख परिवार के सदस्यों के होश उड़ गए। देखते ही देखते आसपास के लोगों की भीड़ भी मौके पर जुट गई। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए परिवार ने तत्काल वन विभाग से संपर्क किया।

चेकर्ड कीलबैक प्रजाति के सांप के बच्चे

सूचना मिलने पर स्नेकमैन तालिब और भोला मौके पर पहुंचे। दोनों ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए टंकी से कुल 27 सांपों के बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरूद्ध ने बताया कि रेस्क्यू किए गए सभी बच्चे चेकर्ड कीलबैक प्रजाति के हैं, जिन्हें सामान्य भाषा में वाटर स्नेक (पानी का सांप) कहा जाता है। ये सांप विषैले नहीं होते और प्रायः तालाबों, नहरों, जलाशयों तथा अन्य जल स्रोतों के आसपास पाए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि ये बच्चे लगभग एक से डेढ़ सप्ताह के हैं और संभवतः किसी मादा सांप ने सुरक्षित वातावरण मिलने पर टंकी के आसपास अंडे दिए होंगे, जिनसे हाल ही में बच्चे निकले हैं। सभी सांपों के बच्चों को प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया है। वहीं रेस्क्यू के बाद परिवार और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली।

'अमित शाह के बुलावे पर नैतिकता खत्म हो जाती है'

> सागरिका घोष पाला बदलने वाले बागी नेताओं पर बरसीं

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने मंगलवार को चुनाव परिणामों के बाद पाला बदलने वाले राजनेताओं पर तीखा हमला किया। उन्होंने उनकी नैतिकता पर सवाल उठाया और राजनीतिक दलबदल की संस्कृति को शर्मनाक बताया।

> अगर वफादारी सिर्फ जीत तक ही रहती है, तो जनादेश आखिर किस लिए था? या फिर जब अमित शाह और उनके साथी फोन करते हैं, तो आप आज्ञाकारी होकर कतार में खड़े हो जाते हैं, और सारी नैतिकता खत्म हो जाती है? शर्मनाक।
>
> *सागरिका घोष, राज्यसभा सांसद*

लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने का आरोप

घोष ने एक्स पोस्ट पर लिखा, '2024 में मेरे लिए व्यक्तिगत ही राजनीतिक मुद्दा बन गया। मैंने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया क्योंकि मेरा दृढ़ विश्वास है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा भारत के बहुमूल्य लोकतांत्रिक मूल्यों को नष्ट कर रही है। मैं विपक्ष के संवैधानिक संघर्ष में विश्वास करती थी और करती हूं, जो कि संविधान विरोधी, सांप्रदायिक मानसिकता वाली मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के खिलाफ है, जो धार्मिक युद्धों को भड़काने पर तुली हुई है।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी में अपनी आस्था को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'मैं ममता बनर्जी के नेतृत्व में विश्वास करती थी, करती हूं और हमेशा करती रहूंगी। वह अपने अटूट साहस और मूल्य-आधारित राजनीति में सभी महिलाओं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए प्रेरणा हैं।'

पार्टी के हार पर पाला बदल लेते हैं

टीएमसी नेता ने चुनावी हार का सामना करते ही नेताओं की ओर से अपनी पार्टियों को छोड़ने की प्रवृत्ति पर अविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जो बात अजीब लगती है। वह यह संस्कृति है कि एक पार्टी के चिन्ह और एक नेता के नाम पर चुनाव जीतते हैं और फिर हार का सामना होते ही उस पार्टी और नेता को छोड़ देते हैं। अगर चुनाव परिणाम के साथ आपके विश्वास बदल जाते हैं, तो क्या वह वास्तव में विश्वास थे? आप एक पार्टी के चिन्ह पर चुनाव लड़ते हैं। आप मतदाताओं से पार्टी के घोषणापत्र पर भरोसा करने को कहते हैं। आप उस पार्टी के समर्थन और नेता की लोकप्रियता के कारण जीतते हैं। फिर पार्टी हार जाती है, और आप तुरंत पाला बदल लेते हैं।'

'जनादेश आखिर किस लिए था?' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाते हुए घोष ने ऐसे नेताओं के जनादेश पर सवाल उठाया और सुझाव दिया कि भाजपा नेतृत्व के एक फोन कॉल से ही नैतिकता समाप्त हो जाती है। टीएमसी नेता ने आगे कहा 'अगर वफादारी सिर्फ जीत तक ही रहती है, तो जनादेश आखिर किस लिए था? या फिर जब अमित शाह और उनके साथी फोन करते हैं, तो आप आज्ञाकारी होकर कतार में खड़े हो जाते हैं, और सारी नैतिकता खत्म हो जाती है? शर्मनाक।'

विदेशी हैंडलर्स से जुड़े दो आरोपी गिरफ्तार

हैंड ग्रेनेड बरामद, बड़ी वारदात की रच रहे थे साजिश

अमृतसर, 9 जून (एजेंसियां)। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ मिलकर एक संयुक्त ऑपरेशन में सीमा पार के हैंडलर्स से जुड़े दो लोगों को पकड़ा है। आरोपियों से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद हुए हैं।

शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी विदेश में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे और उनके निर्देशों पर काम कर रहे थे। हैंड ग्रेनेड की बरामदगी पंजाब में शांति और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। कानून की संबंधित धाराओं के तहत थाना घरिंडा में आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस राज्य भर में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने, संगठित अपराध को मिटाने और शांति व सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दुनिया की सबसे अनोखी शराब, जिसमें बोतल के अंदर ही पड़ा रहता है सांप

पीने से दूर हो जाती हैं कई बीमारियां

दुनिया में खाने-पीने की ऐसी कई चीजें हैं, जिनके बारे में सुनकर ही लोगों को हैरानी होने लगती है. कहीं लोग कीड़े खाते हैं, तो कहीं जिंदा ऑक्टोपस परोसा जाता है. लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी हैं, जिनके बारे में जानकर डर और हैरानी दोनों महसूस होते हैं. ऐसी ही एक अजीब ड्रिंक है "स्नेक वाइन", जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर काफी होती है. इस शराब की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसकी बोतल के अंदर पूरा सांप पड़ा होता है. कई बार सांप को बोतल में जिंदा डाला जाता है और फिर उसके ऊपर शराब भर दी जाती है. यही वजह है कि इसे दुनिया की सबसे खतरनाक और अजीब शराबों में गिना जाता है.

क्या होती है स्नेक वाइन?

नाम से ही साफ है कि स्नेक वाइन यानी सांप से बनाई जाने वाली शराब. आमतौर पर वाइन अंगूर या फलों से तैयार की जाती है, लेकिन स्नेक वाइन में जहरीले सांपों का इस्तेमाल किया जाता है. स्नेक वाइन सबसे ज्यादा चीन में बनाई जाती है. चीनी भाषा में इसे "पिनयिन" और वियतनामी भाषा में "खमेर" कहा जाता है. माना जाता है कि इस खास शराब को पहली बार पश्चिमी झोउ वंश के दौरान तैयार किया गया था. इसके बाद धीरे-धीरे यह चीन में काफी लोकप्रिय हो गई. इस शराब का इस्तेमाल मुख्य रूप से पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है. चीन के अलावा स्नेक वाइन दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी बनाई और पी जाती है. उत्तर कोरिया, लाओस, थाईलैंड, वियतनाम, जापान के ओकिनावा क्षेत्र और कंबोडिया में भी यह काफी ज्यादा लोकप्रिय है. स्नेक वाइन बनाने के लिए जिंदा या मरे हुए सांप को एक कांच की बोतल या जार में रखा जाता है. इसके बाद उसमें चावल, गेहूं या दूसरे अनाज से बनी शराब डालकर कई महीनों तक किण्वन के लिए छोड़ दिया जाता है.

सुविचार: जो गलत होता है वह शोर मचाता है क्योंकि वह अपनी गलती को चुपाना चाहता और जो सही होता है व शांत रहता है

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का संकल्प : मुख्यमंत्री

एक करोड़ महिलाओं को 'करोड़पति' बनाने का दावा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें 'करोड़पति' बनाना है। मंगलवार को सिकंदराबाद स्थित परेड ग्राउंड में महिला स्वयं सहायता समूहों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की भूमिका राज्य की आर्थिक प्रगति में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सरकार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को रोकने की कोशिश कर रहा है, लेकिन सरकार अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत बनाना है और यह प्रयास लगातार जारी रहेगा।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार और आय के अवसर दे रही है। उन्होंने मुफ्त बस यात्रा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महिलाएं शिक्षा और रोजगार के लिए आसानी से यात्रा कर पा रही हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई, पेट्रोल पंप संचालन और सौर ऊर्जा उत्पादन जैसे कार्यों से जोड़ रही है। उन्होंने बताया कि महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए हैदराबाद में स्टॉल लगाए गए हैं और इन्हें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी बेचा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर महिला कल्याण योजनाओं की अनदेखी का आरोप लगाया और कहा कि वर्तमान सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

बेरोजगार युवाओं को मुफ्त स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान करेगा बीआईआरईडी

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बैंकर्स इंस्टीट्यट ऑफ रूरल एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (बीआईआरईडी) ने तेलंगाना राज्य के ग्रामीण और शहरी बेरोजगार युवाओं (पुरुषों) से आवेदन आमंत्रित किए हैं। संस्थान स्वरोजगार के लिए तकनीकी पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करता है। बीआईआरईडी द्वारा 37 दिनों का निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम 1 जुलाई से 6 अगस्त तक चलेगा। 19 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के उम्मीदवार इस प्रशिक्षण के लिए पात्र हैं, जो राजेंद्र नगर स्थित संस्थान परिसर में आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में इलेक्ट्रीशियन और मोटर वाइंडिंग मरम्मत (एसएससी अनुत्तीर्ण और उससे ऊपर के लिए), सीसीटीवी इंस्टॉलेशन और स्मोक डिटेक्टर सुरक्षा अलार्म (एसएससी उत्तीर्ण और उससे ऊपर के लिए) और एमएस ऑफिस (इंटर उत्तीर्ण और उससे ऊपर के लिए) शामिल हैं।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी से सावधान रहे : वाई. नागिरेड्डी

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि टीजीएसआरटीसी में होने वाली सभी भर्तियां पूरी पारदर्शिता के साथ केवल पुलिस भर्ती बोर्ड की देखरेख में आयोजित की जाती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम में नौकरी दिलाने का दावा कर धन की मांग करने वाले बिचौलियों और दलालों पर किसी भी परिस्थिति में विश्वास न करें। युवाओं को किसी भी प्रकार के शॉर्टकट या अवैध रास्ते अपनाने के बजाय कड़ी मेहनत और अपनी प्रतिभा के बल पर रोजगार प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। वाई. नागिरेड्डी ने कहा कि प्रतिभा ही युवाओं की सबसे बड़ी पूंजी है और परिश्रम ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि नौकरी के नाम पर भोले-भाले बेरोजगार युवाओं को ठगने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे फर्जी नियुक्ति प्रस्तावों और धोखाधड़ी करने वाले तत्वों से सावधान रहें तथा केवल आधिकारिक भर्ती प्रक्रियाओं पर ही भरोसा करें।

फीस के शोषण के खिलाफ बीजेवाईएम ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) की तेलंगाना राज्य इकाई ने मंगलवार को हैदराबाद के मसाब टैंक के पास स्थित तेलंगाना प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति (टीएएफआरसी) कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। प्रदर्शनकारियों ने कॉरपोरेट शिक्षण संस्थानों द्वारा फीस में की जा रही मनमानी को समाप्त करने की मांग की, जिससे छात्रों और उनके अभिभावकों को गंभीर आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा क्षेत्र में बढ़ती फीस के कारण छात्रों और अभिभावकों को हो रही कठिनाइयों को उजागर करने के लिए बीजेवाईएम के राज्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से उन कॉरपोरेट शिक्षण संस्थानों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की जो स्थापित नियमों का उल्लंघन करते हुए अत्यधिक फीस वसूल रहे हैं।

इसके बाद, उन्होंने टीएएफआरसी के अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे शुल्क को विनियमित करने और छात्रों और अभिभावकों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए सख्त उपाय करने का आग्रह किया। बीजेवाईएम के राज्य अध्यक्ष गणेश कुंडे ने कहा कि राज्य सरकार और नियामक निकायों को यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए कि शिक्षा एक मौलिक अधिकार के रूप में सभी के लिए सुलभ बनी रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि कॉर्पोरेट शिक्षण संस्थानों द्वारा फीस के अत्यधिक दुरुपयोग पर अंकुश लगने और शिक्षा का अधिकार अधिनियम तथा फीस नियंत्रण कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन तक बीजेवाईएम अपना संघर्ष जारी रखेगा।

आर एंड बी विभाग के मुख्य अभियंता के ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी

आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच तेज

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को सड़क एवं भवन (आर एंड बी) विभाग के मुख्य अभियंता जे. मोहन नाइक से जुड़े विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। एसीबी की टीमों ने सुबह तड़के कार्रवाई शुरू करते हुए माधापुर स्थित उनके आवास समेत करीब 11 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति संबंधी शिकायतों के आधार पर की गई है। मोहन नाइक पर अतीत में सड़क और अवसंरचना परियोजनाओं से जुड़े ठेकेदारों से कमीशन लेने, निविदा नियमों की अनदेखी कर चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने तथा भ्रष्टाचार के जरिए बड़ी संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगते रहे हैं। जांच के दौरान उनके और उनके सहयोगियों से जुड़े वित्तीय लेन-देन, चल-अचल संपत्तियों और अन्य दस्तावेजों की जांच की जा रही है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, संपत्तियों के व्यापक दायरे को देखते हुए सत्यापन प्रक्रिया में समय लग सकता है। फिलहाल बरामद संपत्तियों के मूल्य को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। तलाशी अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी सामने आने की संभावना है।

मंत्री पोन्नम, अज़हरुद्दीन ने की मुहर्रम की तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीएससी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की कि सरकार 16 जून को होने वाले आगामी मुहर्रम जुलूस के लिए व्यापक तैयारियां कर रही है। इन व्यवस्थाओं के संबंध में मंगलवार को सचिवालय में एक समीक्षा बैठक हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों और मुस्लिम धार्मिक समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और सरकारी सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान, मंत्री प्रभाकर ने अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर जोर दिया और मुहर्रम के अनुष्ठान स्थलों, आशुरखानों में पुलिस पिकेट तैनात करने का आदेश दिया। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि आशुरखाना के आसपास के क्षेत्र में लंबित जल निकासी और सड़क मरम्मत कार्यों में तेजी लाई जाए और सभी संबंधित स्थानों पर ऊंचे खंभों पर प्रकाश व्यवस्था स्थापित की जाए। विद्युत विभाग के अधिकारियों को पर्याप्त विशेष प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, जबकि जल बोर्ड को पीने के पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया।

स्वच्छता प्रयासों की देखरेख की जिम्मेदारी जीएचएमसी को सौंपी गई। पोन्नम प्रभाकर ने मोबाइल शौचालयों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। इसके अतिरिक्त, आर एंड बी अधिकारियों को बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

दासोजू ने की कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना

बल्का सुमन के खिलाफ मनगढ़ंत आरोपों का मामला

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मौजूदा कांग्रेस सरकार पर पूर्व सांसद और मंचरियाल बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन के खिलाफ अभियान चलाने का आरोप लगाया है। श्रावण का तर्क है कि सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के भीतर हुए 15,000 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले को उजागर करने के बदले में सुमन के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकार ने विपक्षी आवाजों को दबाने के साधन के रूप में जानबूझकर सुमन के खिलाफ गंभीर, गैर-जमानती अपराध दर्ज किए हैं। मंगलवार को श्रवण के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल चंचलगुडा जेल में बल्का सुमन से मिलने गया। अपनी मुलाकात के दौरान, उन्होंने पूर्व विधायक के प्रति एकजुटता व्यक्त की और पार्टी की ओर से कानूनी और राजनीतिक समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि कारावास के बावजूद, सुमन जनसेवा और चल रहे संघर्षों के प्रति अपने समर्पण में अडिग हैं। सभा के दौरान, श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि सरकार विपक्षी नेताओं के खिलाफ कानून प्रवर्तन का दुरुपयोग कर रही है, जबकि कांग्रेस नेताओं द्वारा कथित तौर पर किए गए गलत कामों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कानूनों के चयनात्मक प्रवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की आलोचना करने वाले व्यक्तियों को आपराधिक मामलों में निशाना बनाया जा रहा है।

बीआरएस के एमएलसी ने सिंगारेनी में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग की है, जिसमें 40 लाख टन कोयले के गायब होने की खबर, नैनी कोयला ब्लॉक विवाद और ओवरबर्डन खुदाई अनुबंधों और खरीद में संदिग्ध प्रथाओं जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने डीजल, जिलेटिन स्टिक और खनन कार्यों के अनुबंधों से संबंधित व्यापक भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा किया। इसके अलावा, श्रावण ने सरकार पर श्रमिकों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद से सिंगारेनी में मेडिकल बोर्ड द्वारा अनुमोदित अनुकंपा नियुक्ति नहीं हुई है। उन्होंने बीआरएस सरकार के तहत श्रमिकों को पहले प्राप्त भूमि संबंधी लाभों को रद्द करने के प्रयासों की भी निंदा की। सिंगारेनी को एक सार्वजनिक संपत्ति के रूप में इसकी महत्ता पर ज़ोर देते हुए, श्रावण ने केंद्र और राज्य सरकारों से कोयला कंपनी की सुरक्षा करने और बीआरएस द्वारा लगाए गए आरोपों की गहन जांच शुरू करने का आग्रह किया।

गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का विरोध करते हुए, तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एर्राबेली स्वर्ण के नेतृत्व में महिला कांग्रेस नेताओं द्वारा मंगलवार को गांधी भवन से गन पार्क तक एक विरोध रैली निकाली गई। इस अवसर पर बोलते हुए स्वर्ण ने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस बात की कड़ी निंदा करती है कि पांच राज्यों में चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी की गई। उन्होंने केंद्र में भाजपा सरकार पर लगातार पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का आरोप लगाया, जिससे आम और मध्यम वर्ग के लोगों की कमर टूट रही है। उन्होंने पांच राज्यों में चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद जनता पर इस तरह की मूल्य वृद्धि का बोझ डालना बेहद निंदनीय बताया। उन्होंने मांग की, ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिसका एकमात्र कारण केंद्र सरकार द्वारा लगाया गया अत्यधिक उत्पाद शुल्क है। केंद्र सरकार तेल कंपनियों पर कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए दबाव क्यों नहीं डाल रही है? चुनाव से पहले एक बात कहना और चुनाव के बाद दूसरी बात कहना केंद्र सरकार की आदत बन गई है। यह केंद्र सरकार के दोहरे मापदंड का उदाहरण है। उसे तुरंत इस शुल्क को कम करना चाहिए और आम जनता को राहत प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार का बहाना बनाकर एक ही महीने में कई बार ईंधन की कीमतें बढ़ाकर जनता पर आर्थिक बोझ डालना घोर अन्याय है। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं से पूछा, कांग्रेस सरकार के दौरान जब पेट्रोल की कीमतें थोड़ी सी भी बढ़ती थीं, तब सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन करने वाले नेता अब कहां हैं? अब जब कीमतें आसमान छू रही हैं, तो वे कहां छिपे हैं? उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि का मतलब केवल वाहनों के परिचालन लागत में वृद्धि ही नहीं है, बल्कि इससे आवश्यक वस्तुओं – सब्जियों, दालों और नमक आदि की कीमतों में भी भारी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, हर एक चीज पर टैक्स और कीमतों में बढ़ोतरी लागू की जाती है, जिससे उनकी जेब पर भारी बोझ पड़ता है।

केंद्र सरकार के लिए मेरी एक ही चेतावनी है। आप आम महिलाओं के वोटों से सत्ता में आए हैं–आपको किसने यह अधिकार दिया कि आप उनके घरेलू बजट को तहस-नहस कर दें? हम कमजोर नहीं हैं जो कॉरपोरेट मुनाफे के लिए जनता का खून चूसते हुए चुपचाप खड़े रहेंगे। हम तेलंगाना महिला कांग्रेस की शेरनियां हैं! जहां हमारी तेलंगाना कांग्रेस सरकार महिलाओं की गरिमा को बनाए रखती है और 'महालक्ष्मी योजना' के तहत मुफ्त बस यात्रा प्रदान करके उनका समर्थन करती है, वहीं केंद्र सरकार पेट्रोल और गैस की कीमतें बढ़ाकर महिलाओं की कमर तोड़ रही है, उन्होंने आलोचना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा के नेता, जिन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान गैस सिलेंडर की कीमतें कम होने पर हंगामा मचाया था, अब चुप हैं जबकि कीमतें 1,000 रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी हैं – यह उनके दोहरे मापदंड का स्पष्ट संकेत है।

केंद्र सरकार की इस बात के लिए आलोचना की गई कि उसने गरीबों के कल्याण की अनदेखी की और पूरी तरह से बड़े कॉरपोरेट संस्थानों को लाभ पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया। एर्राबेली स्वर्ण ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार तुरंत मूल्य वृद्धि को वापस नहीं लेती है, तो महिलाओं के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन तेज हो जाएंगे और केंद्र सरकार को महिलाओं की वास्तविक शक्ति का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्रम में जिला महिला कांग्रेस अध्यक्षों, राज्य महिला कांग्रेस कार्यकारी समिति की सदस्यों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राज्य की राजधानी में हुई बारिश

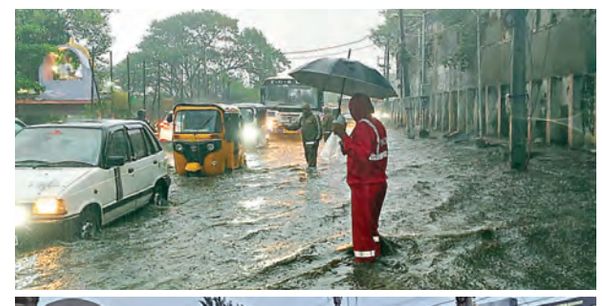

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की राजधानी में मौसम में अचानक बदलाव आया। शहर के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई, जिससे भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे निवासियों को कुछ राहत मिली। हैदराबाद के कई हिस्सों में गरज और बिजली के साथ भारी बारिश हुई। कुकाटपल्ली, केपीएचबी, बाचुपल्ली, प्रगति नगर, मियापुर, लिंगमपल्ली, हाईटेक सिटी, चंदननगर, मुशीराबाद, लकड़ीकापुल, चंपापेट, सरूरनगर, कोटी, आबिड्स, बशीरबाग, टैंक बंड, नारायणगुडा, हिमायतनगर, बागलिंगमपल्ली और रामनगर सहित कई इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया। तेज हवाओं के कारण रामनगर के वीएसटी रोड पर एक बड़ा पेड़ जड़ से उखड़ गया। इसी तरह, हैदरगुडा में भी एक विशाल पेड़ गिर गया, जिससे यातायात जाम हो गया। कई स्थानों पर सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। तेज हवाओं के कारण मुशीराबाद में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। गौरतलब है कि मौसम विभाग ने बुधवार के लिए तेलंगाना के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी थी।

पोडु भूमि पर जुताई को लेकर किसानों और अधिकारियों में तनातनी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतलमनेपल्ली मंडल के दिम्दा गांव में विवादित पोडु भूमि पर जुताई को लेकर मंगलवार को किसानों और वन अधिकारियों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कृषि सीजन के लिए किसान अपनी जमीन तैयार कर रहे थे, तभी सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को जुताई करने से रोकने का प्रयास किया। इस दौरान किसानों ने अधिकारियों का विरोध करते हुए उनसे बहस की। किसानों का आरोप था कि उन्हें अपनी जमीन पर खेती करने से रोका जा रहा है। विरोध स्वरूप किसानों ने धरना दिया और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे कुछ समय के लिए तनाव बढ़ गया।

सिंगरेनी को लूट रही है सरकार : बीआरएस विधायक

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री गंगुला कमलाकर ने मंगलवार को सिंगरेनी संगठन पर रेवंत रेड्डी सरकार के रुख की कड़ी आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिंगारेनी संगठन की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन को लूटने के लिए सरकार की स्वयं की भी निंदा की। शहर के तेलंगाना भवन में बोलते हुए, कमलाकर ने बताया कि सिंगारेनी के अधिकारियों ने 5 जून को खुलासा किया था कि वहां 26.28 लाख मीट्रिक टन कोयला उपलब्ध है। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य मंत्री श्रीधर बाबू का दावा है कि सिंगारेनी में कोयले का भंडार है। विधायक गंगुला कमलाकर ने मांग की कि मंत्री श्रीधर बाबू बुधवार को सुबह 11 बजे कोयले के भंडार दिखाएं। उन्होंने उस दावे को याद दिलाया कि 3 लाख टन से अधिक कोयले का भंडार है। इस संदर्भ में, उन्होंने प्रस्ताव रखा कि वे और मंत्री श्रीधर बाबू साथ में वहां जाएं। उन्होंने मांग की कि यदि कोयले का भंडार नहीं मिलता है, तो राज्य सरकार को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री ने सिंगारेनी के मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया था और कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद सिंगारेनी के कामकाज में दखल देना शुरू कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है कि सिंगारेनी पिछले दो-तीन महीनों से वेतन देने में असमर्थ है। उन्होंने स्पष्ट रूप से पूछा कि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इस मामले पर क्यों नहीं बात की। विधायक गंगुला कमलाकर ने मांग की कि राज्य सरकार सिंगारेनी में मौजूद 26 लाख मीट्रिक टन कोयले के मामले में सीबीसीडी जांच का आदेश दे।

तेलंगाना में जल्द शुरू होगी ई-कैबिनेट प्रणाली

कागजरहित शासन की दिशा में सरकार का बड़ा कदम

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य मंत्रिमंडल की बैठकों के लिए ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करने की तैयारी कर रही है। इस पहल के साथ राज्य कागजरहित शासन व्यवस्था अपनाने वाले राज्यों की सूची में शामिल होने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने हाल ही में सामान्य प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों के साथ परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। बताया जा रहा है कि आगामी मंत्रिमंडल बैठक के लिए इस प्रणाली को तैयार करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मंत्रियों और अन्य संबंधित अधिकारियों के उपयोग के लिए आधुनिक टैबलेट और आईपैड उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। ई-कैबिनेट प्रणाली के माध्यम से मंत्रिमंडल के एजेंडा, प्रस्तावों और निर्णयों की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से संचालित की जाएगी। इससे कागज की खपत कम होगी, प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे कई राज्य पहले ही इस प्रणाली को अपना चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि इसके सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर ढांचा तैयार किया जा रहा है।

व्यापारी के घर से एक किलो सोना चोरी

घरेलू सहायकों पर संदेह, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गाचीबोवली क्षेत्र में एक व्यापारी के घर से करीब एक किलो सोने के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को संदेह है कि लगभग एक महीने पहले घरेलू सहायक के रूप में काम पर रखे गए नेपाली दंपति इस वारदात में शामिल हो सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, व्यापारी का परिवार हाल ही में मुंबई गया था और सोमवार को लौटने पर पाया कि दोनों घरेलू सहायक घर से गायब हैं। शुरुआत में परिवार को लगा कि वे बिना बताए काम छोड़कर चले गए हैं, क्योंकि घर में जबरन प्रवेश या ताले टूटने के कोई निशान नहीं मिले। बाद में पूजा कक्ष में मूर्ति पर चढ़ी सोने की चेन गायब मिलने पर परिवार को संदेह हुआ। घर की अलमारी और अन्य स्थानों की जांच करने पर कई अन्य सोने के आभूषण भी गायब मिले। शिकायत मिलने पर गाचीबोवली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I. No. 17003076K, Hav, Anvar Sayooj M S, R/o, Dist: Kozhikode, Kerala, changed my Father's name from Moidiy K to Moidy K vide Affidavit No. 467122 dt. 08.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिहार के 2 बदमाशों का उत्तराखंड में एनकाउंटर

मर्डर करने के बाद ऋषिकेश में छिपे थे, वसीम-अनवर को पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली

सीतामढ़ी, 9 जून (एजेंसियां)। बिहार के 2 बदमाशों को उत्तराखंड के ऋषिकेश में एनकाउंटर हुआ है। दोनों बदमाशों की पहचान सीतामढ़ी के वसीम और अकरम के रूप में हुई है।

पुलिस की गोली से दोनों घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों सीतामढ़ी जिले के नानपुर थाना क्षेत्र के महुआगाछी की है।

इन दोनों बदमाशों ने सीतामढ़ी में 17 मई 2026 को सीएसपी संचालक सुंदर यादव की 3 गोली मारकर हत्या कर दी थी और तब से फरार चल रहे थे। एनकाउंटर ऋषिकेश के खांड गांव के पीछे जंगली इलाके में हुआ है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि वसीम और अनवर ऋषिकेश क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इसके बाद बिहार और उत्तराखंड पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर उनकी तलाश शुरू की। पुलिस को सूचना मिली की दोनों बदमाश ढलवाला से जंगल के रास्ते भागने की कोशिश में हैं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने उनकी घेराबंदी की। पुलिस ने जंगल किनारे सड़क पर बैरिकेडिंग की। बैरिकेडिंग देखकर दोनों बदमाश बाइक से भागने लगे। पुलिस ने पीछा करना शुरू किया। खुद को घिरता देख वसीम ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। दोनों बदमाशों ने पुलिसकर्मियों को बाइक से कुचलने की भी कोशिश की।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की। गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी और दोनों जमीन पर गिर पड़े।

जिसके बाद पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया। गोलीबारी के दौरान बदमाशों की गोली से पुलिस की गाड़ी का शीशा टूट गया। सीतामढ़ी एसपी अमित रंजन ने बताया कि वसीम पर हत्या, लूट के कई मामले दर्ज हैं।

सीएम योगी बोले- राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं

भारत एक देश है धर्मशाला न समझें

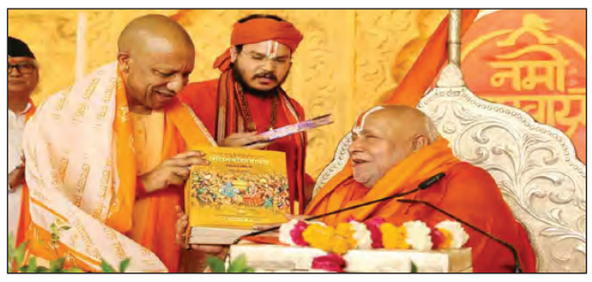

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों को जीवन का हिस्सा बनाया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम का नाम उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है। सीएम ने कहा कि 491 वर्ष तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलता रहा। 2019 में सर्वोच्च न्यायालय की फुल बेंच के न्यायमूर्तियों ने अपने फैसले में कहा कि जहां रामलला विराजमान हैं, वहीं रामजन्मभूमि है।

लखनऊ-उन्नाव में आंधी-बारिश से पेड़ उखड़े, एक की मौत

16 जिलों में हीटवेव का अलर्ट 2 दिन बाद प्री-मानसून बारिश

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। सोमवार देर रात लखनऊ, उन्नाव और आसपास के इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। उन्नाव में कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए। पेड़ के नीचे दबने से एक 70 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। कई गांवों की बिजली गुल हो गई। हालांकि, मंगलवार सुबह से राजधानी समेत प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज धूप है।

बुंदेलखंड और दक्षिणी यूपी के जिलों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। तेज धूप और लू जैसे हालात ने लोगों का हाल बेहाल कर रखा है।

इस बीच, मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज के लिए प्रदेश के 16 जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के कई जिलों में दिन के समय तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान के 45°सी-46°सी या उससे अधिक रहने की संभावना जताई है।

हालांकि, 11 जून से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे प्री-मानसून की गतिविधियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार होगा। 11 से 13 जून के बीच प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी होगी।

आईएमडी के मुताबिक, देश में 3 दिन की देरी चल रहे मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। अब यूपी में मानसून अपने तय समय यानी 20 जून तक एंट्री कर सकता है। फिर 10 दिन के अंदर यह पूरे यूपी पर छा जाएगा।

लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-यूपी में मौसम में जारी उतार-चढ़ाव अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। 9 और 10 जून को अधिकांश जिलों में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। इससे गर्मी का असर तेज होगा। 11 जून से पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से प्री-मानसून की बारिश होगी।

1.60 करोड़ का केमिकल बरामद 4 तस्कर गिरफ्तार किए गए

संभल, 9 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार करते हुए 1.60 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित केमिकल बरामद किया है। एसी और कंप्रेसर से भरे दिखने वाले कंटेनर में प्रतिबंधित केमिकल रखा गया था। इस केमिकल का इस्तेमाल खतरनाक मादक पदार्थ तैयार करने में किया जाता है। पुलिस की कार्रवाई में चार तस्कर गिरफ्तार हुए हैं।

एएनटीएफ लखनऊ-बरेली यूनिट और कैला देवी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि मेरठ की ओर से आ रहा एक कंटेनर प्रतिबंधित रसायन की तस्करी कर रहा है। सूचना मिलते ही संयुक्त टीम ने रामपुर, संभल-गवां मार्ग पर जियो पेट्रोल पंप के सामने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान कंटेनर में रखे एसी और कंप्रेसर के बक्सों के बीच 10 प्लास्टिक ड्रम बरामद हुए। इनमें 628.65 किलोग्राम एसीटिक एनहाइड्राइड छिपाकर रखा गया था। पुलिस के अनुसार बरामद प्रतिबंधित केमिकल की कीमत करीब एक करोड़ 60 लाख रूपये है। एसीटिक एनहाइड्राइड एक नियंत्रित रसायन है। इसका इस्तेमाल स्मैक, हेरोइन और अन्य मादक पदार्थों के निर्माण में किया जाता है। बिना वैध अनुमति इसके परिवहन और भंडारण पर प्रतिबंध है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे लोग इस केमिकल को खरीदते थे और ट्रांसपोर्ट वाहनों में सामान के बीच छिपाकर अलग-अलग स्थानों तक पहुंचाते थे। इसके बाद इसे ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा आपस में बांट लेते थे। पुलिस को आंशका है कि इस नेटवर्क के तार कई जिलों और राज्यों तक जुड़े हो सकते हैं। गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास, डकैती, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, गोकशी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

फाइनेंस कर्मी को मारी गोली, हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर, 9 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के मुसहरी थाना क्षेत्र में देर रात अपराधियों ने एक फाइनेंस कंपनी के कर्मी को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना बकटपुर हाट बाजार के समीप हुई, जहां गोली लगने के बाद युवक सड़क किनारे गिर पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंची मुसहरी थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घायल युवक की पहचान सकरा थाना क्षेत्र के मुरौल ओपी अंतर्गत मोहम्मदपुर गांव निवासी अजय पासवान के 25 वर्षीय पुत्र राजीव कुमार के रूप में हुई है। उसे पहले मुसहरी पीएचसी ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए शहर के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। घायल राजीव कुमार ने बताया कि वह शहर में काम खत्म करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे।

यूपीडा सीधे सीएम के अधीन, नंदी से कमान वापस

अखिलेश बोले- भ्रष्टाचार का टारगेट पूरा होने पर हटाया

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने राज्य की एक्सप्रेसवे और बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर प्रशासनिक फेरबदल किया है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) का प्रशासनिक नियंत्रण औद्योगिक विकास विभाग से हटाकर अवस्थापना विकास विभाग को सौंप दिया गया है। अवस्थापना विकास विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास होने के कारण अब यूपीडा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण प्रस्ताव, फाइलें और निर्णय सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय के जरिये निस्तारित होंगे। इस बदलाव पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब सारे 'घटिया एक्सप्रेसवे' बन गये और भ्रष्टाचार का आपसी लेनदेन का टारगेट पूरा हो गया तब हटाया तो क्या हटाया?

वहीं, सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 (अधि.) की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन के मुताबिक यह फैसला विभागीय कार्यों में आ रही विसंगतियों, कार्य आवंटन में विरोधाभास और निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश के अनुसार यूपीडा से संबंधित समस्त कार्य तत्काल प्रभाव से अवस्थापना विकास अनुभाग को आवंटित कर दिए गए हैं। इस फैसले के बाद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' के पास से एक्सप्रेसवे परियोजनाओं से जुड़ी प्रशासनिक कमान हट गई है। अभी तक यूपीडा से जुड़े बजट, परियोजनाओं की मंजूरी और अन्य महत्वपूर्ण फाइलें औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से आगे बढ़ती थीं, लेकिन अब यह प्रक्रिया सीधे मुख्यमंत्री स्तर पर होगी। शासन के मुताबिक यूपीडा का मूल कार्य एक्सप्रेसवे परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर और बड़ी अवस्थापना परियोजनाओं का विकास करना है। ऐसे में इसे अवस्थापना विकास विभाग के अधीन रखना अधिक व्यावहारिक माना गया है। शासन का मानना है कि इससे समानांतर निर्णय प्रक्रिया खत्म होगी और बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने की रफ्तार बढ़ेगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि अभी हाफ़ हुए हैं, विधानसभा में टिकट नहीं मिलेगा तो साफ़ हो जाएंगे। जब सारे 'घटिया एक्सप्रेसवे' बन गये और भ्रष्टाचार का आपसी लेनदेन का टारगेट पूरा हो गया तब हटाया तो क्या हटाया? सुना है इलाहाबाद की सारी सीटों पर भाजपा अपने प्रत्याशी बदलने जा रही है क्योंकि भाजपा को लगता है कि ये सारे विधायक और प्रत्याशी केवल खाने-कमाने में लगे रहे और लोकसभा सीट हाथ से निकल गई। यही फ़ार्मूला उप्र की उन सभी 43 लोकसभा सीटों पर लागू किया जा रहा है जहाँ इंडिया गठबंधन की जीत हुई थी और बाक़ी उन 9-10 सीटों पर भी जहाँ भाजपा हेरफेर करके सर्टिफ़िकेट से जीती थी, वोट से नहीं। इसका मतलब तो ये हुआ कि लगभग 225 सीटों पर प्रत्याशी बदले जाएंगे। वैसे तो सुना है कि भाजपा के वर्तमान विधायक ख़ुद भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं क्योंकि 'पीडीए' के सामने उनके जीतने की कोई भी उम्मीद नहीं बची है।

बेतिया में आंधी, तेज बारिश, 14 जिलों में अलर्ट

पटना, 9 जून (एजेंसियां)। बिहार में मौसम का दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है। पटना समेत दक्षिण बिहार के कई जिले तेज धूप और उमस भरी गर्मी की चपेट में है। वहीं, बेतिया में आंधी के साथ तेज बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने आज बिहार के 24 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। अगले 48 घंटे में राज्य में भारी बारिश का अलर्ट है।

सोमवार को पटना समेत प्रदेश के 8 जिलों में पारा 41 डिग्री के पार चला गया। 43.4 डिग्री के साथ रोहतास सबसे गर्म जिला रहा। जबकि बक्सर में 42.7 डिग्री और कैमूर में 42.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

वहीं, सीतामढ़ी में सोमवार की रात आंधी-बारिश के बाद पीपल का पेड़ एक कच्चे मकान पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई।

सीतामढ़ी में सोमवार देर रात आंधी बारिश के बाद एक घर पर पीपल का पेड़ गिर गया। घर के मलबे में दबने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुषी टोला वार्ड संख्या-01 की है। मृतकों की पहचान सिकंदर सहनी की पत्नी पूजा देवी (28), बेटा राजकुमार (7), बेटी शिवानी (5) और एक माह के बेटे लाइगर कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का दो साल का बेटा वीरभर्द कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक

कोर्ट में वकील बोले- गोली खान सर ने नहीं चलाई, रौशन आनंद की जमानत याचिका खारिज

पटना, 9 जून (एजेंसियां)। फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए।

खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआर ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था।

खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी।

सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है।

इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। सोमवार को इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सिक्योरिटी गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की जमानत पर भी सुनवाई हुई। उनके वकील अरविंद मउआर ने जज अनुराग वर्मा की अदालत में दलीलें पेश कीं। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पुलिस से मामले में सबूत मांगे। दोनों सुरक्षा गार्डों की जमानत याचिका पर 10 जून यानी कल कोर्ट फैसला सुना सकता है। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षति रख लिया था। दोनों गार्ड्स को 4 जून को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने खान सर के गार्ड्स के बयान पर उनके ऊपर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है। एफआईआर में बताया गया है कि खान सर ने गार्ड्स से कहा था- तुम गोली चलाओ, बाकी मैं देख लूंगा। उधर, ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर पटना में सोमवार को छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला था। छात्रों ने रौशन आनंद के समर्थन में नारेबाजी और खान सर की गिरफ्तारी की मांग की थी। कुछ छात्र हाथों में पोस्टर लिए नजर आए। इनमें लिखा था- 'झूठे केस में हमारा जीवन मत बर्बाद करो', 'मैं निर्दोष हूं'।

हमले वाले दिन यानी 2 जून को खान सर ने पुलिस की जमकर तारीफ की थी। 3 जून को खान सर के गार्ड्स के फायरिंग करने वाला वीडियो सामने आया।

महिला की गोली मारकर हत्या

मधेपुरा, 9 जून (एजेंसियां)। मधेपुरा के पुरैनी थाना क्षेत्र में सोमवार रात अपराधियों ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान औराय पंचायत के वार्ड-18 स्थित दीवान टोला चंदा निवासी सईद नदाफ की पत्नी जेरून खातून (65) के रूप में हुई है। जेरून खातून सोमवार की रात अपने बेटे नसीम के साथ सरपंच के पास गई थी।

रात लगभग 8.30 वह बाइक से घर लौट रही थी। इसी दौरान चंदा से रसूल टोला जाने वाली सड़क पर खेरहो मुसहरिया के समीप घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से जेरून खातून गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुरैनी थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए थाना लाया।

महिला की हत्या किन कारणों से की गई, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस विभिन्न एंगल को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना से मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इलाके में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सब्जी बेचने वाली-मजदूर की बेटी ने जीता गोल्ड

मुजफ्फरपुर, 9 जून (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के इस्मशान घाट में पढ़ने वाली और स्लम बस्ती में रहने वाली दो बेटियों ने राज्यस्तरीय वुशू चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। अब ये राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खलेंगी। स्लम बस्ती में रहने वाली दो बेटियों माहिरा और संध्या ने आर्थिक तंगी और सीमित संसाधनों के बावजूद कमाल किया है। एक के पिता मजदूर है, तो दूसरे के पिता सब्जी बेचते हैं।

दोनों ने भागलपुर के खेल भवन में आयोजित 16वीं राज्य स्तरीय वुशू चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन कर दिया है।

दोनों बच्चियों का चयन अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जहां वे बिहार का प्रतिनिधित्व

करेंगी। यह उपलब्धि उन्होंने सब जूनियर अंडर-14 वर्ग में हासिल की है। सिकंदरपुर मुक्तिधाम परिसर में संचालित अप्पन पाठशाला में पढ़ने वाली माहिरा और संध्या की सफलता आज पूरे शहर के लिए प्रेरणा बन गई है। पढ़ाई के साथ-साथ दोनों ने वुशू खेल में भी कड़ी मेहनत की और अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का रास्ता तय कर लिया है।

अपनी सफलता पर दोनों बच्चियों ने कहा कि यह उपलब्धि उनके प्रशिक्षकों सुनील कुमार, अजीत कुमार सिंह और खेलो इंडिया के प्रशिक्षक करण कुमार के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि गुरुजनों की मेहनत और लगातार प्रोत्साहन ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है।

11 साल माहिरा सिकंदरपुर कुंडल की रहने वाली है। उसके पिता सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि मां मजदूरी करती हैं। माहिरा पिछले पांच साल से अप्पन पाठशाला में पढ़ रही है और करीब डेढ़ साल से वुशू का प्रशिक्षण ले रही है। वह रोजाना लगभग दो घंटे अभ्यास करती है। माहिरा बताती है कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद सबसे पहले उसने अपने शिक्षक को फोन कर यह खुशखबरी सुनाई। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रशिक्षकों और अप्पन पाठशाला के संस्थापक सुमित कुमार को देती है।

पत्नी को पुलिस परीक्षा दिलाने आए युवक की हत्या

सहारनपुर, 9 जून (एजेंसियां)। सहारनपुर में 24 साल के युवक की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसके साले ने अपने मामा के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

युवक ने चार महीने पहले अपने गांव की लड़की से लव मैरिज की थी। इससे लड़की के परिवार वाले नाराज थे। युवक पत्नी को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के लिए शामली से सहारनपुर आया था।

पुलिस के मुताबिक, परीक्षा खत्म होने के बाद युवक पत्नी के साथ कार से घर जाने लगा। इसी दौरान उसका साला पहुंच गया और कार रुकवा ली। बहन से घर चलने के लिए कहा, लेकिन उसने साथ जाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर युवक और साले के बीच कहासुनी होने लगी।

इसी बीच साले ने कमर से तमंचा निकाला और युवक की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही युवक घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। आरोपी इसी दौरान मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना रामपुर मनिहारान क्षेत्र की है। पुलिस ने मृतक की पहचान शामली के खेड़ी बैरागी के रहने वाले शिव कुमार के रूप में की। उसने एमएससी-एलएलबी की पढ़ाई की थी। 3 मार्च को एसएसएफ में नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला था। हालांकि, अब तक ज्वॉइनिंग नहीं की थी।

सिपाही भर्ती परीक्षा देने जा रहे बाप-बेटी की मौत

मोबाइल छिपाकर पहुंचा छात्र तो हापुड़ में 2 दरोगा समेत 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। यूपी में 32,679 कॉन्स्टेबल भर्ती-2025 परीक्षा का आज यानी मंगलवार को दूसरा दिन है। पहली पाली की परीक्षा खत्म हो गई। परीक्षा देकर केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने कहा कि ओवरऑल पेपर अच्छा था। हिंदी, रीजनिंग आसान थी।

लेकिन जीएस (सामान्य अध्यन) का सेक्शन टफ था। इसके बाद भी पेपर सरल था और अच्छा हुआ। इससे पहले सुबह 8 बजे कड़ी चेकिंग के बाद अभ्यर्थियों को एग्जाम हॉल में एंट्री दी गई। एडमिट कार्ड, बायोमेट्रिक मिलान और रेटिना स्कैन किया गया। हाथरस में महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाकर चेकिंग की गई। लखनऊ में ईयररिंग उतरवाई गईं। जौनपुर में क्लेचर, कंगन और चूड़ियां उतरवाई गईं। कानपुर में अभ्यर्थियों के मुंह खुलवाकर चेकिंग की गई। वाराणसी में बाइक से बेटी को परीक्षा दिलाने ले जा रहे पिता को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

इससे पहले, सोमवार को दो पालियों में 9.62 लाख अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, लेकिन 7.23 लाख ही परीक्षा देने पहुंचे। करीब 2.39 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। हापुड़ में एक अभ्यर्थी के पास मोबाइल फोन मिला। मामले में लापरवाही मिलने पर दो दरोगा समेत 6 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

गोरखपुर में बिहार का रहने वाला अभ्यर्थी राम प्रकाश अंडरवियर में मोबाइल छिपाकर पहुंचा। एग्जाम हॉल में पेपर देने के दौरान ड्यूटी पर तैनात शिक्षक को उस पर शक हो गया। चेकिंग की गई तो उसके पास से मोबाइल मिला। आज उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पहली शिफ्ट में परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगी।

इसी तरह दूसरी शिफ्ट में दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा चलेगी। सभी 75 जिलों में 1,183 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिनों (8, 9 और 10 जून) में 28 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 32,679 कॉन्स्टेबल और समकक्ष पदों के लिए 31 दिसंबर 2025 को नोटिफिकेशन जारी हुआ था। 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन हुए।

इजरायल के बड़े शहर में लगेगी छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति

> सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने जताई खुशी

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। भारत और इजरायल के बीच सांस्कृतिक रिश्ते और मजबूत हो रहे हैं। इजरायल ने देश में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने की योजना की घोषणा की है। यह घोषणा पिछले हफ़्ते शिव राज्याभिषेक दिवस के मौके पर मुंबई में इजरायल के राजदूत यानिव रेवाच ने की थी। यानिव रेवाच ने कहा कि यह प्रोजेक्ट भारतीयों को इजरायलियों से जोड़ेगा।

इजरायल में लगेगी छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति

यानिव रेवाच ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा, "हम अच्छी तरह समझते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज का क्या असर है और वे भारत के लिए कितने जरूरी हैं। आइडिया यह है कि महाराज की एक बड़ी मूर्ति बनाकर इजरायल भेजी जाए। यह सिर्फ़ एक रेगुलर प्रोजेक्ट से कहीं ज़्यादा होगा, बल्कि यह लंबे समय तक चलने वाला प्रोजेक्ट होगा। इस प्रोजेक्ट के ज़रिए भारतीय लोग भी इज़रायली लोगों से जुड़ेंगे। हम इसे इज़राइल के किसी बड़े शहर में लाने का प्लान बना रहे हैं।"

फड़नवीस से मांगा सहयोग

यानिव रेवाच ने कहा कि मेमोरियल को शिवाजी की विरासत के लायक बनाने के लिए इजरायल ने ऐतिहासिक रेफरेंस, आर्टिस्टिक कंसल्टेशन और डिज़ाइन के बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से सहयोग मांगा है। वह तुरंत इसे देने के लिए मान गए।

पिछली बार नहीं था बहुमत... अब परिसीमन बिल पर इन दो विपक्षी दलों के भरोसे है मोदी सरकार

इससे पहले देवेंद्र फड़नवीस को लिखे एक पत्र में इजरायली राजदूत ने कहा, "हमारा मानना है कि इज़रायल में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति इजरायल और भारत के बीच करीबी रिश्तों का एक मज़बूत निशान होगी। महाराष्ट्र और भारतीय यहूदी समुदाय के बीच ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए ऐसा स्मारक खास तौर पर मायने रखेगा, जिनके कई वंशज आज इजरायली समाज में अहम योगदान दे रहे हैं।"

यानिव रेवाच ने कहा कि प्रस्तावित मूर्ति का मकसद ज़्यादा से ज़्यादा इजरायलियों को शिवाजी महाराज के जीवन और उपलब्धियों से परिचित कराना भी है। यानिव रेवाच ने आगे कहा, "मैं भारत में जहां भी जाता हूं, लोगों की आंखों में इजरायल और हमारे राष्ट्रीय नायकों के लिए बहुत सम्मान देखता हूं। मेरा मानना है कि हमें इजरायल में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में ज़्यादा जागरूकता फैलाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोस्ती की इसी भावना से मुंबई में इजरायल के राजदूत ने इजरायल में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक मूर्ति लगाने का फैसला किया है।

फड़नवीस ने जताई खुशी

बता दें कि देवेंद्र फड़नवीस ने इस पहल के लिए अपना पूरा समर्थन देने का वादा किया है। एक्स पर एक पोस्ट में देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "यह बहुत बड़ी खबर है! शिव राज्याभिषेक दिवस के शुभ अवसर पर इजरायल में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक बड़ी मूर्ति लगाने की इस ऐतिहासिक घोषणा के लिए इज़रायल सीजी यानिव रेवाच का दिल से धन्यवाद। महाराष्ट्र सरकार इस ऐतिहासिक पहल के लिए पूरा समर्थन देगी। जय भवानी, जय शिवाजी!"

बाइक चालक को बचाने में कार दुर्घटनाग्रस्त गर्भवती महिला समेत तीन लोगों की मौत

करूर (तमिलनाडु)। , 9 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर जिले में अरावकुरिची के पास मंगलवार सुबह सड़क दुर्घटना में गर्भवती महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें दंपति की दो साल की बेटी भी शामिल है। मृतकों की पहचान 30 वर्षीय वी. अरविंद, 28 वर्षीय पत्नी ए. जननी (आठ महीने की गर्भवती) और कार चालक 40 वर्षीय पी. वीरा के रूप में हुई है।

अरविंद और जननी मदुरै जिले के उसिलमपट्टी के पास करुथी वीरनपट्टी के रहने वाले थे, जबकि पी. वीरा उसिलमपट्टी के नेताजी नगर का रहने वाला था। घायलों में दंपति की दो साल की बेटी ए. वावीरा और अरावकुरिची की कलाईवनार स्ट्रीट के रहने वाले 32 वर्षीय पी. पंडितुरई शामिल हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया और उनका इलाज चल रहा है।

गांवों में सुरक्षा बलों की एंट्री पर नई शर्त

> विलेज अथॉरिटी को पहले खबर देनी होगी

नगा गांव में हमले के बाद बढ़ा तनाव

इम्फाल, 9 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 साल से जातीय हिंसा चल रही है। राज्य में पूरी तरह शांति नहीं है। सोमवार को कांगपोकपी जिले के पोंग्रिंगलॉन्ग रोंग्मेई नगा गांव में कुकी उग्रवादी संगठन ने गोलीबारी की। इस घटना के बाद लापता चुन्जांग्लुंग पान्मेई नाम के नगा विलेज गार्ड का शव जंगलों से मिला है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी।

नगा समूहों का आरोप है कि केंद्र कुकी समूहों का इस्तेमाल शैडो वॉर (छाया युद्ध) के तौर पर कर रहा है। इसके अलावा चिंग मामांग गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें एक घायल हुआ है। नगा संगठनों ने सुरक्षा बलों पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गांव में सुरक्षा बलों की एंट्री से पहले विलेज अथॉरिटी को बताना जरूरी

इस बीच, नोने जिले के लोंग्जांग/ठंगाल गांव की विलेज अथॉरिटी ने राज्य पुलिस, असम राइफल्स, सीआरपीएफ को नोटिस दिया है। इसमें कहा है कि सूचना दिए बिना वे गांवों में नहीं आएं। ड्रोन भी न उड़ाएं। मणिपुर हिल एरियाज विलेज अथॉरिटी एक्ट, 1956 के तहत गांवों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी विलेज अथॉरिटी के पास है। तलाशी, गश्ती, छापेमारी, गिरफ्तारी से पहले विलेज अथॉरिटी को बताना जरूरी है।

एनआरसी कराने की मांग को लेकर महिला महारैली

इम्फाल में सोमवार को 14 नागरिक संगठनों की महिलाओं ने 5 किमी तक महारैली निकाली। एनआरसी कराने और घुसपैठियों की पहचान कर बाहर करने की मांग को लेकर हजारों महिलाएं सड़कों पर उमड़ीं।

तीन साल में 731 मौतें

मणिपुर में जारी हिंसा-तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान गंवा चुके हैं। चूराचांदपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंग्पोक्पी में 128 मौतें दर्ज हुईं हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं।

'टीएमसी चोरों-दुष्कर्मियों की पार्टी'

सुखेंदु शेखर रॉय बोले-आरजी कर कांड के बाद पार्टी छोड़ने का मन बना चुके थे

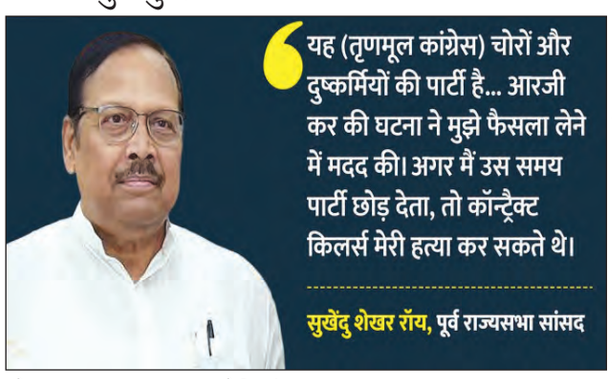

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस छोड़ने और राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा देने पर सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा, 'यह चोरों और दुष्कर्मियों की पार्टी है... आरजी कर की घटना ने मुझे फैसला लेने में मदद की। अगर मैं तब पार्टी छोड़ देता, तो कॉन्ट्रैक्ट किलर्स मेरी हत्या कर सकते थे'। उन्होंने आगे कहा, 'जब आरजी कर की घटना हुई, तो लोग सड़कों पर उतर आए। मैंने अपने राजनीतिक करियर में ऐसा कुछ कभी नहीं देखा था, और मैंने इस बारे में आवाज उठाई। मैंने कहा कि इसमें शामिल सभी लोगों को फांसी दी जानी चाहिए, मैंने एक ट्वीट भी किया और विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हुआ...तब मेरे ट्वीट के लिए मुझे तलब भी किया गया था'।

टीएमसी के शासन को बताया था अराजक

बीते दिन, सुखेंदु शेखर राय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था, 'राज्य के इतिहास में पहली बार जनता ने भाजपा को भारी जनादेश दिया है, जिससे टीएमसी के 15 साल के अराजक शासन का अंत हो गया है। यह शासन व्यापक भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, कानून व्यवस्था, रोजगार आदि क्षेत्रों में घोर विफलताओं के कारण पनपा था... जनता के इस ऐतिहासिक फैसले को सम्मानपूर्वक स्वीकार करते हुए, मैं इस्तीफा दे रहा हूं'।

आरजी कर कांड का भी किया था जिक्र

राज्यसभा सांसद पद और टीएमसी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद, सुखेंदु शेखर राय ने आरजी कर हत्याकांड और दुष्कर्म की घटना पर कहा था, 'सत्ता का नशा उनके (टीएमसी) सिर पर इस हद तक चढ़ गया था कि उन्हें लगता था कि दुनिया में कोई उन्हें छू नहीं सकता'।

पार्टी के शासन काल की जमकर की थी आलोचना

उन्होंने कहा था कि राज्य की जनता ने पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को भारी जनादेश देकर टीएमसी के 15 साल के शासन को समाप्त करने का फैसला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन के दौरान व्यापक भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, उद्योगों की कमी, कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति और रोजगार के अवसरों की कमी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ती रहीं।

नीट यूजी री-एग्जाम : वायुसेना के हेलिकॉप्टर 18 जगह पहुंचाएंगे प्रश्नपत्र

> जीपीएस निगरानी और पासवर्ड से होगी सुरक्षा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए 21 जून को दोबारा होने जा रही नीट-यूजी की परीक्षा के प्रश्नपत्र वायुसेना के एमआई-17 हेलिकॉप्टर दिल्ली से देश के 18 लोकेशन पर पहुंचाएंगे। यहां से पेपर को सेना के लॉजिस्टिक सेंटर और वहां से 551 परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी सेना और अर्द्धसैनिक बलों को दी गई है।

पीएम नरेंद्र मोदी की निगरानी में नीट को पेपरलीक से बचाने के लिए पूरी तरह सरकारी तंत्र का प्रयोग किया गया है। पहली बार सरकारी प्रोफेसरों व वरिष्ठ शिक्षकों से पेपर तैयार करवाकर हिंदी, अंग्रेजी समेत 13 भाषाओं में अनुवाद कराया गया। इसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने वाली प्रौद्योगिकी का भी प्रयोग हुआ है। पूरी प्रक्रिया में सरकार से इतर किसी भी बाहर व्यक्ति को जिम्मेदारी नहीं दी गई है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के लिए बजट तैयार करने वाली टीम भी सीधे जुड़ी है। कुल 23 लाख प्रश्नपत्र छपने हैं और इसके लिए जिस तरह बजट बनाने के दौरान टीम काम करती है, उसी तर्ज पर प्रश्न पत्र तैयार हुए हैं।

लॉजिस्टिक सेंटर से परीक्षा केंद्र तक जीपीएस से निगरानी

प्रश्न पत्र पहुंचाने की पूरी जिम्मेदारी के लिए उच्चस्तरीय समिति बनाई गई है...इसमें शिक्षा मंत्रालय, संचार मंत्रालय के अधीनस्थ डाक विभाग, रक्षा मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय व केंद्रीय गृहमंत्रालय के साथ वरिष्ठ अफसर हैं। समिति पीएमओ और कैबिनेट सचिवालय को सीधे रिपोर्ट करेगी। हवाई जहाज से उतारने के बाद पेपर के स्टील बॉक्स सेना के लॉजिस्टिक सेंटर तक पहुंचाए जाएंगे...डाक विभाग और सेना के वाहनों से केंद्रों तक पेपर पहुंचाने वाले वाहन जीपीएस के साथ लाइव कैमरे जोड़े जा रहे हैं।

परीक्षा शुरू होने तक बॉक्स की निगरानी सेना के जवान करेंगे...दिल्ली हेडक्वार्टर से कमांड मिलने के बाद पासवर्ड से बॉक्स खुलेंगे। पासवर्ड टाइम व दिन के आधार पर बदले जाएंगे। सील खोलने के समय केंद्र के अफसर भी तैनात रहेंगे। इसके लिए उन्हें फोटो पहचान पत्र व पासवर्ड दिया जाएगा।

प्रति व्यक्ति सुरक्षा खर्च 1% बढ़ा, तो क्राइम 0.36% घटा

एसबीआई की 28 राज्यों पर स्टडी, जहां सीसीटीवी ज्यादा, वहां अपराध कम

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। देश की अर्थव्यवस्था और अपराध में गहरा रिश्ता है। अपराध में महज 1% की कमी से अल्पकाल में वास्तविक जीडीपी (विकास दर) 0.11% और दीर्घकाल में 0.133% तक बढ़ जाती है। एसबीआई रिसर्च ने देश के 28 राज्यों की स्टडी के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। जब सरकार प्रति व्यक्ति के हिसाब से अपने सुरक्षा खर्च में 1% की बढ़ोतरी करती है, तो उस राज्य में अपराध दर लगभग 0.36% घट जाती है। मतलब ये है कि सुरक्षा पर जितना ज्यादा खर्च होगा, जुर्म उतना ही कम होगा।

वहीं, जिन शहरों में सीसीटीवी कैमरों से जितना ज्यादा इलाका कवर किया गया है, वहां अपराध अपेक्षाकृत कम है। महिला के खिलाफ अपराध जहां जितने ज्यादा हैं, वहां वर्कफोर्स में उनकी हिस्सेदारी कम है।

पिछले वर्ष की तुलना में अपराध 6.0% कम

2024 में देश में कुल 58.86 लाख संज्ञेय (हत्या, दुष्कर्म आदि) अपराध दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.0% कम हैं। अखिल भारतीय अपराध दर प्रति लाख आबादी पर वर्ष 2023 के 448.3 से गिरकर 2024 में 418.9 हो गई है। राज्यों में केरल में प्रति लाख आबादी पर सबसे अधिक 1,389 संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए। नगालैंड में प्रति लाख आबादी पर सबसे कम 61.6 अपराध दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 1.5% की गिरावट आई है, जो 2023 के 4.48 लाख मामलों से घटकर 2024 में 4.41 लाख रह गए। अपराध में इस गिरावट से भी अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है।

ये आंकड़े दिखाते हैं हरियाणा, बिहार, पंजाब और बंगाल जैसे राज्य महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में राष्ट्रीय औसत (64.6) ऊपर चल रहे हैं। इससे वहां महिला श्रम बल भागीदारी पर नकारात्मक असर पड़ा है। राजस्थान अपवाद है, जहां क्राइम रेट ज्यादा, फिर भी महिला वर्कफोर्स 50%+ पर है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों का अनुमान कहता है कि घरेलू हिंसा के कम से कम 5.94 लाख मामले पुलिस के पास पहुंचने चाहिए थे। लेकिन, एनसीआरबी के रिकॉर्ड में पति या रिश्तेदारों की क्रूरता के केवल 1.21 लाख पीड़ित ही दर्ज हुए।

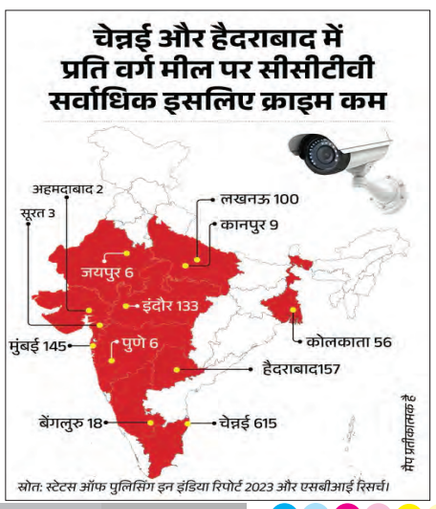

'आपने देश की जनता के लिए क्या किया?' 12 वर्ष पूरे होने पर संजय राउत ने पूछे सवाल

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए। साथ ही, उन्होंने मौजूदा सरकार की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार से किए जाने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी।

पत्रकारों से बातचीत में संजय राउत ने कहा, 'आप लोग कह रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 12 साल पूरे कर लिए हैं। लेकिन मेरा सीधा सवाल है कि इन वर्षों में आपने देश की जनता के लिए क्या किया? आपकी उपलब्धियां क्या हैं? आपने आज तक एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जनता से सीधा संवाद स्थापित करने की कोशिश नहीं की। इसके बावजूद अब आप इस सरकार की तुलना पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार से कर रहे हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं है। पंडित नेहरू ने इस देश को संवारने का काम किया, जिसे आज पूरा देश देख रहा है'।

पीएम मोदी पर संजय राउत ने साधा निशाना

उन्होंने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हर चीज की उम्र बढ़ती है। यहां तक कि धरती की भी उम्र बढ़ रही है। आप किसी भी चीज की उम्र को रोक नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि जब मैं 75 वर्ष का हो जाऊंगा, तब पद छोड़ दूंगा, लेकिन क्या उन्होंने ऐसा किया? उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने अपने कार्यकाल में संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करने का काम किया था। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक रूपरेखा तैयार करने का प्रयास किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार के नेतृत्व में संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि देश पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे नेताओं को कभी नहीं भूल सकता।

पीओके में फिर क्यों भड़की हिंसा

विरोध-प्रदर्शन पर उतरे लोगों की क्या है मांग?

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में एक बार फिर अशांति का माहौल है। वहां बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है। हिंसा में 11 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हुई इस ताजा हिंसा के बाद पाकिस्तान की हुकूमत और वहां की सेना को मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के सवालों का सामना करना पड़ रहा है। पीओके के प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस की कार्रवाई जरूरी थी।

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मुजफ्फराबाद, रावलकोट, पुंछ, मीरपुर और नीलम घाटी सहित पूरे कश्मीर में इंटरनेट सेवाएं और मोबाइल नेटवर्क बाधित हैं।

हिंसा की इस ताजा घटना के पीछे कई वजहें हैं। एक वजह यह है कि पीओके की सरकार ने हाल ही में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगा दिया। जेएएसी का गठन 2023 में हुआ था और यह कश्मीर के लोगों के लिए ज्यादा राजनीतिक अधिकार दिए जाने और शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटों को समाप्त करने की मांग करता है। इसके अलावा भी कई मुद्दों पर पीओके की सरकार से टकरा चुका है। जेएएसी कमेटी का कहना है कि हिंसा में मरने वाले की संख्या 35 तक पहुंच गई है। पिछले साल भी पीओके में बिजली के बढ़े हुए बिल और आटे की बढ़ती कीमतों के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे, जिनमें तीन पुलिस अफसरों समेत कम से कम नौ लोगों की जान गई थी और सैकड़ों घायल हुए थे।

पीओके का इलाका काफी संवेदनशील है। पाकिस्तान ने इस पर कब्जा किया हुआ है। पिछले कुछ सालों में यहां लगातार जेएएसी के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो चुकी है और इसमें बड़ी संख्या में आम लोगों के साथ ही पुलिस अफसरों की भी जान गई है। पीओके में स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी का आरोप, सरकार के खिलाफ नाराजगी जैसे कई मुद्दों को लेकर माहौल तनावपूर्ण है। जेएएसी की ओर से 9 जून को बंद का आह्वान किया गया था लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने के अलावा कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जेएएसी की ओर से गेहूं और बिजली पर सब्सिडी देने की मांग सहित 38 सूत्री मांगें हुकूमत के सामने रखी गई थीं। पिछले साल कमेटी के प्रतिनिधियों, अफसरों और पाकिस्तान की सरकार के बीच हुई बातचीत के बाद 36 मांगों को मान भी लिया गया था। पीओके के प्रधानमंत्री फैसल मुमताज राठौर ने का कहना था कि बची हुई दोनों मांगों पर वह कमेटी के प्रतिनिधियों से बातचीत के लिए तैयार हैं। इन बची हुई दो मांगों में से एक मांग यह है कि शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटों को खत्म किया जाए और सरकारी अफसरों-मंत्रियों को दिए जाने वाले फायदों को भी समाप्त किया जाए। सरकार का कहना है कि इन दोनों पर ही विधानसभा के द्वारा किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जेएएसी पर प्रतिबंध के अलावा हिंसा की इस ताजा घटना के पीछे एक वजह यह भी है कि पीओके के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि पाकिस्तान में रहने वाले कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटें संविधान के द्वारा संरक्षित हैं। अदालत ने यह भी कहा कि इन्हें बिना संवैधानिक संशोधन के खत्म नहीं किया जा सकता।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 10 जून - 2026

टीएमसी में बिखराव

चुनावी हार केवल सीटों का नुकसान नहीं, बल्कि कई बार वह किसी दल की आंतरिक कमजोरियों को भी उजागर कर देती है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ आज कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पार्टी के भीतर बढ़ता असंतोष अब तांडव करने लगा है। जिस प्रकार विधायक और सांसद नेतृत्व के खिलाफ खड़े होते दिखाई दे रहे हैं, उसने सुप्रीमो ममता बनर्जी के सामने एक गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। तातजा घटनाक्रम से पता चलता है कि पार्टी के भीतर केवल असंतोष ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक विघटन की प्रक्रिया भी तेज हो चुकी है। टीएमसी के अनेक विधायक पहले ही अलग समूह बनाकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का चयन कर चुके हैं। अब लोकसभा सांसदों के एक बड़े वर्ग द्वारा भी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत की खबरें सामने आना ममता बनर्जी के लिए बड़ा झटका है। लगभग 20 सांसदों द्वारा संसद में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग करना और भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की इच्छा जताना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है। सांसदों ने काकोली घोष दस्तिदार को अपना नेता मानने की बात भी कही है। ऐसे में आशंका स्वाभाविक है कि टीएमसी केवल संगठनात्मक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और संसदीय स्तर पर भी विभाजन की ओर बढ़ चली है। इस घटनाक्रम का प्रभाव केवल टीएमसी तक सीमित नहीं है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए भी यह बड़ा झटका है। पहले ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) इस गठबंधन से दूरी बनाने के संकेत दे चुकी है, वहीं अब टीएमसी में उभरता संकट विपक्षी एकता को कमजोर करता दिखाई दे रहा है। विपक्षी दलों की बैठकों के बीच इन घटनाक्रमों ने गठबंधन की भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यदि विपक्ष की प्रमुख पार्टियां ही आंतरिक संकटों से जूझती रहेंगी, तो राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत करना कठिन हो जाएगा। दरअसल, किसी भी राजनीतिक दल की स्थिरता उसकी विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व की स्वीकार्यता पर निर्भर करती है। टीएमसी का तेजी से बिखरना दर्शाता है कि केवल व्यक्तित्व-आधारित राजनीति लंबे समय तक टिकाऊ नहीं होती। पार्टी में बड़ी संख्या में ऐसे नेता शामिल रहे हैं जो विभिन्न दलों से आए थे। सत्ता और अवसर के आधार पर बने ऐसे राजनीतिक गठजोड़ संकट के समय सबसे पहले कमजोर पड़ते हैं। यही स्थिति आज टीएमसी में दिखाई दे रही है। इसका एक बड़ा कारण परिवारवाद को भी माना जा रहा है। अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और निर्णय प्रक्रिया के अत्यधिक केंद्रीकरण ने कई नेताओं के बीच असंतोष को जन्म दिया। ऐसी परिस्थितियां किसी भी राजनीतिक दल में असहमति और अंततः विद्रोह की स्थिति पैदा कर सकती हैं। इसके साथ ही, टीएमसी शासन के दौरान भ्रष्टाचार, मनमानी और प्रशासनिक अव्यवस्था के आरोप भी लगातार लगते रहे हैं। चुनाव परिणामों के बाद सामने आए अनेक मामलों ने जनता के बीच सरकार की छवि को प्रभावित किया। यही कारण है कि जिस जनता ने ममता बनर्जी को तीन बार सत्ता सौंपी, उसी जनता ने हालिया चुनाव में उनसे कन्नी काट ली। लोकतंत्र में जनता का विश्वास ही सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी होती है। इसके कमजोर पडते ही सत्ता की नींव भी हिलने लगती है। टीएमसी में उभरती यह टूट बंगाल की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत का संकेत है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग का बढ़ता जाल

अनिकेत सिंह

ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस जैसी एजेंसियां ऑनलाइन गेमिंग पर निगरानी रखती हैं, लेकिन साइबर गेमिंग चलाने वाले उनसे भी ज्यादा चालाक साबित हो रहे हैं। कर्नाटक के कोप्पल जिले में ऑनलाइन बेटिंग और जुए की लत में फंसे 18 वर्षीय युवक मनदीप द्वारा किया गया हत्याकांड बेहद चौंकाने वाला है। उसके माता-पिता उसे ऑनलाइन सट्टेबाजी से दूर करने के लिए रोज समझाते थे, लेकिन साईं वेंकट मनदीप लगातार रोक-टोक से बेहद चिढ़ गया था। पिछले एक वर्ष में वह सट्टेबाजी में परिवार के 15 लाख रुपए गंवा चुका था। दो दिन पहले उसने अपने माता-पिता और बहन पर चाकू से हमला कर दिया। हमला करने के बाद उसने खुद पर भी चाकू चला लिया।

उसके 45 वर्षीय पिता की मृत्यु हो गई, जबकि उसकी 19 वर्षीय बहन प्रगति की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी मां जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही है। घटना के समय मनदीप के दादा भी वहां मौजूद थे। उन्होंने पड़ोसियों को आवाज लगाकर बुलाया था।

पुलिस ने भी दर्ज किया है कि बेटे की बेटिंग की लत के कारण परिवार आर्थिक संकट झेल रहा था। मोबाइल छीन लेना लगभग असंभव हो जाता है। यदि ज्यादा जोर-जबरदस्ती की जाए तो उसे शांत कराने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। जब किशोर ऑनलाइन गेम्स में बेटिंग यानी सट्टेबाजी वाली गेम्स खेलने के आदी हो जाते हैं, तब उन्हें उस लत से बाहर निकालने में बहुत समय लगता है। ऐसे लोग गेम खेलते समय मिली जीत पर अकेले-अकेले चीखते-चिल्लाते और उत्साह व्यक्त करते नजर आते हैं। युवाओं में ऑनलाइन बेटिंग गेम्स की लत इतनी गहरी हो जाती है कि वे अपने माता-पिता की बात तक नहीं मानते। अपना बच्चा हाथ से निकल गया है, यह समझने के बावजूद माता-पिता का स्नेह उन्हें कठोर कदम उठाने से रोकता है। जब भी ऑनलाइन गेमिंग के कारण कोई घटना सामने आती है, तब फरवरी 2026 की वह घटना याद आती है, जिसमें कोरियन गेम्स की लत में फंसी 12, 14 और 16 वर्ष की तीन लड़कियों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। उस समय भी ऑनलाइन गेम्स के दुष्प्रभावों को लेकर व्यापक चर्चा हुई थी। आत्महत्या करने वाली तीनों लड़कियों ने लिखा था, "सॉरी पापा, कोरियन गेम ही हमारी जिंदगी है।"

तीनों लड़कियां कोरियन गेम्स में इतनी डूबी हुई थीं कि उन्होंने अपने नाम भी कोरियाई शैली के नामों के अनुसार रख लिए थे। जब उनसे गेम खेलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल और कंप्यूटर छीन लिए गए, तब उन्होंने एक के बाद एक कूदकर आत्महत्या कर ली। गाजियाबाद की यह घटना बेहद दिल दहला देने वाली थी। ऑनलाइन बेटिंग करवाने वाली कंपनियां लोगों को एक बार जिताती हैं और चार बार हराती हैं। हारने वाले व्यक्ति को और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करने हेतु लोन ऐप्स तक डाउनलोड करवाई जाती हैं। वर्षों से गलियों और मोहल्लों में खेले जाने वाले जुए ने अब ऑनलाइन रूप ले लिया है। कई लड़के-लड़कियां स्कूल की पढ़ाई पर जितना ध्यान नहीं देते, उससे कहीं अधिक ध्यान गेमिंग पर देते हैं।गेमिंग और ऑनलाइन बेटिंग के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं। माता-पिता के लिए ये घटनाएं आंखें खोल देने वाली हैं। बच्चों को उचित उम्र में ही मोबाइल देना चाहिए। जो माता-पिता बच्चों के मनोरंजन के लिए ऑनलाइन गेमिंग की अनुमति देते हैं, उन्हें भी उन पर विशेष निगरानी रखनी चाहिए।

कई बार जब बेटिंग में शुरुआती जीत मिल जाती है, तब माता-पिता भी अनजाने में ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहन देने लगते हैं।

खतरा मंडराया तो ममता को याद आया गठबंधन

अशोक भाटिया

साल 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद और हालिया विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त झेलने के बाद, करीब एक साल बाद पूरा विपक्ष एक मेज पर आया है ।लेकिन इस बैठक की टाइमिंग और इसके पीछे का राजनीतिक तनाव बेहद गहरा है। यह बैठक एकजुटता दिखाने से ज्यादा, गठबंधन के भीतर सुलग रही अंदरूनी बगावत, राज्यों में खोई जमीन और 2029 की चुनावी गोटियां सेट करने की एक हताश कोशिश है। हाल ही आए पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने विपक्ष को एकजुट होने के लिए मजबूर कर दिया है। राजनीतिक समीकरण कुछ यूं बदला है कि... जो ममता बनर्जी 2024 से पहले इंडिया गठबंधन में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बागी तेवर दिखा रही थीं... अब वहीं ममता कांग्रेस के पीछे खड़ी नजर आ रही है... जबकि जो डी एम के कांग्रेस के साथ खड़ी थी अब बागी हो चुकी है...ऐसे में सवाल ये है कि आखिर विपक्ष इस बार किन मुद्दों पर एकजुट होगा... और कैसे ? डी एम के का बागी होना इंडिया गठबंधन के लिए कितना घातक साबित होगा ?

दरअसल 'इंडिया गठबंधन' ममता बनर्जी का एक ऐसा महत्वाकांक्षी राजनीतिक ख्वाब था, जो अधूरा ही रह गया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता की वकालत करते हुए इस मोर्चे के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन उनकी यह रणनीति बंगाल में कांग्रेस और वाम दलों के साथ मतभेदों के चलते धरातल पर नहीं उतर सकी।गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद फाल्टा री-पोलिंग में टीएमसी प्रत्याशी का जमानत जब्त होने और पार्टी में लगातार बगावत झेल रहीं ममता बनजी को इंडिया गठबंधन की याद आई है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को एक फेसबुक लाइव में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस को याद किया। ममता ने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग जून के पहले सप्ताह में एक बार फिर से मिलेंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन की बैठक में एक संयुक्त रणनीति पर चर्चा हो सकती है। यह भी कहा कि विपक्षी खेमा एक लंबी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार है। ममता बनर्जी को विपक्षी एकता की याद आना हास्यास्पद विषय प्रतीत होता है,

मोदी विरोधी विपक्षी इंडिया गठबंधन को ताकत देने के उद्देश्य से उसकी बैठक में शामिल हुईं ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इंडिया गठबंधन की बैठक के समानांतर तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने अलग से बैठक कर टीएमसी से अलग होने और नया गुट बनाने का फैसला कर लिया। यही नहीं, टीएमसी के कई सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन घटनाक्रमों ने राष्ट्रीय राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मिलन के पहले 2024 के लोकसभा चुनाव से करीब एक साल पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजपी से अलग होकर इंडिया गठबंधन बनाने की शुरुआत की थी । नीतीश कुमार खुद सभी राज्यों में गए और विपक्षी नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। इसी प्रयास से 23 जून 2023 पटना में करीब 15-16 विपक्षी दलों का जुटान हुआ। इसके बाद 17 और 18 जुलाई 2023 को बेंगलुरु में दूसरी बैठक हुई, जिसमें राहुल गांधी ने इसको औपचारिक नाम इंडिया गठबंधन दिया। इसी बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाए जाने की बात हो रही थी, लेकिन ममता बनर्जी बैठक पूरी तरह खत्म होने के पहले ही बेंगलुरु से कोलकाता की फ्लाइट पकड़ लीं। इसके बाद 31 अगस्त और 1 सितंबर 2023 को मुंबई में हुई बैठक में इंडिया गठबंधन के लिए 14 सदस्यीय केंद्रीय समन्वय समिति बनी, लेकिन ममता बनर्जी के अड़ंगे की वजह से एक बार फिर नीतीश कुमार को संयोजक नहीं बनाया गया। माना जाता है कि तभी से नीतीश कुमार नाराज हो गए और उन्होंने विपक्षी एकता को छोड़कर एक बार फिर से एनडीए में आने का फैसला ले लिया था। इससे विपक्षी एकता के प्रयास को जबरदस्त झटका लगा, क्योंकि जिस नेता ने इंडिया गठबंधन के कॉन्सेप्ट की शुरुआत की थी वही छोड़कर भाग गए।

नीतीश कुमार के अलग होने के बाद राहुल गांधी आगे बढ़कर इंडिया गठबंधन को बनाए रखने की कोशिश में जुटे। लेकिन यहां भी ममता बनर्जी ने अपनी हनक दिखाई। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी ने टीएमसी के साथ गठबंधन करने के लिए हर संभव कोशिश की। मीडिया में खबर यहां तक आई कि राहुल गांधी केवल लोकसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी के लिए केवल बहरामपुर सीट पर भी टीएमसी से गठबंधन को तैयार थे, लेकिन सत्ता की हनक में ममता बनर्जी कहां सुनने वाली थीं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट देने से मना कर इंडिया गठबंधन की एकता को तिलांजलि देती दिखीं। यहां तक कि उन्होंने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर से हराने के लिए क्रिकेटर यूसूफ पठान को उतारकर साफ संदेश दे दिया कि वह कांग्रेस को कतई तवज्जो देने वाली नहीं हैं। इतना ही नहीं, ममता ने यह तक कहा- 'राहुल गांधी विपक्ष का चेहरा बने रहे तो नरेंद्र मोदी को कोई नहीं हरा सकता।' जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सामने बुरी हार होने के बाद धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए सबसे पहला फोन कॉल राहुल गांधी ने ही उन्हें किया था।इसके अलावा इंडिया गठबंधन की पहली बैठक से ही वामदल हमेशा साथ नजर आए। समय काल परिस्थिति को समझते हुए कांग्रेस ने कई बार प्रयास किया कि ममता बनर्जी वामदलों को साथ लेने पर हामी भरें, लेकिन वह कभी भी तैयार नहीं हुईं। राजनीति के जानकारों ने कहा कि जिस तरह से बिहार में लालू-नीतीश साथ आए, यूपी में 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा साथ आने की हिम्मत जुटाई, उसी तरह ममता बनर्जी अगर बंगाल में वामदलों और कांग्रेस को साथ लेकर चलती हैं तो शायद इंडिया गठबंधन आज कुछ ज्यादा ही मजबूत नजर आता। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के अंदर इंडिया गठबंधन के किसी भी घटक दल को साथ लेकर चलने को तैयार नहीं हुईं।

इतना नहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले और उसके बाद भी कई मौकों पर ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के अंदर ही अपने हिसाब का गठबंधन बनाती दिखीं। ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के नेताओं अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव के साथ अलग ही एकजुटता दिखाने की कोशिश करती दिखीं। वह ऐसा मैसेज देने की कोशिश करती देखीं गईं कि वह देश में कांग्रेस के बिना कोई नया गठबंधन बनाना चाहती हैं।

हर अग्निकांड के बाद एक ही सवाल: जिम्मेदार कौन?

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी क्षेत्र में हुए भी ष ण अग्निकांड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि हमारे यहां हादसे अचानक नहीं होते बल्कि उन्हें पैदा किया जाता है। 21 लोगों की दर्दनाक मौत, दर्जनों घायल, धुएं में घुटती सांसें, तीसरी मंजिल से जान बचाने के लिए छलांग लगाते लोग और बेसमेंट के बाहर बंद पड़ा निकास द्वार, यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्ट व्यवस्था और नियमों की खुलेआम हत्या का भयावह परिणाम था। दुखद यह है कि यह कोई नई कहानी नहीं है। दिल्ली बार-बार अग्निकांडों में जलती है, लोग बार-बार मरते हैं, जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। मालवीय नगर के हादसे में जो शुरुआती तथ्य सामने आए, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाले थे। जिस भवन में 'लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट' और 'मिकासा होम्स' संचालित हो रहे थे, वहां कथित रूप से छह कमरों की अनुमति के बावजूद 25 से अधिक कमरे बनाए गए थे। भवन से निकलने का केवल एक रास्ता था। बेसमेंट में लोगों की मौजूदगी के बावजूद बाहरी गेट पर ताला लगा था। आग लगने के बाद धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोग बाहर निकल ही नहीं सके। कुछ लोगों ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश की। यह दृश्य 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड की भयावह यादों को फिर से ताजा कर गया, जहां बाहर निकलने के रास्ते बंद होने के कारण 59 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली में अग्निकांडों का इतिहास बताता है कि हर बड़ी त्रासदी के पीछे कहानी लगभग एक जैसी है, अवैध निर्माण, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, भ्रष्टाचार, फर्जी प्रमाणपत्र, बंद निकास द्वार और प्रशासनिक लापरवाही। 13 जून 1997 को हुए उपहार सिनेमा अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हुई थी, जो दिल्ली का अब तक का सबसे भयावह अग्निकांड माना जाता है। आग लगने के बाद सिनेमा हॉल में धुआं भर गया और निकास मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। पूरे देश को झकझोर देने वाले इस हादसे के बाद सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने की बातें तो बहुत हुई लेकिन वास्तविकता यही है कि उनसे कोई स्थायी सबक नहीं लिया गया। 31 मई 1999 को लाल कुआं स्थित केमिकल गोदाम में लगी आग में 57 लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी अवैध गोदामों और रासायनिक इकाइयों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया गया। 8 दिसंबर 2019 को अनाज मंडी की अवैध फैक्टरी में लगी आग में 43 लोगों की मौत हुई। उस समय भी खुलासा हुआ था कि इमारत में निकास के पर्याप्त रास्ते नहीं थे, सीढ़ियां सामान से भरी थी और खिड़कियों पर लोहे की ग्रिलें लगी थी। जहरीले धुएं ने मजदूरों को सोते हुए ही मौत की नींद सुला दिया।

12 फरवरी 2019 को करोल बाग के अर्पित पैलेस होटल में लगी आग में 17 लोगों की जान गई। जांच में सामने आया कि होटल में अवैध निर्माण हुआ था और सुरक्षा उपकरण पर्याप्त नहीं थे। 2022 में मुंडका की व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 27 लोगों की मौत हुई। वहां भी केवल एक निकास मार्ग था और सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई थी। उसी वर्ष गोकुलपुरी की झुग्गी बस्ती में आग से 7 लोगों की जान चली गई। 2024 में अलीपुर की अवैध पेंट फैक्टरी में लगी आग में 11 लोगों की मौत हुई। 2026 में पालम और विवेक विहार में हुए अग्निकांडों में नौ-नौ लोगों की जान गई। अब मालवीय नगर की त्रासदी ने मृतकों की सूची में 21 और नाम जोड़ दिए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2026 से 27 मई 2026 तक आग की घटनाओं में 45 लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद विवेक विहार और मालवीय नगर की घटनाओं को जोड़ दें तो यह संख्या 67 से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं बल्कि उन परिवारों की बर्बादी का दस्तावेज है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी इमारतें बन कैसे जाती हैं? कैसे आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चलने लगती हैं? कैसे छह कमरों की अनुमति वाले भवन में 25 कमरे बन जाते हैं? कैसे फायर एनओसी के बिना होटल, रेस्टोरेंट और फैक्ट्रियां वर्षों तक संचालित होती रहती हैं? कैसे चार मंजिल की अनुमति वाले क्षेत्र में छह-सात मंजिलें खड़ी हो जाती हैं? इन सवालों का जवाब किसी जांच आयोग की मोटी रिपोर्ट में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की उस जड़ में छिपा है, जिसने पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। यदि कोई अवैध इमारत बनती है तो वह एक दिन में नहीं बनती। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें उठती हैं, मंजिलें तैयार होती हैं, बिजली के कनेक्शन लगते हैं, पानी के कनेक्शन मिलते हैं और फिर व्यापार शुरू होता है। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक सरकारी विभागों की आंखों के सामने सब कुछ होता है। इसलिए यह कहना कि प्रशासन को जानकारी नहीं थी, वास्तविकता से आंखें मूंदना होगा। सच यह है कि ऐसी अधिकांश इमारतें प्रशासन और कारोबारियों की मिलीभगत का परिणाम होती हैं।

हर हादसे के बाद राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं। मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक घटनास्थल पर पहुंचते हैं। जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है। लेकिन क्या कभी किसी बड़े अधिकारी को कठोर दंड मिला? क्या कभी किसी विभागीय प्रमुख को जवाबदेह ठहराया गया? क्या कभी ऐसी कार्रवाई हुई कि भविष्य में कोई अधिकारी नियमों की अनदेखी करने का साहस न कर सके? दुर्भाग्य से जवाब है 'नहीं'। मालवीय नगर का हादसा भी केवल एक होटल या रेस्टोरेंट की कहानी नहीं है। यह उस पूरे शहरी विकास मॉडल पर प्रश्नचिह्न है, जहां मुनाफा मानव जीवन से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दिल्ली में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जहां फायर सेफ्टी के उपकरण या तो हैं ही नहीं या केवल दिखावे के लिए लगाए गए हैं। अनेक भवनों में इमरजेंसी एग्जिट कागजों में मौजूद हैं लेकिन वास्तविकता में बंद पड़े हैं। कई जगहों पर बेसमेंट का उपयोग पार्किंग की बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। संकरी गलियों में बहुमंजिला भवन खड़े हैं, जहां दमकल की गाड़ियां तक नहीं पहुंच सकती।

अब समय आ गया है कि केवल जांच और मुआवजे की राजनीति से आगे बढ़ा जाए। दिल्ली में सभी होटलों, गेस्ट हाउसों, रेस्टोरेंटों, अस्पतालों, फैक्ट्रियों और बहुमंजिला इमारतों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। फायर एनओसी की व्यवस्था डिजिटल और पारदर्शी बने। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना नहीं बल्कि तत्काल ध्वस्तीकरण हो। सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले भवन मालिकों और जिम्मेदार अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या नहीं बल्कि कठोर आपराधिक मुकदमे दर्ज हों। जब तक जवाबदेही की तलवार ऊपर तक नहीं पहुंचेगी, तब तक नीचे कोई नहीं सुधरेगा। मालवीय नगर की आग में मारे गए लोग किसी राजनीतिक बहस का हिस्सा नहीं थे, वे आम नागरिक थे, जिनमें महिलाएं थी, विदेशी नागरिक थे, मरीजों के परिजन थे और बेहतर जीवन की उम्मीद लेकर वहां ठहरे हुए लोग थे। आज जरूरत शोक व्यक्त करने से ज्यादा आत्ममंथन की है। उपहार कांड से लेकर मालवीय नगर तक लगभग तीन दशक बीत चुके हैं लेकिन व्यवस्था की मानसिकता नहीं बदली। यदि इस बार भी कुछ दिनों के शोर-शराबे के बाद सब कुछ सामान्य हो गया तो यकीन मानिए, अगला अग्निकांड केवल समय का प्रश्न होगा।

परिंदा और दरिंदा

सुरेश कुमार मिश्रा

हल्की-हल्की बारीश के बी च नामपल्ली के चौराहे पर उस्मान भाई के होटल की उस पाया-टूटी बेंच पर बैठकर जब मैं अमजद भाई और उनकी बेगम शकीला का वो पूरा माजरा देख रहा था, तो कसम खुदा की, मेरे कलेजे में एक अजीब सा हौल उठ गया था। लगा कि इस बैंगन की मेरी दुनिया में कोई एक मर्द तो मिला जिसके गुर्दे में सच बोलने का दम है, जिसने ज़माने की परवाह किए बिना अपनी रूह की आवाज़ सुनी। अमजद भाई ने जो बात बोली थी, वो सीधे सीने को चीरती हुई आर-पार हो गई थी, मानो किसी ने जलते हुए कोयले पर ठंडे पानी के छींटे मार दिए हों। पर मियाँ, ये हमारा मुल्क है, यहाँ सच का तमाशा देखने सब जमा हो जाते हैं, लेकिन जब उसी सच की हिफ़ाज़त करने की बारी आती है, तो सब अपने-अपने घरों के किवाड़ बंद कर लेते हैं। यहाँ सच को जितनी जल्दी लोग 'किरकिरी' करके तालियों के शोर में आसमान पर चढ़ाते हैं, उतनी ही जल्दी उसे सियासत की सूली पर भी लटका देते हैं।

खैर, अमजद भाई के उस फैसले के बाद शकीला भाभी का वो काली चादर का साया तो हमेशा के लिए छूट गया, मानो किसी परिंदे को जिंदगी भर के पिंजरे से रिहाई मिल गई हो। वो खुले सर, कजरारे नैनों में थोड़ी सी झिझक और ढेर सारी शर्म लिए राशन की दुकान से लेकर तरकारी मंडी तक दिखने लगीं, जहाँ उनकी खुली ज़ुल्फ़ें हवा में आज़ादी का कसीदा पढ़ती थीं। शुरुआत में तो मोहल्ले के रऊडीशीटरों ने आँखें तरेरीं, बुढ़ियों की कानाफूसी का बाज़ार गर्म हुआ। नौजवानों की नज़रों में आवारागर्दी की नई चमक दिखाई देने लगी। पर धीरे-धीरे लोगों ने इसे अमजद भाई का भेजा सरक गया है सोचकर हजम कर लिया, क्योंकि इस शहर में लोग हर रोज़ एक नया तमाशा देखते हैं और पुराने को भूल जाते हैं। हमारे इलाक़े के बड़े नेता जी, जिन्हें लोग 'छोटे नेता जी' कहते थे क्योंकि बड़े वाले तो सीधे मलाई डकारते थे, वो हाथ जोड़े, कड़क इस्त्री का कुर्ता चमकाते हुए हमारी तंग गली में पधारे। उनके साथ चार-छह चमचे थे, जो बात-बात पर ऐसे आवाज़ाँ लगाते थे कि उनके हलक में कोई पुराना भोंपू फिट हो, जो सिर्फ़ आक़ा की तारीफ़ में ही बजना जानता हो। नेता जी की नज़र सीधे अमजद भाई के मकान पर पड़ी, जहाँ वो बरामदे में बैठे हुए एक पुराना अखबार पढ़ रहे थे, मानो दुनिया की हलचल से बेखबर अपनी ही धुन में मशगुल हों।

नेता जी ने लपककर उनके हाथ थाम लिए और अपनी बनावटी बत्तीसी चमकाते हुए बोले, ₹अरे अमजद भाई! आप तो शेर-ए-दकन निकले मियाँ, वो जो कॉलेज-वॉलज में हिजाब को लेकर रोज़ का किच-किच चल रहा है न, उसमें आपका मिसाल तो हमें हर स्टेज पर देना चाहिए। आपने पुरानी तौर-तरीकों की बेड़ियाँ काट दीं, देश को आप जैसे 'प्रोग्रेसिव' लोगों की बहुत ज़रूरत है, आप ही तो इस बेकार दुनिया के असली चराग़ हो।

नरेन्द्र मोदी राज के 12 साल भरोसे और हकीकत में बदलने का दौर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि मॉनिंग कंसल्ट की माने तो दुनिया के नेताओं की सूची पर एक नजर दौड़ाई जाएं तो केई भी वैश्विक नेता स्वीकार्यता में नरेन्द्र मोदी के आसपास भी नहीं टिकते। विपक्षी पार्टियां द्वारा लगातार देश और विदेश में अभियान चलाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेंकिंग या स्वीकार्यता के मामलें में वैश्विक नेताओं से बहुत आगे हैं। 68 प्रतिशत स्वीकार्यता नरेन्द्र मोदी की है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्वीकार्यता रेंक लगातार नेगेटिव जा रही है। फालोवर्स में भी नरेन्द्र मोदी सबसे आगे हैं। दुनिया का संभवतः हमारा ही देश होगा जहां देश के बाहर भारत की छवि खराब करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही उसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह स्वीकार्यता निश्चित रुप से भारत ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी उनकी लोकप्रियता और सर्वमान्यता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले चुनिंदा प्रधानमंत्री बन गए हैं। चुनिंदा इसलिए कि देश में पहले लोकसभा चुनाव 1952 में हुए पर पं. नेहरु 1947 से 1952 तक भी प्रधानमंत्री रहे। लगातार 12 साल कोई कम नहीं होते और वह भी लगातार 12 साल। सबसे बडी बात यह कि इस दौरान नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा ऐसे साहसिक निर्णय किये गये हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। माना तो यही जाता था कि कश्मीर में धारा 370 और 35 ए हटाना, राममंदिर का निर्माण, डिजिटल क्रांति, वैश्विक नेतृत्व, नोटबंदी, एक देश एक कर, घर घर शोचालय, घर घर कचरा संग्रहण, रक्षा उपकरणों का निर्यात, किसान सम्मान, मेक इन इंडिया, इंडिया फर्स्ट, बड़ी अर्थ व्यवस्था, तेजी से ढांचागत विकास, डिजिटल भुगतान, नक्सलवाद की नेस्तनाबूदी, आत्मनिर्भर भारत, परिवहन क्षेत्र में ढांचागत बदलाव आदि आदि समय समय पर की जाने वाली घोषणाएं केवल चुनाव जीतने के जुमले हैं पर लगभग असंभव माने जाने वाले यह काम आज धरातल पर उतरना सबसे बड़ी उपलब्धी मानी जा सकती है। इससे सबके साथ ही सबसे आश्चर्य जनक बात यह है कि लाख विरोध के बावजूद विपक्ष आज हाशिये में चला गया है।

कश्मीर से धारा 370 और 35 ए की समाप्ति हो चुकी है। दुनिया के किसी देश ने खुलकर इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बाबरी मस्जिद के स्थान पर राममंदिर का निर्माण हो चुका है तो तीन तलाक, सीएए, यूसीसी और यहां तक कि सर्जीकल स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिन्दुर तक पर दुनिया के किसी देश की भारत के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं हो पाई है। आज अर्थ व्यवस्था में जिस तेजी से बदलाव आया है और चौथी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने के बाद अब तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने की और तेजी से कदम बढ़ चुके हैं। जनधन योजना के समय जिस तरह से आलोचना का दौर चला था आज भुगतान में डिजिटलीकरण में इसकी बड़ी भूमिका तय हो चुकी है। जो लगभग असंभव माना जा सकता था वह आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से संभव हो पाया है और पांच रु. के टमाटर का भुगतान भी सब्जीवाले तक को यूपीआई से आसानी से होने लगा है। सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजना के भुगतान, पेंशन, अनुदान आदि आज सीधे खातों में जाने लगे हैं। यह किसी दिवा स्वप्न से कम नहीं है। आईपीसी सीपीसी में बदलाव किया जा चुका है। तो जीएसटी में लाख कमियां गिनाने के बावजूद आज समूचा देश एक देश एक कर के छाते के नीचे आ चुका है। बुनियादी ढांचें में तेजी से बदलाव आया है। आज वंदे भारत और नमो भारत ट्रेन चलने लगी है तो 33 किमी प्रतिदिन हाईवे का निर्माण हो रहा है। एक्सप्रेस हाईवे से आवागमन आसान हुआ है। आयुष्मान योजना से 50 करोड़ लोगों को जोड़ा जा चुका है तो सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता का नेटवर्क विस्तारित किया गया है। आज 98 प्रतिशत घरों से घर घर कचरा संग्रहण होने लगा है तो अब घर घर में शोचालय बन चुके हैं। कोरोना के दौरान हमारे प्रयासों को सारी दुनिया द्वारा सराहा गया यहां तक कि कोरोना के दौरान जीवन रक्षक की भूमिका में भारत ने भूमिका निभाई। किसानों की आय में बढ़ोतरी के ठोस प्रयास हुए हैं तो किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को उनका आत्मसम्मान उपलब्ध कराया गया है। एमएसपी व्यवस्था में सुधार हुए हैं तो खेती किसानी के क्षेत्र में बदलाव छाप दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया और इंडिया फर्स्ट भी आज साकार होता दिखाई दे रहा है। आज हम रक्षा उपकरणों का निर्यात करने लगे हैं तो सहस्त्रबलों के आधुनिकीकरण और निर्णय की स्वतंत्रता का परिणाम है कि आज सेनाएं आत्मगौरव के साथ आगे बढ़ रही है। आज देष आत्म निर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जहां तक कूटनीतिक स्तर पर सफलता की बात है तो भारत आज पिछलग्गू देशों में नहीं बल्कि दुनिया का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लाख प्रयासों के बावजूद भारत के खिलाफ कुछ खास कर नहीं पा रहे हैं। पाकिस्तान के पक्ष में आज तुरकिया जैसे एकाध को छोड़कर कोई देश बोलने की स्थिति में नहीं है। मालदीव को नरेन्द्र मोदी के एक फोटो ट्वीट ने सबक सीखा दिया तो दूसरे देश भी भारत की ताकत को समझने लगे हैं।

खैर यह सब होते हुए भी नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने अभी चुनौतियां कम नहीं हैं। रोजगार सृजन, प्रति व्यक्ति आय में अंतर, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, जल जीवन मिशन के बावजूद पेयजल की सहज उपलब्धता, खेती की बरसात पर निर्भरता, परिसीमन आदि ऐसे बहुत से मुद्दे हैं जिन पर ठोस काम किया जाना है।

गुरुवार को अधिक मास की एकादशी

भविष्योत्तर पुराण के एकादशी माहात्म्य नाम के अध्याय में इस व्रत का जिक्र किया गया है। वैष्णव परंपरा में प्रचलित कथा के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को अधिक मास के कृष्ण पक्ष की इस एकादशी का नाम, विधि और महत्व बताया था। कथा के भीतर कौण्डिन्य ऋषि ने सुमेधा ब्राह्मण और उनकी पत्नी पवित्रा को यह व्रत करने की सलाह दी थी।

भगवान विष्णु के पुरुषोत्तम रूप की पूजा

सुबह स्नान कर भगवान विष्णु के सामने व्रत का संकल्प करें। इस दिन भगवान विष्णु के पुरुषोत्तम रुप की पूजा करने का विधान है। इस रूप में भगवान की चार भुजाएं होती है। जिनके हाथों में शंख, चक्र, गदा और पद्म रहते हैं।

पूजा में दीप, धूप, पुष्प, तुलसी और नैवेद्य अर्पित करें। दिनभर संयम रखें। सेहत का ध्यान रखते हुए फलाहार या निर्जल व्रत किया जा सकता है। शाम को विष्णु सहस्रनाम, गीता, एकादशी कथा या भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करें। रात में भजन-कीर्तन और जागरण का भी महत्व बताया गया है। द्वादशी पर पारण करें और जरूरतमंदों को दान दें।

सुमेधा-पवित्रा की कथा: कौण्डिन्य ऋषि ने बताई परमा एकादशी व्रत की विधि

काम्पिल्य नगर में सुमेधा नाम के ब्राह्मण और उनकी पत्नी पवित्रा रहते थे। दोनों बहुत गरीब थे, लेकिन धर्म और अतिथि सेवा में कमी नहीं रखते थे। गरीबी से परेशान होकर सुमेधा ने परदेश जाने का मन बनाया, लेकिन पवित्रा ने कहा कि भाग्य और पिछले कर्मों का फल घर पर रहकर धर्म से ही बदलेगा।

कुछ समय बाद कौण्डिन्य ऋषि उनके घर आए। दोनों ने अपनी क्षमता के अनुसार ऋषि की सेवा की। पवित्रा ने उनसे दरिद्रता दूर करने का उपाय पूछा। ऋषि ने कहा कि अधिक मास के कृष्ण पक्ष की परमा एकादशी का व्रत करो।

इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत, दान और जागरण करने से दुख, पाप और दरिद्रता दूर होती है।

सुमेधा और पवित्रा ने श्रद्धा से यह व्रत किया। इसके बाद उनके जीवन में बदलाव आया। कथा के अनुसार, एक राजकुमार ने उन्हें सुंदर घर और जीवन चलाने के लिए गांव दिया। दोनों ने जीवन में सुख पाया और अंत में भगवान विष्णु के लोक को प्राप्त हुए।

सबसे पहले कुबेर फिर राजा हरिश्चंद्र ने किया था ये व्रत

कथा में मुख्य रूप से सुमेधा और पवित्रा को यह व्रत करते बताया गया है। हालांकि कौण्डिन्य ऋषि इस व्रत का महत्व बताते हुए कुबेर और राजा हरिश्चंद्र का भी उदाहरण देते हैं। कथा के अनुसार, कुबेर ने इस व्रत के प्रभाव से धनाध्यक्ष पद पाया और हरिश्चंद्र ने भी कठिन समय में इस व्रत से सुख पाया। लेकिन श्रीकृष्ण ने परमा एकादशी की जो कथा युधिष्ठिर को सुनाई उसके अनुसार सुमेधा-पवित्रा ने इस व्रत को किया था।

11 जून को परमा एकादशी, कुबेर और राजा हरिश्चंद्र ने किया था ये व्रत, अब 2029 में आएगी ये तिथि

गुरुवार, 11 जून को अधिक ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी है। इसे परमा, पुरुषोत्तमी या कमला एकादशी भी कहते हैं। अधिक मास में होने के कारण ये व्रत तीन साल में एक बार आता है। अब ये व्रत 9 अप्रैल 2029 को आएगा।

धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत से पाप, दुख और दरिद्रता दूर होती है। इस दिन भगवान विष्णु-लक्ष्मी की पूजा, व्रत, दान, जप, भजन और रात में जागरण किया जाता है।

कौन हैं त्रिवेणी रक्षक

जिनके दर्शन बिना पूरी नहीं होती प्रयागराज की तीर्थयात्रा

गजकर्ण का किया था वध

तीर्थराज प्रयाग में तीन नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम को त्रिवेणी संगम कहा जाता है। इसमें स्नान से सभी पाप मिट जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। देश और दुनियाभर से लोग प्रयागराज आते हैं और त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। इस त्रिवेणी की रक्षा स्वयं भगवान विष्णु करते हैं, जिनको त्रिवेणी रक्षक कहा जाता है। प्रयागराज की तीर्थयात्रा तब तक पूरी नहीं होती है, जब तक कि वेणी माधव मंदिर में त्रिवेणी रक्षक श्री वेणी माधव के दर्शन न कर लिए जाए।

वर्तमान में जगत के स्वामी नारायण को प्रिय पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) चल रहा है। विशेष अवसर पर इस मंदिर का धार्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। मान्यता है कि अधिक मास में नारायण के दर्शन-पूजन से कई गुना अधिक फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में हम आपको भगवान वेणी माधव मंदिर के बारे में बताते हैं, जिसका कनेक्शन त्रेतायुग से माना जाता है।

त्रेतायुग में भगवान विष्णु ने किया था राक्षस गजकर्ण का वध

पौराणिक मान्यताओं और पुराणों के अनुसार, श्री वेणी माधव मंदिर का संबंध त्रेतायुग से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि उस समय राक्षस गजकर्ण के अत्याचार से तीनों लोकों में भय और अशांति फैल गई थी। तब भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा के लिए उसका अंत किया और त्रिवेणी की सुरक्षा सुनिश्चित की। इसके बाद त्रिवेणी की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने प्रयाग में वेणी माधव के रूप में स्थायी रूप से निवास करने का वरदान दिया। मान्यता है कि तभी से वेणी माधव को प्रयागराज का प्रमुख देवता और त्रिवेणी का रक्षक माना जाता है। इसी कारण इस मंदिर का धार्मिक महत्व बहुत ज्यादा है। धार्मिक ग्रंथों, विशेषकर पद्म पुराण में भी उल्लेख मिलता है कि तीर्थराज प्रयाग में भगवान विष्णु वेणी माधव के रूप में विराजमान हैं। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और पौराणिक इतिहास का

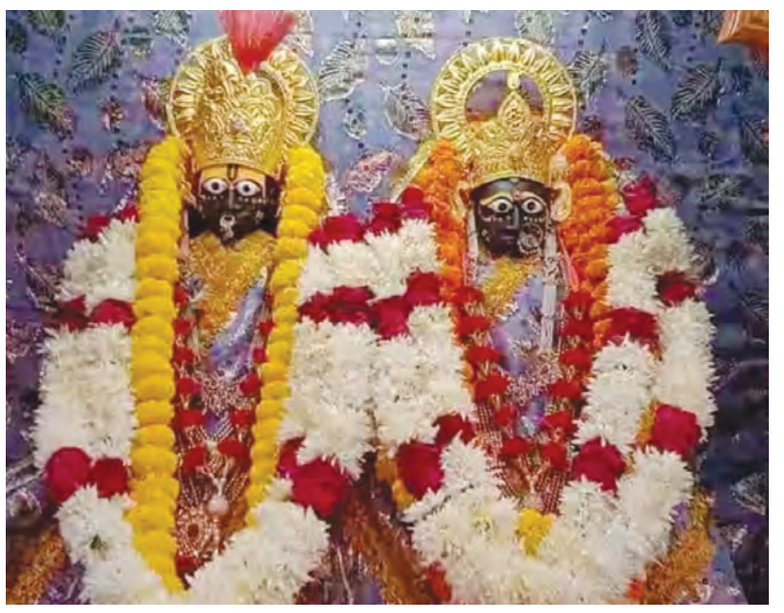

जीवंत प्रतीक भी माना जाता है।

गर्भगृह में शालिग्राम से बनी है प्रतिमा

श्री वेणी माधव मंदिर में भगवान विष्णु की श्याम वर्ण शालिग्राम शिला से बनी प्रतिमा गर्भगृह में स्थापित है। इसके साथ ही त्रिवेणी देवी की प्रतिमा भी यहां स्थापित है। दोनों प्रतिमाएं काले शालिग्राम पत्थर से निर्मित हैं। भगवान वेणी माधव अपने हाथों में शंख और चक्र धारण किए हुए दर्शाए जाते हैं। मंदिर को 'नगर देवता' और 'लक्ष्मी नारायण मंदिर' जैसे नामों से भी जाना जाता है। मंदिर के मुख्य द्वार पर 'नगर देवता' और 'माधो सकल काम साधो' जैसे पवित्र वाक्य अंकित हैं, जो इसकी आध्यात्मिक महत्ता को दिखाते हैं।

चैतन्य महाप्रभु ने किया भजन-कीर्तन

इतिहास और भक्ति परंपरा में यह भी उल्लेख मिलता है कि महान संत चैतन्य महाप्रभु ने अपने प्रयाग प्रवास के दौरान इस मंदिर में समय बिताया था और यहां भजन-कीर्तन किया करते थे। इससे इस स्थान का आध्यात्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

भगवान विष्णु के 'द्वादश माधव' रूप

प्रयागराज में भगवान विष्णु के कुल 12 स्वरूपों को 'द्वादश माधव' के रूप में पूजा जाता है, जिनमें वेणी माधव को मुख्य माना गया है। अन्य स्वरूपों में चक्र माधव, गदा माधव, पद्म माधव, अनंत माधव, बिंदु माधव, मनोहर माधव, असि माधव, संकट हरण माधव, आदि वेणी माधव, आदि वट माधव और शंख माधव शामिल हैं। मान्यता है कि चक्र माधव ज्ञान और विद्या प्रदान करते हैं, जबकि आदि वट माधव को सृष्टि और प्रलय से जोड़कर देखा जाता है।

कहां पर है श्री वेणी माधव मंदिर?

श्री वेणी माधव मंदिर प्रयागराज जंक्शन से लगभग सात किलोमीटर दूर दारागंज क्षेत्र के पास स्थित है। यहां पहुंचने के लिए रेलवे स्टेशन से ऑटो, रिक्शा और टैक्सी की सुविधा आसानी से उपलब्ध है। मंदिर सड़क मार्ग से भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जिससे श्रद्धालुओं को पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होती।

श्री वेणी माधव मंदिर दर्शन का समय

मंदिर के दर्शन का समय भी निर्धारित है। यह सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहता है। विशेष अवसरों जैसे कृष्ण जन्माष्टमी, पूर्णिमा, एकादशी और अनंत चतुर्दशी पर यहां विशेष पूजा और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं।

क्या आपको भी लगता है कि आपके पितृ हैं नाराज?

पितरों को मनाने का अच्छा मौका, इस दिन करें पिंडदान

हरिद्वारः नाराज पितरों को मनाने के लिए साल में कई तिथियों का आगमन होता है। इन तिथियों पर अपने पितरों के निमित्त कोई भी धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, जप-तप आदि किया जाए, तो नाराज पितृ प्रसन्न हो जाते हैं। ऐसे ही मलमास यानी अधिक मास में मांगलिक कार्य या शुभ कार्य करना वर्जित होता है। भगवान विष्णु को प्रिय इस मास में पूजा पाठ करने का महत्व होता है।

संयोग से संवत 2083 के ज्येष्ठ मास में अधिक मास की अमावस्या का आगमन सोमवार के दिन होगा। सोमवती अमावस्या से ठीक 1 दिन पहले पितृ कार्येषु अमावस्या होगी, जो नाराज पितरों को मनाने के लिए सर्वश्रेष्ठ तिथि बताई गई है।

पितृ दोष के ये संकेत

पितृ कार्येषु अमावस्या पर प्रकाश डालते हुए उत्तराखंड के हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि संवत में होने वाली कुछ तिथियां बेहद खास होती हैं। ऐसे ही अधिक मास की अमावस्या 15 जून सोमवार के दिन होने से साधकों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। सोमवती अमावस्या से एक दिन पहले नाराज पितरों को मनाने और पितृ दोष की शांति के लिए पितृ कार्येषु अमावस्या का आगमन 14 जून को होगा। पितरों के नाराज होने से कार्यों में बाधा बनी रहती है। बनते-बनते कार्यों का बिगाड़ना, तरक्की में रुकावट आना, बुरे सपने आना, सपने में सांप का दिखाना, सपने में पितरों का चित्र दिखाना आदि सभी पितृ दोष के संकेत होते हैं।

नाराज पितरों को ऐसे करें प्रसन्न

ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि शास्त्रों में पितृ कार्येषु अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। 14 जून को होने वाले पितृ कार्येषु अमावस्या पर यदि नाराज पितरों को मनाने के लिए उनका पिंडदान, तर्पण, पितृ गायत्री का पाठ, पितरों को तिलांजलि, जलांजलि, पितरों की शांति के लिए हवन, जप-तप आदि किया जाए तो नाराज पितृ प्रसन्न होकर अपने धाम लौट जाते हैं।

पंडित श्रीधर शास्त्री आगे बताते हैं कि पितरों के निमित्त पिंडदान आदि सभी कार्य 14 जून की दोपहर 3:00 बजे से पूर्व करने पर ही लाभ मिलेगा। यह सभी कार्य करने के बाद अपने सामर्थ्य के अनुसार अपने पितरों को प्रिय वस्तुएं दान देने पर अटके हुए सभी कार्यों में तेजी आएगी और तरक्की के द्वार खुल जाएंगे।

वास्तु अनुसार रेफ्रिजेरेटर पर चिपकाएं ये फ्रिज मैग्नेट

धन-ऊर्जा होगी आकर्षित

घरों में फ्रिज का इस्तेमाल खाने-पीने की चीजों को ठंडा कर लंबे समय तक ताजा और सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है। लेकिन आजकल फ्रिज को सजाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इनमें फ्रिज मैग्नेट भी एक है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ विशेष प्रतीकों वाले फ्रिज मैग्नेट सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि और सौभाग्य को आकर्षित करने में सहायक हो सकते हैं। अगर आप भी फ्रिज मैग्नेट लगे हैं तो यहां जानें रेफ्रिजेरेटर पर किस तरह का मैग्नेट लगाना शुभ होता है।

कमल- वास्तु और धार्मिक मान्यताओं में कमल को धन, समृद्धि और माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। फ्रिज पर कमल के फूल वाला कोई मैग्नेट लगा सकते हैं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। साथ ही यह धन प्रवाह को भी एक्टिव करता है।

सूर्य का प्रतीक- ज्योतिष में सूर्य को ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता का प्रतीक माना गया है। सूर्य की आकृति या उगते सूर्य वाले फ्रिज मैग्नेट लगा सकते हैं। इसे सकारात्मकता बढ़ाने वाला माना जाता है।

लक्ष्मी या कुबेर- कई लोग कुबेर या लक्ष्मी प्रतीक वाले फ्रिज मैग्नेट भी लगते हैं। इसे भी वास्तु अनुसार शुभ माना जाता है। लेकिन धार्मिक स्टीकर्स या मैग्नेट लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि, आपके फ्रिज में मांसाहार चीजें या मदिरा आदि न हो।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, फ्रिज मैग्नेट के लिए परिवार की मुस्कुराती हुई तस्वीर वाला मैग्नेट, पेड़-पौधों वाले मैग्नेट, श्री यंत्र, स्वास्तिक या शुभ प्रतीकों वाले मैग्नेट भी लगा सकते हैं।

ऐसे फ्रिज मैग्नेट से बचें- वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा के अनुसार, फ्रिज में उदासी, अकेलेपन, संघर्ष दर्शाने वाले, हिंसक जानवर, सूखे पड़े, डूबता सूरज, बंजर भूमि, डरावने चेहरे या नकारात्मक चित्र वाले मैग्नेट लगाने से बचना चाहिए।

भगवान अपने भक्त में कभी भी अभिमान नहीं रहने देते

हमेशा सामान्य रहने की कोशिश करें। जब समाज में आपकी प्रतिष्ठा और पहचान होती है तो और अधिक सामान्य बनने का प्रयास करें। जब कभी हमारा कहीं अपमान हो जाए तो उससे व्यथित होने की जगह उस परिस्थिति और व्यक्ति से सीखें कि ऐसा हुआ क्यों।

बल्कि मन ही मन उस स्थिति का आभार व्यक्त करें कि उस अपमान ने हमें धैर्य सिखाया। इसका परिणाम है निरभिमानिता, जो भगवान को बहुत पसंद है। काकभुशुंडि जी ने गरुड़ जी से कहा था- सुनहु राम कर सहज सुभाऊ, जन अभिमान न राखहिं काऊ।

राम जी का सहज स्वभाव सुनिए, वे भक्त में अभिमान नहीं रहने देते। यदि हम निरभिमानी होते हैं तो राम जी का काम ही कम कर रहे होते हैं। हम अपने-आप अभिमान दूर करें तो भगवान को राहत मिल जाएगी और प्रसन्नता भी।

अपने काम से प्रेम करें और इसे भूल जाएं कि लोग हमें नोटिस करें। सहयोगियों से विनम्रता का व्यवहार करें। अनजाने लोगों से अपनापन बनाए रखें तो इससे अभिमान गिरता है और ईश्वर प्रसन्न होता है।

सफलता के लिए क्यों जरूरी हैं धैर्य दूरदर्शिता और सही रणनीति?

खुद से बातचीत करना सफलता प्राप्त करने की पहली और सबसे महत्त्वपूर्ण सीढ़ी है। जब हम अपने मन की गहराइयों में झांकते हैं, खुद से सवाल करते हैं और अपने विचारों का विश्लेषण करते हैं, तो हमें अपने लक्ष्य और कमजोरियों की स्पष्ट समझ मिलती है। खुद से ईमानदारी से बात करने से हम अपनी वास्तविक स्थिति को पहचान सकते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। खुद से बात करने का मतलब सिर्फ अपने विचारों को सुनना नहीं, बल्कि उन्हें सही दिशा में मोड़ना भी है।

यह आत्मविश्लेषण हमें बताता है कि हम कहां खड़े हैं, हमें कहां जाना है और हमें वहां तक पहुंचने के लिए क्या-क्या कदम उठाने चाहिए। अपने अच्छे और बुरे निर्णयों पर विचार करने, सही और गलत कार्यों का विश्लेषण करने और खुद से ईमानदारी से सवाल करने की जरूरत है कि क्या हम सही राह पर चल रहे हैं। जब हम खुद से सच्चे सवाल पूछते हैं, तो हमें अपने सुधार की दिशा का भी पता चलता है।

केवल भाग्य पर नहीं प्रयासों और संकल्पों से मिलती है सफलता

सफलता केवल भाग्य पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह हमारे प्रयासों और संकल्पों का परिणाम होती है। सबसे पहले, अपने लक्ष्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना चाहिए। जब तक हमारा लक्ष्य स्पष्ट नहीं होगा, तब तक हम सही दिशा में आगे नहीं बढ़ सकते। अपने सपनों को साकार करने के लिए ठोस योजना बनाना आवश्यक है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो बिना थके, बिना रुके अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहते हैं।

मेहनत और दृढ़ संकल्प के बिना कोई भी सपना पूरा नहीं हो सकता। आत्मविश्लेषण और खुद से बातचीत करना जरूरी है, क्योंकि जब हम अपने मन की गहराइयों में झांकते हैं और खुद से सवाल करते हैं, तो हमें अपने लक्ष्य और कमजोरियों की स्पष्ट समझ मिलती है। खुद से ईमानदारी से बात करने से हम अपनी वास्तविक स्थिति को पहचान सकते हैं।

एक अपमान ने बदल दी दो मित्रों की किस्मत

द्रोणाचार्य और द्रुपद की कथा सिखाती है कि अहंकार रिश्तों को तोड़ देता है, जबकि अनुशासन, धैर्य और सम्मान सफलता का मार्ग बनाते हैं। जानिए इस प्रेरक प्रसंग की सीख।

महाभारत कथा

आचार्य द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों से गुरु दक्षिणा के रूप में पांचाल नरेश द्रुपद को बंदी बनाकर लाने की इच्छा जताई। यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि वर्षों पुराने अपमान का प्रतिशोध भी था। गुरु का आदेश सुनते ही कौरव और पांडव दोनों युद्ध की तैयारी में जुट गए।

आचार्य द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों से गुरु दक्षिणा के रूप में पांचाल नरेश द्रुपद को बंदी बनाकर लाने की इच्छा जताई। यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि वर्षों पुराने अपमान का प्रतिशोध भी था। गुरु का आदेश सुनते ही कौरव और पांडव दोनों युद्ध की तैयारी में जुट गए।

दुर्योधन, कर्ण और अन्य कौरव योद्धा विशाल सेना लेकर पांचाल राज्य पर चढ़ाई कर देते हैं। उन्हें विश्वास था कि वे आसानी से द्रुपद को पराजित कर देंगे। लेकिन पांचाल की सेना ने जबरदस्त प्रतिरोध किया और युद्ध का रुख बदलना शुरू कर दिया। राजा द्रुपद स्वयं रणभूमि में उतरे और अद्भुत पराक्रम दिखाया। उनके बाणों और युद्ध कौशल के सामने कौरव सेना टिक नहीं पाई। दुर्योधन और उसके साथी योद्धाओं को पीछे हटना पड़ा। कौरवों की यह हार सभी के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई।

कौरवों की असफलता देखकर अर्जुन ने युद्ध की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने समझ लिया कि केवल सेना से लड़ना पर्याप्त नहीं होगा। अर्जुन ने अपने भाइयों के साथ मिलकर सीधे द्रुपद तक पहुंचने और उन्हें बंदी बनाने की रणनीति तैयार की। युद्ध के दौरान भीमसेन गदा लेकर शत्रु सेना पर टूट पड़े। उनके प्रहार से हाथी, घोड़े और रथों में भगदड़ मच गई। पांचाल सेना के अनेक योद्धा भयभीत हो गए। भीम के इस विकराल रूप ने पांडवों के लिए विजय का मार्ग आसान कर दिया।

रणभूमि में अर्जुन और राजा द्रुपद आमने-सामने आए। दोनों ओर से बाणों की वर्षा होने लगी। द्रुपद ने पूरी शक्ति से मुकाबला किया, लेकिन अर्जुन की अद्वितीय धनुर्विद्या के सामने उनकी रणनीति कमजोर पड़ने लगी। युद्ध का निर्णायक क्षण अब निकट था। अर्जुन ने अपने तीव्र और सटीक बाणों से द्रुपद का धनुष काट दिया। इसके बाद उन्होंने तेजी से आगे बढ़कर राजा को घेर लिया और बंदी बना लिया। पांचाल सेना अपने राजा को बचाने में असफल रही। इस प्रकार गुरु दक्षिणा पूरी होने की दिशा में सबसे बड़ा कदम उठ गया।

वेदांग रैना की नई फिल्म में आया बड़ा मोड़, नाओमिका सरन के साथ प्रगति श्रीवास्तव भी निभाएंगी अहम रोल

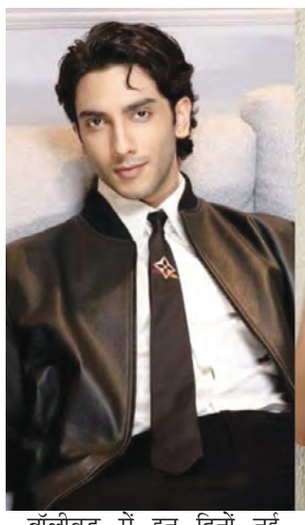

प्रगति श्रीवास्तव

नाओमिका सरन

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

सूत्र ने बताया कि फिल्म की ज्यादातर शूटिंग पूरी हो चुकी है। केवल कुछ दिनों का काम बाकी है। इसके बाद निर्माण कार्य और अन्य तैयारियां पूरी की जाएंगी। माना जा रहा है कि फिल्म को साल 2026 के आखिर तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।

प्रगति श्रीवास्तव की बात करें तो इससे पहले उन्होंने साउथ फिल्मों में काम किया है और धीरे-धीरे हिंदी फिल्म जगत में भी अपनी पहचान बना रही हैं। वह पहले प्रकाश झा की 'जनादेश' और आनंद एल राय की 'नखरेवाली' में काम कर चुकी हैं। अब इस नई फिल्म के जरिए वह बड़े स्तर पर दर्शकों के सामने आएंगी।

दूसरी ओर, नाओमिका सरन भी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वह हिंदी फिल्म जगत के बेहद चर्चित परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नाओमिका, हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले राजेश खन्ना और मशहूर अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की नातिन हैं। उनकी मां रिंकी खन्ना भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ऐसे में नाओमिका की फिल्मी शुरुआत को लेकर पहले से ही काफी चर्चा बनी हुई है।

वहीं वेदांग रैना भी अपने करियर के महत्वपूर्ण दौर में हैं। उनकी एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैं वारस आऊंगा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ, नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे।

'कॉकटेल 2' की दुनिया से अभी बाहर नहीं आ पाईं कृति सेनन, शूटिंग के अनदेखे पलों को किया शेयर

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके कलाकार लगातार दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसी बीच कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया पर एक बीटीएस वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग के दौरान के कई मजेदार पल देखने को मिले। कृति सेनन ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में फिल्म के सेट पर बिताए गए कई खूबसूरत पल दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सबसे ज्यादा ध्यान फिल्म के एक बड़े गाने की शूटिंग पर जाता है। इसमें कृति सेनन और अभिनेता शाहिद कपूर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों कभी नाचते दिखाई देते हैं तो कभी हंसते और मस्ती करते हुए नजर आते हैं। वीडियो में वह हर पल का भरपूर आनंद लेते दिख रहे हैं।

वीडियो में कृति अलग-अलग लुक्स में दिखाई दे रही हैं। वहीं शाहिद कपूर भी पूरे जोश के साथ नजर आ रहे है। दोनों कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिख रही है। वीडियो में डांस की तैयारी के पल भी दिखाए गए हैं।

कलाकार गाने की रिहर्सल करते दिखाई देते हैं। समुद्र किनारे फिल्माए गए कई सीन्स बेहद खूबसूरत हैं। बड़ी संख्या में लोग म्यूजिक पर नाचते और खुशी मनाते नजर आते हैं।

फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी वीडियो में छोटी सी झलक दिखाई देती है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया भी नजर आते हैं।

कृति सेनन ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "मेंटली अभी भी फिल्म की दुनिया में हूं। 19 जून से थिएटर्स में 'कॉकटेल 2' जरूर देखने आए।"

'कॉकटेल 2 इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक है। यह साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' की अगली कड़ी है। पहली फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, इसलिए इस नई फिल्म से भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी में प्यार, दोस्ती, रिश्तों की उलझन और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। साथ ही फिल्म में कई खूबसूरत गाने भी शामिल हैं। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तलाक के बाद बच्चों की परवरिश में भरत तख्तानी के सहयोग पर बोलीं ईशा देओल

'मैं सिंगल हूं, लेकिन सिंगल मॉम नहीं'

अभिनेत्री ईशा देओल और भरत तख्तानी अलग हो चुके हैं। इसके बाद भी दोनों की दोस्ती कायम है। एक बातचीत के दौरान ईशा ने अपने रिश्ते के बारे में खुल कर बात की। साथ ही यह भी बताया कि बच्चों की परवरिश के लिए वो किस तरह एक दूसरे का साथ देते हैं।

बेटियों की करते हैं को-पेरेंटिंग

हाल ही में अभिनेत्री ईशा देओल ने बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में बताया, 'मैं यह कहना चाहूंगी कि हालांकि मैं अकेली हूं, लेकिन मैं खुद को अकेली मां के रूप में नहीं देखती। ईश्वर की कृपा से, भरत और मैं अपनी बेटियों की परवरिश में एक टीम की तरह काम करते हैं। हम एक परिवार हैं और हमारे बच्चे हमेशा हमारी पहली प्राथमिकता रहेंगे।

उन्हें प्यार और स्नेह देना और उनके लिए मजबूत सहारा बनना, यह एक ऐसी चीज है जिसके लिए हम पूरी तरह से एक दूसरे से सहमत हैं।'

2012 में भरत तख्तानी से शादी

एक्ट्रेस ईशा देओल ने भरत तख्तानी से 2012 से शादी की थी। इसके बाद उन्होंने 2017 में पहली बेटी राध्या को में जन्म दिया। वहीं 2019 में वह दूसरी बेटी मिराया की मां बनी। ईशा और भरत की शादी लगभग 11 तक चली जिसके बाद कपल ने शांतिपूर्ण तरीके से अलग होने का फैसला किया। ईशा को कई बार भरत के साथ फैमिली डिनर करते भी करते देखा जाता है।

ईशा का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री ईशा देओल अपने करियर पर ध्यान दे रही हैं। 2002 में फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'धूम', 'युवा', 'नो इंट्री' में भी दिखाई दीं। शादी के बाद उन्होंने लंबे समय तक स्क्रीन से दूरी बना कर रखी।

मगर अब जल्द ही एक्ट्रेस हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'घूंघट' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन राजीव एस रुइया ने किया है। फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट की जानकारी अभी सामने नहीं आई।

कृष 4 बंद होने की खबरों पर बोले राकेश रोशन

बॉलीवुड के चर्चित प्रोजेक्ट्स में शामिल 'कृष 4' एक बार फिर सुर्खियों में है। पिछले कुछ महीनों से खबरें थीं कि फिल्म के बजट और निर्माण को लेकर ऋतिक रोशन और यशराज फिल्म्स (YRF) के बीच मतभेद चल रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऋतिक अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म 'कृष 4' के लिए करीब 500 करोड़ रुपए का बजट चाहते हैं, जबकि आदित्य चोपड़ा इसे 350 करोड़ रुपए के भीतर रखना चाहते हैं।

अब इन अटकलों पर फिल्ममेकर राकेश रोशन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऋतिक द्वारा 500 करोड़ रुपए की मांग किए जाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं।

राकेश रोशन बोले- ऐसी बातें पूरी तरह बकवास

एक इंटरव्यू में राकेश रोशन ने कहा कि यह कहना गलत है कि ऋतिक ने फिल्म के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट मांगा है। उन्होंने इन खबरों को "नॉनसेंस" यानी बकवास बताया। राकेश के मुताबिक, बड़ी और दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरने वाली फिल्म बनाने में समय लगता है। 'कृष' फ्रेंचाइजी की हर फिल्म को तैयार करने में भी पर्याप्त समय लिया गया था।

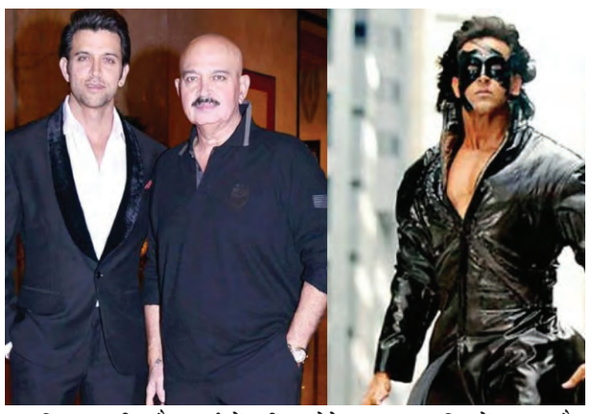

फिल्म बंद नहीं हुई, सही समय का इंतजार

राकेश रोशन ने स्पष्ट किया कि फिल्म किसी विवाद या मतभेद की वजह से अटकी नहीं है। उन्होंने कहा कि 'कृष 4' पर काम जारी है और फिल्म को लेकर कोई समस्या नहीं है। उनके मुताबिक, फिलहाल ऋतिक अपने दूसरे प्रोफेशनल कमिटमेंट्स और प्रोडक्शन हाउस के काम में व्यस्त हैं। इसलिए तारीखों को लेकर इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनके, ऋतिक और आदित्य चोपड़ा के बीच किसी तरह का विवाद नहीं है। सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में कही जा रही बातों में सच्चाई नहीं है।

पहले क्या थीं रिपोर्ट्स?

इस साल की शुरुआत में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 'कृष 4' का निर्माण बजट को लेकर फंस गया है। कहा गया था कि ऋतिक फिल्म को इंटरनेशनल सुपरहीरो फिल्मों के स्तर पर बनाना चाहते हैं, जिसके लिए लगभग 500 करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वहीं YRF लागत नियंत्रित रखना चाहता है। इसी वजह से फिल्म की शूटिंग आगे नहीं बढ़ पा रही है। हालांकि अब राकेश रोशन के बयान के बाद साफ हो गया है कि फिल्म बंद नहीं हुई है और बजट को लेकर कोई बड़ा टकराव भी नहीं है।

ऋतिक करेंगे निर्देशन

'कृष 4' इसलिए खास है क्योंकि यह ऋतिक रोशन के करियर की पहली निर्देशित फिल्म होगी। पिछले साल राकेश रोशन ने घोषणा की थी कि 'कृष 4' के जरिए ऋतिक निर्देशन की दुनिया में कदम रखेंगे। फिल्म में वे अभिनय के साथ निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

फिलहाल फैंस को फिल्म की शूटिंग शुरू होने और आधिकारिक रिलीज डेट का इंतजार है। राकेश रोशन के ताजा बयान से साफ हो गया है कि 'कृष 4' अभी भी ट्रैक पर है और इससे जुड़ी कई अफवाहों में सच्चाई नहीं है।

नोरा फतेही के 'सीर सीर' ट्रैक ने किया धमाका 18 घंटे में मिले 6.1 मिलियन व्यूज

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए नोरा फतेही का नया गाना 'सीर सीर' रिलीज हो गया है। यह ट्रैक फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ऑफिशियल म्यूजिक प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप म पर जारी किया गया है जो टूर्नामेंट के ऑफिशियल एल्बम में शामिल है। इस ट्रैक के लिए दुनिया भर से म्यूजिकल बैकग्राउंड के कलाकारों को एक साथ लाया गया। इसे म्यूजिक प्रड्यूसर संजय और फ्रांसीसी सिंगर वेजड्रीम के साथ मिलकर बनाया गया है। 18 घंटे में इस गाने को 6.1 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

यह अनाउंसमेंट इस कन्फर्मेशन के कुछ दिनों बाद आई है कि नोरा फतेही 12 जून को टोरंटो के आउटडोर स्टेडियम BMO फील्ड में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ओपनिंग सेरिमनी में 12 जून को परफॉर्म करेंगी। कतर वर्ल्ड कप के दौरान एक फैन इवेंट में परफॉर्म करने के बाद फीफा में ये नोरा फतेही की एक और परफॉर्मेंस होगी।

नोरा ने कहा- यह सॉन्ग मेरे लिए बहुत खास

रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीर सीर' को लेकर बातें करते हुए नोरा ने कहा, 'यह सॉन्ग मेरे लिए बहुत खास है।' उन्होंने बताया कि इस ट्रैक की कल्पना अलग-अलग कल्चर के मिले-जुले स्वरूप के तौर पर की गई थी और इसका उद्देश्य ग्लोबल होने के साथ-साथ अपनी खासियत को भी बरकरार रखना था।

इसके पीछे भारतीय कोरियोग्राफर से लेकर डांसरों और स्टाइलिंग टीम तक

उन्होंने आगे कहा कि वह चाहती हैं कि यह ट्रैक उनकी पहचान के हर पहलू को एक साथ लेकर आए, जिसमें उनकी मोरक्को और कनाडा की जड़ें शामिल हों, साथ ही भारत और साउथ एशियन कम्यूनिटी का उनकी जर्नी पर जो असर रहा है, वह भी शामिल हो। नोरा ने इस प्रोजेक्ट में भारतीय भागीदारी को लेकर भी बातें कीं। उन्होंने कहा, 'इस गाने के बिहाइंड द सीन में इंडियन रिप्रजेंटेशन ने इसे और भी मीनिंगफुल बना दिया है। इसके पीछे भारतीय कोरियोग्राफर से लेकर डांसरों और स्टाइलिंग टीम तक ने अहम भूमिका निभाई है।'

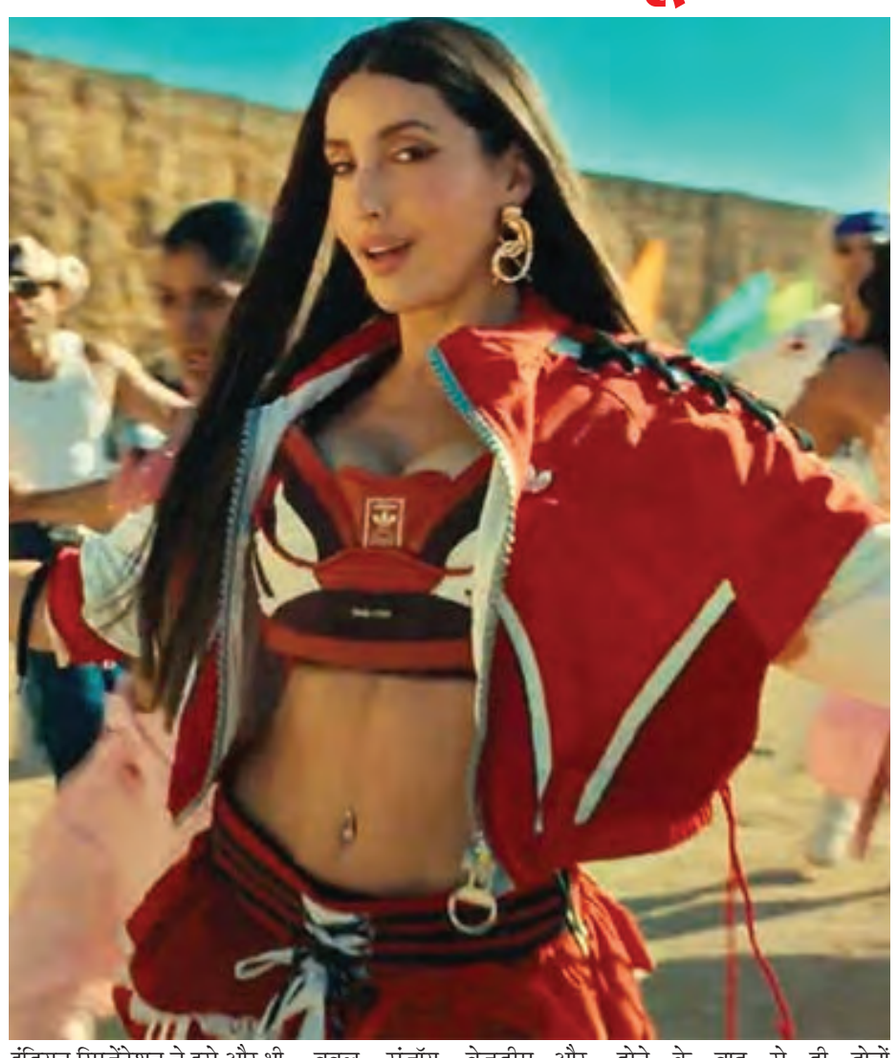

लोगों ने कहा- ये अब तक के सभी फीफा एल्बम का बेस्ट गाना

इस वीडियो को देखकर लोगों ने कहा है- ये अब तक के सभी फीफा एल्बम का बेस्ट गाना है। एक ने कहा, 'भारतीय दोस्तो, आगे आइए, चलिए हमारी दिलबर नोरा का सपोर्ट करें! उन्हें अब पहले से कहीं ज्यादा हमारी जरूरत है! यह शानदार है।' बता दें कि नोरा भी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले कनाडाई कलाकारों की लंबी लिस्ट का हिस्सा हैं , जिसमें एलनिस मॉरिसेट, एलेशिया कारा, इलियाना, जेसी रेयेज़, माइकल बुबल, संजॉय, वेजड्रीम और विलियम प्रिंस आदि के नाम शामिल हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा हाल ही में एक म्यूजिक में आपत्तिजनक डांस को लेकर विवादों में आईं औक हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने उन्हें पेश होना पड़ा था। दरअसल उन पर आरोप है कि उन्होंने 'सरके चुनर' गाने में महिलाओं को गलत तरीके से पेश किया है। इस हिंदी गाने के बोल और सीन को आपत्तिजनक और 'डबल मीनिंग' वाला बताया गया, जिसको लेकर सोशल मीडिया और धार्मिक संगठनों ने भारी विरोध जताया। नोरा और संजय दत्त पर फिल्माए इस गाने के हिंदी वर्जन की झलक मार्च में रिलीज होने के बाद से ही दोनों आलोचनाओं के घेरे में थे।

इसे लेकर नोरा ने लिखित माफीनामा दिया और कहा कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। गाने का हिंदी वर्जन को बाद में यूट्यूब से हटा दिया गया। नोरा ने भविष्य में ऐसे आइटम सॉन्ग न करने की बात कही।

नोरा ने इस मामले में सफाई देते हुए कहा था यह गाना 3 साल पहले शूट किया था। उन्होंने कन्नड़ भाषा में शूटिंग की थी, लेकिन बाद में फिल्ममेकर्स ने बिना उनकी जानकारी के आपत्तिजनक हिंदी बोल और एआई (AI) वर्जन जोड़कर इसे रिलीज कर दिया।

विवाद और आलोचनाओं के बाद 'पेद्दी' से हटाए गए जान्हवी कपूर के बोल्ड रोमांटिक सीन

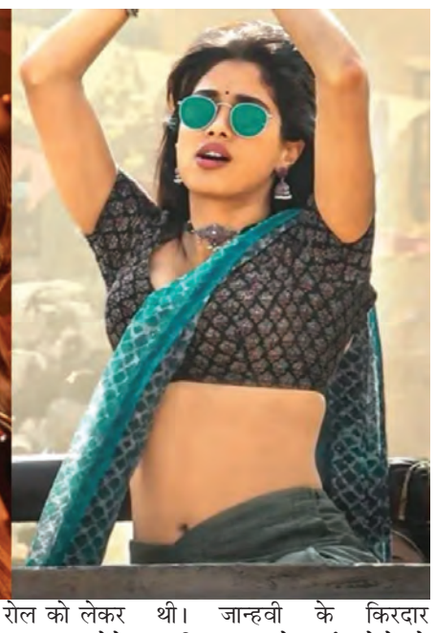

राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म की तारीफ हो रही हैं। मगर, साथ ही आलोचनाएं भी हो रही हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर को जिस तरह दिखाया गया है, उस पर विवाद शुरू हो गया। 'पेद्दी' में अभिनेत्री के कुछ गैर-जरूरी और बेहद बोल्ड सीन हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर निर्देशक और मेकर्स को ट्रोल किया गया।

क्यों लिया जान्हवी के सीन हटाने का फैसला?

निर्देशक बुची बाबू सना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि जान्हवी कपूर के रोल को लेकर हुई आलोचना के बाद उन्होंने आखिरकार 'पेद्दी' से विवादित सीन हटा दिए हैं। यह कदम उन शॉट्स और रोमांटिक सीन पर आपत्तियों के बाद उठाया गया, जिन्हें महिलाओं के प्रति अपमानजनक माना गया था। निर्देशक ने कहा कि जान्हवी कपूर को बहुत ज्यादा बोल्ड दिखाने वाले हिस्सों पर सोशल मीडिया पर हुए हंगामे के बाद उन्होंने 'पेद्दी' से कुछ सीन हटा दिए हैं।

निर्देशक बुची बाबू ने 'इंडियन एक्सप्रेस' के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि जान्हवी वाले कुछ सीन को लेकर गलतफहमी बढ़ गई थी। जान्हवी के किरदार 'अचियम्मा' को कई लोगों ने गलत समझा। दर्शकों ने 'अचियम्मा' के किरदार को लिखे जाने के तरीके पर सवाल उठाए थे। एक हिस्से और महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले समूहों ने फिल्म के रोमांटिक ट्रैक की आलोचना की थी। इसके बाद मेकर्स ने एलान किया कि महिलाओं के प्रति अपमानजनक माने जाने वाले दृश्यों को काट दिया जाएगा।

बुची बाबू को मांगनी पड़ी माफी

विरोध बढ़ने पर बुची बाबू सना ने उन सीन को लेकर माफी मांगी और कहा कि उन्हें फिल्म से हटा दिया जाएगा। राम चरण और जान्हवी कपूर में से किसी ने भी अभी तक इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बुची बाबू ने कहा, 'मेरी राय में बहुत से लोगों ने जान्हवी कपूर के ट्रैक को एक अच्छी कहानी में अनावश्यक समझ लिया। उन्होंने कहा कि अपनी पिछली फिल्म के विपरीत 'पेद्दी' में उनका नजरिया जानबूझकर अलग रखा गया था। उनके अनुसार, मकसद राम चरण के किरदार 'पेद्दी' और उसके बदलाव के बीच अंतर दिखाना था। इस बदलाव की कहानी का एक हिस्सा जान्हवी के किरदार पर निर्भर था।

निर्देशक ने माना कि गलती हुई

बुची बाबू ने यह भी माना कि कुछ जगहों पर फिल्म बनाने के तरीके में गड़बड़ हुई। उन्होंने कहा, 'इस प्रक्रिया में कुछ शॉट्स ऐसे बन गए, जो गलत संदेश दे सकते थे। हमने उन्हें ठीक करने के लिए जरूरी कदम उठाए और उन्हें हटा दिया।

जिन दृश्यों की आलोचना हुई, उनमें जान्हवी का इंट्रोडक्शन शॉट भी शामिल था। जान्हवी के जिन सीन पर आपत्ति हुई है, उनमें एक वह सीन भी शामिल है, जिसमें राम चरण का किरदार पेद्दी, जान्हवी की मर्जी के बिना उसे किस करता है और कहता है कि उसे प्यार जाहिर करने का कोई और तरीका नहीं पता।

प्यार कम नहीं, फिर भी क्यों दुखी रहती हैं महिलाएं? वजह जानकर चौंक जाएंगे

रिश्तों की मजबूती केवल बड़े वादों या महंगे उपहारों से नहीं बनती, बल्कि रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों से तय होती है। कई बार लोग सोचते हैं कि जब तक कोई बड़ा विवाद न हो, तब तक रिश्ते में सब कुछ ठीक है। लेकिन सच यह है कि कुछ छोटी आदतें ऐसी होती हैं जो धीरे-धीरे रिश्ते की नींव को कमजोर कर सकती हैं।

खासकर महिलाओं के लिए सम्मान, भावनात्मक जुड़ाव और महत्व महसूस करना बेहद जरूरी होता है। जब उन्हें लगता है कि उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा या उनकी भावनाओं की तुलना किसी और से की जा रही है, तो वे अंदर ही अंदर आहत हो सकती हैं। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश महिलाएं हर बात पर शिकायत नहीं करतीं। वे कई बार चुप रह जाती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि उन्हें दर्द नहीं हुआ।

दूसरी महिलाओं पर ज्यादा ध्यान देना

जब कोई पुरुष अपनी पार्टनर के साथ होने के बावजूद लगातार दूसरी महिलाओं को देखता है या उन पर अधिक ध्यान देता है, तो इससे महिला को असुरक्षा और उपेक्षा का एहसास हो सकता है। यह केवल देखने की बात नहीं, बल्कि सम्मान और प्राथमिकता का भी सवाल बन जाता है।

खास तारीखें और यादगार दिन भूल जाना

पहली मुलाकात की तारीख, जन्मदिन, शादी की सालगिरह या कोई विशेष दिन कई महिलाओं के लिए भावनात्मक महत्व रखता है। जब ये दिन पार्टनर बार-बार भूल जाएं, तो उन्हें लग सकता है कि रिश्ते की अहमियत कम हो रही है।

ज्यादा मत सोचो, कहना

जब कोई महिला अपनी चिंता या परेशानी साझा करती है, तो अक्सर उसे समाधान से ज्यादा समझे जाने की जरूरत होती है। ऐसे समय पर उसकी बात को हल्के में लेना या ₹इतना मत सोचो₹ कहना उसे अनसुना महसूस करा सकता है। महिला अपने दिल की बात पार्टनर से कहे, और वह उनकी बातों को सुनने समझने की बजाय ये बोल दें कि तुम आराम करो, ज्यादा मत सोचा करो, तो महिला मन ही मन दुखी हो जाती है।

दोस्तों की राय को उसकी भावनाओं से ऊपर रखना

हर रिश्ते में दोस्तों और परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन यदि किसी व्यक्ति के फैसलों में हमेशा दोस्तों की राय को प्राथमिकता मिले और पार्टनर की भावनाओं को नजरअंदाज किया जाए, तो इससे रिश्ते में दूरी आ सकती है। जैसे, आप अपने पार्टनर के साथ किसी जगह विशेष पर जाना चाहें, लेकिन दोस्त के कहने पर आपका पार्टनर उस स्थान को खराब बताकर जाने से मना कर दे। इस तरह की बातें महिलाओं को पसंद नहीं आतीं और वह अक्सर खामोशी से इस दुख को झेल लेती हैं।

सार्वजनिक रूप से उसका साथ न देना

हर महिला चाहती है कि उसका साथी साथ निभाए, और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करे। जब कोई महिला अपमानित महसूस कर रही हो और उसका साथी उसके सम्मान की रक्षा के लिए आगे न आए, तो यह उसके आत्मविश्वास और रिश्ते दोनों को प्रभावित कर सकता है। ऐसे क्षण अक्सर लंबे समय तक याद रहते हैं। ऐसे मामले तब ज्यादा देखने को मिलते हैं जब महिला को ससुराल में लोग कुछ कहते हैं, गलती निकालते हैं या कमियां गिनाते हैं, वो भी उसके पति के सामने, लेकिन उनका साथी चुप रहता है।

अपने ही घर में विकल्प जैसा महसूस कराना

हर व्यक्ति चाहता है कि उसे अपने रिश्ते और परिवार में महत्व मिले। यदि किसी महिला को यह महसूस होने लगे कि उसकी राय, जरूरतें या उपस्थिति प्राथमिकता नहीं हैं, तो वह भावनात्मक रूप से अकेला महसूस कर सकती है।

दूसरी महिलाओं से तुलना करना

'तुम मम्मी जैसा खाना नहीं बना पाती', 'पता है मेरी कलीग इतनी परफेक्ट है, जो काम करती है सब बेस्ट करती है।'

क्या आप भी अपनी पत्नी से जाने-अनजाने में ऐसी बातें बोल देते हैं?

किसी भी महिला को अपने पार्टनर द्वारा दूसरे से तुलना किए जाना पसंद नहीं आता।

दोस्त की पत्नी, किसी महिला मित्र, अपनी मां, बहन या किसी अन्य महिला से लगातार तुलना करना रिश्ते के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

तुलना अक्सर आत्मसम्मान को चोट पहुंचाती है।

यह संदेश देती है कि वह जैसी है, वैसी पर्याप्त नहीं है।

हर माता-पिता को अपने बेटे को सिखानी चाहिए ये बातें, भविष्य होगा बेहतर!

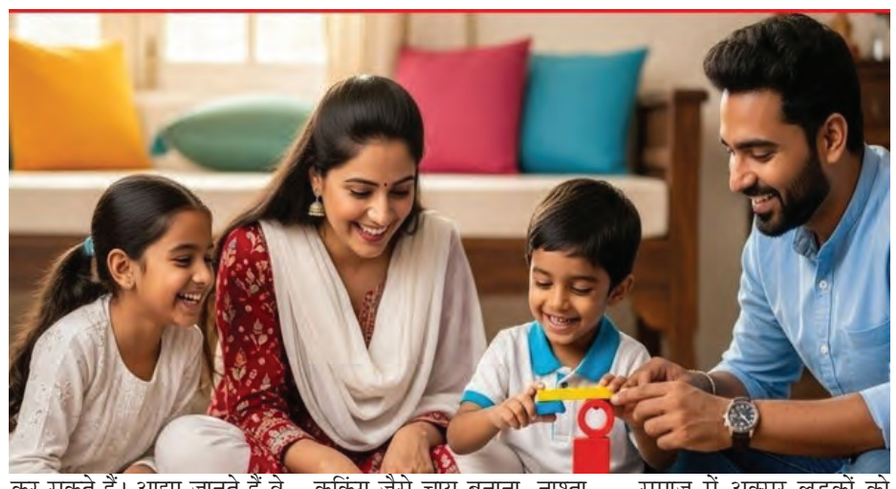

बच्चों की परवरिश केवल उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उन्हें जीवन के जरूरी कौशल और संस्कार सिखाना भी माता-पिता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। अक्सर देखा जाता है कि घर के कुछ काम और जिम्मेदारियां केवल बेटियों को सिखाई जाती हैं, जबकि बेटों को इन चीजों से दूर रखा जाता है। लेकिन बदलते समय में यह सोच तेजी से बदल रही है।

आज के दौर में लड़का हो या लड़की, दोनों को आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बनाना जरूरी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बचपन में सीखी गई आदतें और कौशल बच्चों के व्यक्तित्व को आकार देते हैं। यदि बेटों को भी घर और समाज से जुड़ी जिम्मेदारियों की समझ दी जाए, तो वे न केवल बेहतर इंसान बनते हैं बल्कि भविष्य में अपने परिवार और रिश्तों को भी बेहतर तरीके से संभाल पाते हैं।

कुछ ऐसे जरूरी काम हैं जो हर माता-पिता को अपनी बेटियों के साथ-साथ बेटों को भी जरूर सिखाने चाहिए। ये कौशल उन्हें आत्मनिर्भर, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं वे 5 महत्वपूर्ण बातें जिन्हें हर बेटे को सीखना चाहिए।

घर के कामों में हाथ बंटाना

बच्चों को छोटी उम्र से ही घर के कामों में भागीदारी सिखानी चाहिए। अपना कमरा व्यवस्थित रखना, बर्तन रखना, कपड़े फोल्ड करना या मेज लगाना जैसे काम जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। इससे बच्चे समझते हैं कि घर चलाना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

खाना बनाना सीखना

खाना बनाना केवल एक जीवन कौशल नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता की निशानी भी है। बेटों को बेसिक कुकिंग जैसे चाय बनाना, नाश्ता तैयार करना और सरल भोजन बनाना जरूर सिखाना चाहिए। इससे वे भविष्य में किसी पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहते।

महिलाओं का सम्मान करना

बचपन से ही बच्चों को दूसरों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का महत्व समझाना चाहिए। बेटों को यह सिखाना जरूरी है कि हर व्यक्ति, चाहे वह महिला हो या पुरुष, सम्मान और समान व्यवहार का हकदार है। यह सीख उनके व्यक्तित्व को सकारात्मक दिशा देती है।

अपनी भावनाएं व्यक्त करना

समाज में अक्सर लड़कों को अपनी भावनाएं छिपाने की सलाह दी जाती है, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य के लिए भावनाओं को समझना और व्यक्त करना बेहद जरूरी है। बेटों को अपनी बात खुलकर कहना, मदद मांगना और दूसरों की भावनाओं को समझना सिखाना चाहिए।

पैसों की जिम्मेदारी समझना

कम उम्र से ही बच्चों को बचत, बजट और जिम्मेदारी से खर्च करने की आदत सिखानी चाहिए। इससे वे आर्थिक रूप से जागरूक बनते हैं और भविष्य में बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम होते हैं।

शादी से जुड़ी ये सच्चाई आपको कोई नहीं बताएगा

फिल्मों, सोशल मीडिया और समाज में भी विवाह की एक खूबसूरत तस्वीर पेश की जाती है, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल होती है। शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो अलग-अलग सोच और जीवनशैली का मिलन भी होती है। ऐसे में रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए केवल प्यार ही काफी नहीं होता।

कई बार शादी के बाद लोगों को ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिनके बारे में उन्होंने पहले कभी सोचा भी नहीं होता। अगर आप शादी करने जा रहे हैं या हाल ही में विवाह बंधन में बंधे हैं, तो कुछ जरूरी सच्चाइयों को जानना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये बातें आपको रिश्ते की वास्तविकताओं को समझने और वैवाहिक जीवन को बेहतर तरीके से संभालने में मदद करेंगी।

सिर्फ प्यार से रिश्ता नहीं चलता

शादी में प्यार बहुत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन केवल प्यार के भरोसे रिश्ता लंबे समय तक नहीं चल सकता।

वैवाहिक जीवन में भरोसा, समझदारी और जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी होती है।

जब रोजमर्रा की जिंदगी शुरू होती है, तो कई चुनौतियां सामने आती हैं, जिनमें आर्थिक दबाव, परिवार की जिम्मेदारियां और समय की कमी शामिल होती है।

ऐसे में सिर्फ भावनाएं नहीं, बल्कि व्यावहारिक सोच भी रिश्ते को मजबूत बनाती है।

हर बात पर सहमति होना जरूरी नहीं

हर इंसान की सोच, परवरिश और अनुभव अलग होते हैं, इसलिए शादी के बाद हर मुद्दे पर सहमत होना संभव नहीं होता।

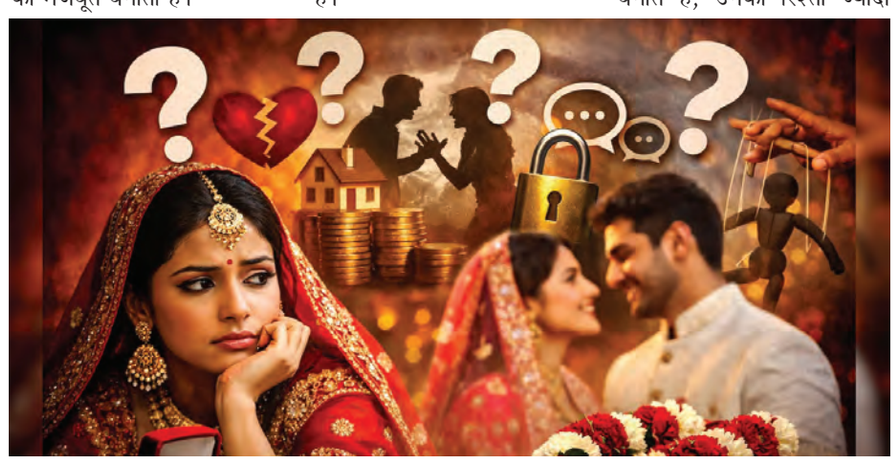

छोटे-मोटे मतभेद सामान्य हैं और यह किसी भी स्वस्थ रिश्ते का हिस्सा हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि असहमति के बावजूद सम्मान बना रहे और विवाद को बातचीत से सुलझाया जाए, न कि उसे बढ़ने दिया जाए।

आर्थिक मामलों पर खुलकर बात करना जरूरी

शादी में आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर चर्चा करना बेहद जरूरी है।

अगर आर्थिक स्थिति को लेकर पारदर्शिता नहीं होगी, तो गलतफहमियां बढ़ सकती हैं और रिश्ता प्रभावित हो सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग मिलकर करना रिश्ते को मजबूत बनाता है।

एडजस्टमेंट करना ही पड़ता है

शादी दो अलग-अलग परिवारों और सोच का मिलन होती है, इसलिए यहां एडजस्टमेंट करना स्वाभाविक है।

कभी करियर को लेकर, कभी परिवार की जिम्मेदारियों को लेकर और कभी व्यक्तिगत आदतों में बदलाव करना पड़ता है।

जो कपल एक-दूसरे की जरूरतों को समझकर संतुलन बनाते हैं, उनका रिश्ता ज्यादा मजबूत और स्थिर रहता है।

रोमांस समय के साथ बदलता है

शादी के शुरुआती दिनों जैसा रोमांस हमेशा नहीं रहता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि प्यार खत्म हो जाता है। समय के साथ रिश्ते में गहराई, समझ और जिम्मेदारी बढ़ती है। रोमांस का रूप बदलकर एक स्थिर और भावनात्मक जुड़ाव में बदल जाता है, जो रिश्ते को लंबे समय तक टिकाए रखता है।

प्रेम विवाह के लिए घर वाले नहीं मान रहे तो ये गलतियां आपकी मुश्किल बढ़ा सकती हैं

भारत में प्रेम विवाह अब पहले की तुलना में अधिक स्वीकार किए जा रहे हैं, लेकिन आज भी कई परिवार ऐसे हैं जो जाति, धर्म, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति या पारिवारिक परंपराओं के कारण इस तरह के रिश्तों को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते। ऐसे में कई कपल्स खुद को दो मुश्किल रास्तों के बीच खड़ा पाते हैं, एक तरफ उनका प्यार और दूसरी तरफ परिवार की भावनाएं।

जब घर वाले प्रेम विवाह के लिए मना कर देते हैं, तो कई बार कपल्स भावनात्मक तनाव, गुस्से और निराशा में ऐसे फैसले ले लेते हैं जो बाद में रिश्तों में और अधिक दूरी पैदा कर देते हैं। कुछ लोग परिवार से बातचीत बंद कर देते हैं, कुछ बार-बार बहस करते हैं, जबकि कुछ जल्दबाजी में ऐसे कदम उठा लेते हैं जिनका असर लंबे समय तक रहता है।

रिश्तों के विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियों में सबसे जरूरी चीज धैर्य और संवाद है। हर परिवार की चिंताएं अलग होती हैं और उन्हें समझना भी उतना ही जरूरी है जितना अपनी भावनाओं को व्यक्त करना। यदि स्थिति को समझदारी से संभाला जाए, तो कई मामलों में परिवार धीरे-धीरे रिश्ते को स्वीकार भी कर सकता है।

परिवार की चिंता को समझने की कोशिश करें

प्रेम को स्वीकार न करने पर लोग मान लेते हैं कि परिवार उनकी खुशियों के खिलाफ है।

जबकि कोई भी परिवार अपने बच्चे की खुशियों के खिलाफ नहीं होता है।

कई बार माता-पिता की चिंता भविष्य, सामाजिक दबाव या रिश्ते की स्थिरता को लेकर होती है।

सबसे पहले तो आपको अपने दिमाग से ये विचार निकालना होगा कि परिवार को आपकी भावनाओं की परवाह नहीं।

उनकी बातों को ध्यान से सुनेंगे तो उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश कर पाएंगे।

इससे बातचीत का माहौल भी बेहतर बन सकता है।

केवल अपनी बात मनवाने की कोशिश करने से समाधान मुश्किल हो सकता है।

जल्दबाजी में फैसला लेना सबसे बड़ी गलती

कई कपल्स परिवार के विरोध के बाद तुरंत कोई बड़ा फैसला लेने की सोचने लगते हैं।

लेकिन भावनात्मक दबाव में लिया गया निर्णय बाद में तनाव का कारण बन सकता है।

यदि रिश्ता मजबूत है, तो कुछ समय देकर स्थिति को समझना चाहिए

ऐसी स्थिति में शांतिपूर्वक समाधान तलाशना अधिक प्रभावी हो सकता है।

झूठ और छिपाने की आदत रिश्ते को कमजोर कर सकती है

कुछ लोग परिवार के डर से रिश्ते को लंबे समय तक छिपाते रहते हैं या अलग-अलग कहानियां बनाते हैं।

जब सच्चाई सामने आती है, तो विश्वास को नुकसान पहुंच सकता है।

ईमानदारी और पारदर्शिता रिश्तों को मजबूत बनाने में मदद करती है। हालांकि, सही समय और सही तरीके से बात रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

परिवार और पार्टनर को आमने-सामने लाने की कोशिश करें

कई बार परिवार केवल इसलिए असहमत होता है क्योंकि वह दूसरे व्यक्ति को ठीक से जानता नहीं है।

अगर माहौल अनुकूल हो, तो सम्मानजनक तरीके से दोनों परिवारों या पार्टनर और परिवार के बीच बातचीत करवाना गलतफहमियों को कम कर सकता है।

अक्सर व्यक्तिगत मुलाकातें कई आशंकाओं को दूर कर देती हैं।

कुछ कपल्स परिवार को मनाने के लिए गुस्सा, धमकी या भावनात्मक दबाव का सहारा लेते हैं।

इससे रिश्तों में तनाव और बढ़ सकता है।

परिवार के साथ सम्मानजनक संवाद बनाए रखें।

अपनी बात तर्कसंगत तरीके से रखना अधिक सकारात्मक परिणाम दे सकता है।

रिश्ते में परिपक्वता दिखाना विश्वास बनाने में मदद करता है।

भारतीयों में बढ़ा दूसरी शादी का ट्रेंड, अब बस पार्टनर में ढूंढ़ रहे ये एक गुण

भारत में शादी अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि करियर और मानसिक तैयारी के बाद लिया जाने वाला फैसला बन गया है. ताजा रिपोर्ट के अनुसार, शादी की औसत उम्र बढ़कर 29 साल हो गई है. इसके साथ ही, दूसरी शादी को लेकर सामाजिक मिथक टूट रहे हैं और लोग जाति से ज्यादा आपसी समझ को महत्व दे रहे हैं.

शादी को लेकर अब भारतीयों की सोच काफी बदल चुकी है, जहां शादी को सबसे जरूरी माना जाता था. अब शादी को करियर और जॉब के बाद देखा जा रहा है. लड़का हो या लड़की हर कोई पहले अपना करियर बनाना चाहते हैं और उसके बाद ही शादी के बारे में सोचना चाहते हैं. अब एक नई रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ है कि शादी की औसत उम्र में भी अब काफी बदलाव हो चुका है, इतना ही नहीं इसके साथ ही दूसरी शादी को लेकर भी अब लोग अब काफी नॉर्मल हो गए हैं.

मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म जीवनसाथी की तरफ से एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि जहां 10 साल पहले भारतीय युवाओं के लिए शादी की औसत उम्र 27 साल थी. वहीं अब यह उम्र 29 साल हो गई है, अब 29 साल की उम्र के बाद ही भारतीय शादी करने के बारे में सोच रहे हैं और इसके पीछे की वजह हैं करियर, फाइनेंशियल स्ट्रेंथ और मेंटली शादी के लिए तैयार होना. इन सभी चीजों के बाद ही लोग शादी करने जैसा बड़ा कदम उठा रहे हैं.

29 की उम्र में शुरू हो रही है पार्टनर सर्च

सामने आई लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, अब आधे से ज्यादा सिंगल्स 29 साल की उम्र में अपने लिए पार्टनर सर्च करना शुरू करते हैं. जबकि पहले के समय में बच्चे जैसे ही 18 साल के होते थे, उनके माता-पिता उनकी शादी कराने की तैयारी में जुट जाते हैं. मगर 29 साल के उम्र में जाकर लोग शादी के बारे में सोच रहे हैं, यह बदलाव बताता है कि शादी अब जल्दबाजी का फैसला नहीं रह गया है, बल्कि सोच-समझकर लिया जाने वाला कदम बन गया है.

दूसरी शादी में 43% की बढ़ोतरी

सिर्फ शादी की उम्र में ही इजाफा नहीं हुआ है, बल्कि इससे भी ज्यादा शॉकिंग बात यह है कि दूसरी शादी यानी रीमैरिज के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, रीमैरिज के मामलों में 43 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जहां साल 2016 में 11 प्रतिशत लोग दूसरी शादी की तलाश कर रहे थे. वहीं साल 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 16 प्रतिशत हो गई.

दूसरी शादी को लेकर टूटा मिथक

जहां पहले शादी टूटना समाज में एक बड़ी बात होती थी, लड़का हो या लड़की दोनों की अगर एक बार शादी टूट जाती थी, तो दोबारा शादी में काफी दिक्कत होती थी. लेकिन अब लोगों की सोच में बहुत बदलाव आ गया है, क्योंकि अब हर छह सक्सेसफुल शादियों में से एक दूसरी शादी है.

इससे भी ज्यादा हैरानी वाली बात यह है कि ताजा रिपोर्ट में तलाकशुदा प्रोफाइल में दिलचस्पी दिखाने वालों में 15 प्रतिशत ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी शादी नहीं की. ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि लोगों के बीच दूसरी शादी को लेकर पहले जो मिथक था, वो अब काफी हद तक खत्म हो चुका है.

शादी में कम्पैटिबिलिटी है सबसे जरूरी

पहले जहां ज्यादातर लोग शादी में जाति को बहुत अहम मानते थे, अब यह सोच बदल रही है. करीब 90 प्रतिशत लोगों का कहना है कि उनके लिए सही स्वभाव और आपसी समझ वाला पार्टनर मिलना, उम्र या कमाई से ज्यादा जरूरी है. 2016 में 91 प्रतिशत लोग जाति को जरूरी मानते थे, लेकिन 2025 तक यह संख्या घटकर 54 प्रतिशत ही रह गई है.

मेट्रो सिटीज में तो जाति की अहमियत और भी कम हो गई है, वहां

सिर्फ करीब 49 प्रतिशत लोग ही इसे जरूरी मानते हैं.

यानी अब लोग शादी में जाति, उम्र या सैलरी से ज्यादा आपसी समझ और सही साथी को महत्व दे रहे हैं. अब 77 प्रतिशत लोग अपनी मैट्रिमोनी प्रोफाइल खुद बनाते और संभालते भी हैं. पहले यह आंकड़ा 67 प्रतिशत था. जिन प्रोफाइल को परिवार मैनेज करते हैं अब घटकर 23 प्रतिशत ही रह गए हैं.

फिर भी 69 प्रतिशत लोगों का मानना है कि माता-पिता के बीच में होने से यह प्रोसेस आसान बन जाता है. यानी शादी अब सेल्फ-ड्रिवन है, लेकिन परिवार की भूमिका खत्म नहीं हुई है.

नहीं चाहिए भारत का आम, जापान के बाद अब नेपाल ने किया मना, इसलिए लग रहा झटके पे झटका

नई दिल्ली,9 जून (एजेंसियां)। नेपाल ने भारत से आम के आयात पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। क्वारंटीन जांच में आम की कई खेपों में कीटनाशक के अंश (रेसिड्यू) सुरक्षित सीमा से ज्यादा पाए गए। यह कदम जापान के इसी तरह के फैसले के बाद उठाया गया है। जापान ने हाल ही में क्वारंटीन से जुड़े नियमों के पालन में कमी के कारण भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी थी।

इसलिए उठाया कदम

नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला आयातित फलों की कड़ी निगरानी और खाद्य सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने के तहत लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस रोक का मकसद 'अधिकतम अवशेष सीमा' के नियमों का पालन सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं को संभावित रूप से असुरक्षित उत्पादों से बचाना है। रोक लगने से पहले, आधिकारिक चेकपॉइंट्स के जरिए लगभग 15.8 टन आम (जिनकी कीमत करीब 10 लाख रुपये थी) नेपाल में आ चुके थे।अधिकारियों का कहना है कि यह कदम रेगुलेटरी है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर असर डालना नहीं है।

जापान ने भी लगाई थी रोक

पिछले महीने, जापान ने ताजे भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी थी। जापान के क्वारंटीन अधिकारियों ने इस साल की शुरुआत में भारत में मंजूरी प्राप्त ट्रीटमेंट सेंटर्स का निरीक्षण किया था। पाया था कि कीट-नियंत्रण और कीटाणु-शोधन (डिसइंफेक्शन) की प्रक्रियाओं में कमियां थीं।

जापान का यह कदम कीटनाशक के अंशों की चिंता के बजाय फाइटो-सैनिटरी (पौधों की स्वच्छता) नियमों के पालन और क्वारंटीन प्रक्रियाओं से जुड़ा था।

इन किस्मों पर पड़ा असर

खबरों के अनुसार, जापान की इस रोक का असर प्रीमियम भारतीय किस्मों पर पड़ा।इनमें अल्फोंसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली आम शामिल हैं।

लगभग दो दशकों में इस तरह की यह पहली रोक थी। जापानी अधिकारियों ने ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल में कमियों का हवाला दिया। ये प्रोटोकॉल फ्रूट फ्लाई (फल की मक्खी) जैसे कीटों को फैलने से रोकने के लिए बनाए गए थे।

फल बाजार में पैदा हुई अनिश्चितता

हालांकि, नेपाली अधिकारियों ने सुरक्षा के आधार पर आयात पर लगी रोक का बचाव किया है। लेकिन, व्यापारियों का कहना है कि अचानक उठाए गए इस कदम से स्थानीय फल बाजारों में अनिश्चितता पैदा हो गई है।

'द राइजिंग नेपाल' की एक रिपोर्ट के अनुसार, जनकपुरधाम के बाजारों में अब ज्यादातर स्थानीय रूप से उत्पादित आम ही उपलब्ध हैं। हालांकि, व्यापारियों का तर्क है कि साल भर की मांग को पूरा करने के लिए सिर्फ घरेलू उत्पादन काफी नहीं हो सकता। जनकपुरधाम में फल और सब्जी व्यापारी संघ के महासचिव भुवनेश्वर पूर्बे ने अखबार को बताया कि गर्मियों के मौसम में आम की मांग बहुत ज्यादा रहती है।

उन्होंने बताया कि हालांकि सप्तरी, सिराहा, महोत्तरी, धनुषा और सर्लाही जैसे जिलों से रोजाना 50 टन से ज्यादा आम आते हैं। लेकिन, स्थानीय उत्पादन केवल दो महीने तक ही चलता है। यह भारत से होने वाले आयात की पूरी तरह से जगह नहीं ले सकता।

यह दिया गया सुझाव

पूर्बे ने सुझाव दिया कि सरकार को पूरी तरह से रोक लगाने के बजाय क्वारंटीन और क्वालिटी-टेस्टिंग सिस्टम को मजबूत करना चाहिए। उनके अनुसार, जो इंपोर्टेड फल सुरक्षा जांच में सफल होते हैं, उन्हें बाजार में आने की अनुमति दी जानी चाहिए।

वहीं, फल व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक प्रतिबंध रहने से फलों की कमी हो सकती है। ग्राहकों के लिए कीमतें बढ़ सकती हैं।

नेपाल में बढ़ेंगी कीमतें

कुछ लोग सप्लाई के वैकल्पिक स्रोत खोजने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, उनका कहना है कि भारतीय इंपोर्ट की जगह तुरंत कोई और स्रोत ढूंढना मुश्किल होगा।'द राइजिंग नेपाल' के अनुसार, ग्राहकों को पहले ही कीमतें बढ़ी हुई महसूस होने लगी हैं।

केले की सप्लाई में रुकावट से व्यापारियों का कहना है कि वे भी प्रभावित हुए हैं। इनकी कीमत लगभग एक महीने पहले 300 रुपये प्रति दर्जन तक पहुंच गई थी।

अडानी की झोली में गिरी बड़ी कंपनी

स्मार्ट मीटर में अब कोई नहीं दे पाएगा टक्कर!

नई दिल्ली,9 जून (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की झोली में एक और बड़ी कंपनी गिरने वाली है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का कहना है कि उसने इंटेलीस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड में 100% इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 3,050 करोड़ रुपये में एक बाइंडिंग सिक्योरिटीज परचेज एंड सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट साइन किया है। इस अधिग्रहण से कंपनी के पास कुल 4.7 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो होगा। इसके साथ ही यह भारत का सबसे बड़ा स्मार्ट मीटरिंग प्लेटफॉर्म बन जाएगा। इंटेलीस्मार्ट में नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड की हिस्सेदारी है।

0इस जॉइंट वेंचर में एनआईआईएफ की 51% और ईईएसएल की बाकी 49% हिस्सेदारी है। इस डील में इंटेलीस्मार्ट की 100% इक्विटी शेयर कैपिटल का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद ऑप्शनली कन्वर्टिबल डिबेंचर्स का रिडेम्पशन शामिल है।

क्या होगा फायदा?

इंटेलीस्मार्ट के पास उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम में 2.2 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो है। यह देश की स्मार्ट मीटरिंग सेक्टर की टॉप तीन कंपनियों में से एक है। एईएसएल के स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस में अभी 2.46 करोड़ से ज्यादा मीटर का ऑर्डर बुक है। अधिग्रहण के बाद कंपनी के पास 4.7 करोड़ स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो होगा और इससे भारत के स्मार्ट मीटरिंग मार्केट में अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस की टॉप पोजीशन को और मजबूत होगी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट ट्रांसमिशन कंपनी है। इसका नेटवर्क 16 राज्यों में फैला हुआ है। इसमें 27,949 सर्किट किलोमीटर का नेटवर्क और 1,23,175 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी शामिल है। कंपनी के शेयरों में आज मामूली गिरावट आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर अभी 0.21% गिरावट के साथ 1566.60 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,614 रुपये और न्यूनतम स्तर 745.45 रुपये है।

बढ़त के साथ शेयर कारोबार का समापन

सेंसेक्स 395 अंक चढ़ा, निफ्टी 23200 के पार

मुंबई,9 जून (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार का समापन हरे निशान पर हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 394.50 (0.53%) अंकों की बढ़त के साथ 73,918.76 के स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर, निफ्टी 119.10 (0.52%) अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर पहुंच गया।

किन कंपनियों के शेयरों में तेजी, कहां नरमी?

सत्र के दौरान पीएसयू बैंकों के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। एसबीआई और आयशर जैसी कंपनियों के शेयरों के भाव करीब दो फीसदी तक मजबूत हुए हैं। विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के बीच घरेलू निवेशकों (डीआईआई) ने करीब चार लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे बढ़कर 95.36 (अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार में उतार-चढ़ाव को मापने वाला वोलैटिलिटी इंडेक्स यानी वीआईएक्स मंगलवार को करीब 9% गिरकर 15.56 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजार का कैसा रहा प्रदर्शन?

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को एक बार फिर मजबूत 'बुलिश मोमेंटम' (तेजी) देखने को मिला है। निवेशकों के लिए यह कारोबारी दिन मुनाफे वाला साबित हुआ क्योंकि बाजार के दोनों प्रमुख इंडेक्स- सेंसेक्स और निफ्टी- हरे निशान पर बंद हुए। इसके साथ ही, व्यापक बाजार ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजार की इस तेजी को और गति दी। सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि बाजार में डर और अस्थिरता को नापने वाला 'इंडिया विक्स' इंडेक्स भी काफी नीचे आ गया है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। भारतीय शेयर बाजार की यह तेजी केवल घरेलू कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे मजबूत वैश्विक संकेतों का भी पूरा साथ मिला है। यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में भी सकारात्मक रुख देखने को मिला है। आंकड़ों के **अनुसार:**लंदन के समयानुसार सुबह 9:17 बजे तक स्टॉक्स यूरोप 600 में 0.5% की बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार में एसएंडपी 500 (एसएंडपी 500) फ्यूचर्स 0.4% और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स 0.7% चढ़े। हालांकि, डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स में कोई खास बदलाव नहीं दिखा। एशियाई और उभरते बाजारों ने भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है; एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स में 2.5% और एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में 3.2% की शानदार तेजी दर्ज की गई है।

यूक्रेन के हमले ने उड़ाई रूस की नींद

कच्चे तेल के टैंकरों पर लगेगा ब्रेक, भारत के लिए खतरे की घंटी क्यों?

नई दिल्ली,9 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन के ताजा हमलों ने रूस की नींद उड़ा दी है। रूस पहले से ही रिफाइनरी में बढ़ती बाधाओं और घरेलू स्तर पर ईंधन की भारी किल्लत से जूझ रहा है। अब यूक्रेन के ड्रोन हमलों ने मॉस्को का चैन छीन लिया है। ऐसे में रूस इस महीने अपने कच्चे तेल के निर्यात में भारी कटौती करने की तैयारी कर रहा है। मॉस्को को घरेलू बाजार में आपूर्ति बनाए रखने के लिए कच्चे तेल के बड़े हिस्से को देश के भीतर ही डायवर्ट करने पर मजबूर होना पड़ा है। रूसी तेल की आयात में कमी होने के कारण भारत को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक जून में रूस के पश्चिमी बंदरगाहों (प्रिमॉर्स्क, उस्त-लूगा और नोवोरोस्सिय्स्क) से होने वाला निर्यात गिरकर लगभग 17 लाख बैरल प्रति दिन रह सकता है, जो मई में 25 लाख बैरल प्रति दिन था। यह गिरावट ऐसे समय में आ रही है जब रूस कच्चे तेल के घटते उत्पादन के बीच ईंधन की कमी से निपटने के लिए अपनी रिफाइनरियों का आउटपुट बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हाल में यूक्रेनी सेनाओं ने नोवोरोस्सिय्स्क के पास स्थित 'ग्रुशोवाया ऑयल ट्रांसशिपमेंट बेस' पर काफी बमबारी की। यह दक्षिणी रूस के सबसे बड़े तेल और पेट्रोलियम निर्यात केंद्रों में से एक है। ये हवाई हमले रूस के ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर किए गए। यूक्रेन ने वोल्गोग्राद क्षेत्र और रूसी कब्जे वाले क्रीमिया में भी ईंधन भंडारण स्थलों को निशाना बनाया। रूसी अधिकारियों ने नोवोरोस्सिय्स्क केंद्र पर आग लगने की पुष्टि की है, हालांकि उन्होंने नुकसान के स्तर का खुलासा नहीं किया है।

घरेलू स्तर पर रिफाइनिंग बढ़ाने की योजना

रूस इस महीने अपनी रिफाइनरियों में तेल की प्रोसेसिंग को 2,50,000 से 4,00,000 बैरल प्रति दिन तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि मौसम के अनुसार ईंधन की मांग बढ़ रही है और कई क्षेत्रों में कमी देखी जा रही है।

भारत पर क्या असर?

अगर रूस की ओर से तेल के प्रोडक्शन में गिरावट आती है तो इसका असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है। दरअसल, रूसी तेल का बड़ा हिस्सा भारत आ रहा है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष	मे	वृष	04-06 बजे
चंद्र	मीन	मे	मिथुन	06-06 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क	08-18 बजे
बुध	मिथुन	मे	सिंह	10-31 बजे
गुरु	कर्क	मे	कन्या	12-37 बजे
शुक्र	कर्क	मे	तुला	14-42 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक	16-53 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु	18-05 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर	21-12 बजे
			कुंभ	23-02 बजे
			मीन	00-41 बजे
			मेष	02-17 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-44**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -44**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष बुधवार **10 June 2026**
तिथि - दशमी **00- 58** रात्रि तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - उ.भाद्रपद **09-21** तक उप रेवती
योग. - आयुष्मान **06-30** तक उप सौभाग्य
करण - वणिज **13-52** तक उप विष्टी(भद्रा)
विशेष: **09-21** रेवती नक्षत्र शांति
भद्रा काल **13-53** से

विशेष- राशिफल यहां के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-16 से 13-54 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
लाभ	05-44 - 07-21 शुभ	उत्पात	18-44 - 20-11 अशुभ
अमृत	07-21 - 08-59 शुभ	शुभ.	20-11 - 21-32 शुभ
काल	08-59 - 10-37 अशुभ	अमृत	21-32 - 22-54 शुभ
शुभ	10-37 - 12-16 शुभ	चंचल	22-54 - 00-16 शुभ
रोग	12-16 - 13-54 अशुभ	रोग	00-16 - 01-37 अशुभ
उत्पात	13-54 - 15-32 अशुभ	काल	01-37 - 02-59 अशुभ
चंचल	15-32 - 17-11 शुभ	लाभ	02-59 - 04-21 शुभ
लाभ	17-11 - 18-44 शुभ	उत्पात	04-21 - 05-44 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है ।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा ।आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप काल्पनिक से मूड में हैं | अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

एचडीएफसी बैंक ने दिया बड़ा झटका!

ब्याज दरों में किया इजाफा, महंगी होगी घर और कार की ईएमआई

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भले ही देश के सेंट्रल बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में कोई बदलाव ना किया हो, लेकिन अपने अनुमान से इस बात के संकेत दे दिए हैं कि आने वाले दिनों में महंगाई में और इजाफा होने वाला है. यही कारण है कि अब बैंकों की ओर से अपनी ब्याज दरों में इजाफा करना शुरू कर दिया है. देश के सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक अपनी एमसीएलआर दरों में इजाफा कर दिया है. जिसके बाद बैंक से जुड़े कस्टमर्स की होम और कार लोन की ईएमआई में इजाफा हो जाएगा. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में बाकी बैंकों की ओर से भी इजाफा देखने को मिल सकता है. मौजूदा समय में आरबीआई का रेपो रेट 5.25 फीसदी है. सेंट्रल बैंक की एमपीसी ने लगातार तीसरी बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर एचडीएफसी बैंक की ओर से किस तरह का ऐलान किया है.

10 बेसिस प्वाइंट्स का इजाफा

प्राइवेट सेक्टर के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने 8 जून, 2026 से अलग-अलग अवधि के लिए मार्जिनल कॉस्ट ऑफ़ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट में 10 बेसिस पॉइंट्स तक की बढ़ोतरी की है. सबसे ज्यादा 10 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी दो साल की मैच्योरिटी वाले लोन के लिए की गई है, जिससे इनकी दर पहले के 8.45% से बढ़कर 8.55% हो गई है. एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट पर मौजूद डेटा के अनुसार, बेंचमार्क एक-साल के एमसीएलआर को 5 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाकर 8.40 फीसदी कर दिया गया है. एक-साल की इस दर का इस्तेमाल ज़्यादातर कंज्यूमर लोन, जैसे ऑटो, पर्सनल और होम लोन की दरें तय करने के लिए किया जाता है. ओवरनाइट, तीन-महीने, छह-महीने और तीन-साल की अवधि वाले एमसीएलआर को 5 बेसिस पॉइंट्स बढ़ाकर क्रमशः 8.10%, 8.20%, 8.35% और 8.65% कर दिया गया है. एमसीएलआर में बढ़ोतरी का यह फ़ैसला रिज़र्व बैंक द्वारा शुक्रवार को लगातार दूसरी बार ब्याज दरों को जस का तस रखने के कुछ दिनों बाद आया है. रिज़र्व बैंक ने यह फ़ैसला ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया संकट के कारण सप्लाई में आ रही रुकावटों के असर को ध्यान में रखते हुए लिया.

खुलने से पहले ही इस आईपीओ का ग्रे मार्केट में धमाका

152 पर पहुंचा भाव, लिस्टिंग पर बड़े मुनाफे की उम्मीद

नई दिल्ली,9 जून (एजेंसियां)। इस महीने आईपीओ बाजार में सन्नाटा छाया हुआ है। मेन बोर्ड से इस महीने अभी तक किसी भी नए आईपीओ के खुलने की उम्मीद नहीं है। वहीं एसएमई सेगमेंट में कई आईपीओ खुलने वाले हैं। ऐसा ही एक आईपीओ खुलने से पहले ही निवेशकों को मुनाफा देता दिखाई दे रहा है। इसका नाम सुसान इलेक्ट्रिकल्स इंडिया है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। लिस्टिंग पर यह जबरदस्त रिटर्न दे सकता है।

एसएमई सेगमेंट के इस आईपीओ का इश्यू साइज 70.38 करोड़ रुपये है। कंपनी 60.22 करोड़ रुपये के 47 लाख फ्रेश इश्यू जारी करेगी। वहीं 10.16 करोड़ रुपये के 80 हजार शेयर ओएफएस के तहत जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ 11 जून को खुलेगा और 15 जून को बंद हो जाएगा। इसकी लिस्टिंग 18 जून को हो सकती है।

क्या है प्राइस बैंड?

इस आईपीओ का प्राइस बैंड 120 से 127 रुपये के बीच है। वहीं फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 1000 शेयर हैं। रिटेल निवेशक को कम से कम दो लॉट बुक कराने होंगे। इसके लिए शुरुआत में 2.54 लाख रुपये निवेश करने होंगे।

क्या है जीएमपी?

ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। 127 रुपये के आईपीओ प्राइस पर इसका जीएमपी मंगलवार दोपहर तक 25 रुपये बढ़कर 152 रुपये हो गया। यानी इसके भाव में करीब 20 फीसदी की तेजी आ गई है। अगर इसमें इसी प्रकार की तेजी रही तो यह आईपीओ लिस्टिंग पर निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा दे सकता है। हालांकि लिस्टिंग तक जीएमपी में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

क्या करती है कंपनी?

इस कंपनी की स्थापना साल 2007 में हुई थी। यह कंपनी एल्यूमीनियम और कॉपर के इलेक्ट्रिकल वाइंडिंग वायर, कंडक्टर और पावर केबल बनाती है। इनका इस्तेमाल ट्रांसफॉर्मर्स, मोटर्स, ऑल्टरनेटर्स, कॉइल्स और दूसरे इलेक्ट्रिकल उपकरणों में होता है।

आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कंपनी साहिबाबाद (गाजियाबाद) स्थित अपनी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों से जुड़ी फंडिंग को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

सीफूड एक्सपोर्ट में भारत की बड़ी छलांग

अब दुनिया चखेगी देश का स्वाद, सरकार ने बनाया 30 अरब डॉलर का प्लान

नई दिल्ली,9 जून (एजेंसियां)। भारत का समुद्री उत्पाद (सीफूड) निर्यात पिछले दस वर्षों में करीब 70 प्रतिशत बढ़ा है। अब सरकार अगले 5 वर्षों में इसे 30 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात विशाखापट्टनम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समुद्री उत्पाद निर्यात कार्यशाला के दौरान कही।

मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने मत्स्य पालन विभाग और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से 5-6 जून 2026 को इस वर्कशॉप का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य मूल्य संवर्धन, टिकाऊ उत्पादन, बेहतर बाजार पहुंच, नवाचार और आधुनिक बुनियादी ढांचे के जरिए भारत के समुद्री उत्पाद निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना था।

भारत की कितनी हिस्सेदारी?

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत वर्तमान में वैश्विक सीफूड व्यापार में लगभग 4 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। उन्होंने उद्योग जगत, निर्यातकों और किसानों से मिलकर काम करने का आह्वान किया ताकि अगले पांच वर्षों में समुद्री उत्पादों का निर्यात 30 अरब डॉलर तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि रेडी-टू-ईट और रेडी-टू-कुक जैसे वैल्यू एडेड उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही हाल के वर्षों में भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से खुले नए बाजारों का लाभ उठाकर निर्यात बढ़ाने पर भी जोर दिया।

मछली उत्पादन में बढ़ोतरी

केंद्रीय मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने बताया कि देश में मछली उत्पादन 2012-13 के 95.8 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में लगभग 198 लाख टन तक पहुंच गया है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात करीब 73,890 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि फ्रोजन झींगा अभी भी भारत का सबसे बड़ा समुद्री निर्यात उत्पाद बना हुआ है।

सोना 1,095 बढ़कर 1.53 लाख पर पहुंचा

चांदी 1,307 महंगी होकर 2.46 लाख हुई, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 9 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 1,095 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए हो गया है। हालांकि, चांदी के दाम में आज गिरावट रही। 1 किलो चांदी की कीमत 1,307 रुपए कम होकर 2.46 लाख रुपए पर आ गई है।

सोना इस साल 19 हजार और चांदी 15 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 15 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.45 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस

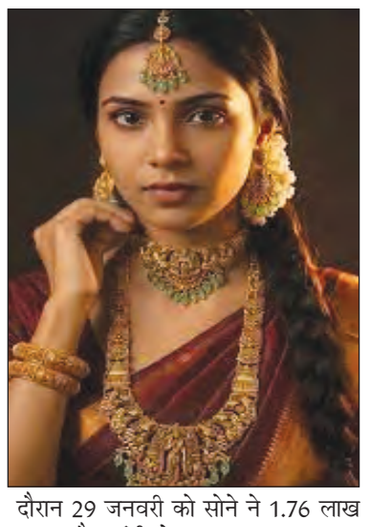

दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

पंचायत चुनाव : सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में सरकार!

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने दिए संकेत

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। नगरीय निकायों व पंचायत चुनावों के मामले में राज्य सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है। सरकार जल्द ही विशेष अनुमति याचिका दायर कर सकती है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इसके संकेत देते हुए कहा कि इस संबंध में मंथन किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट से चुनाव कराने के लिए अतिरिक्त समय मांग सकती है। संभावना है कि सरकार सितंबर तक का समय देने का अनुरोध करे।

सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करने को लेकर कानूनी पहलुओं पर विचार-विमर्श चल रहा है। सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। चुनाव से जुड़ी प्रक्रियाएं निर्वाचन आयोग

को करनी है।

राजस्थान हाई कोर्ट ने 22 मई को राजस्थान सरकार को पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को 31 जुलाई 2026 तक पूरा कराने की सख्त समय सीमा तय की है। उम्मीद की जा रही थी कि प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव का बिगुल फूंक दिया जाएगा। पर गौर करें तो जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। राजस्थान हाई कोर्ट के आदेश के 13 दिन बीत गए हैं। पर चुनाव कराने की तेजी नहीं दिखाई दे रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला निर्वाचन अधिकारियों के लिए अभी तक कोई भी नया आधिकारिक परिपत्र या मार्गदर्शिका जारी नहीं की गई है।

दरअसल, इससे पूर्व में भी एक अदालती आदेश के अनुसार राजस्थान सरकार को हर हाल में 15 अप्रैल 2026 तक पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव कराने की कड़े निर्देश दिए गए थे। पर चुनाव नहीं हो सके।

राजस्थान में पंचायत-निकाय चुनाव की घोषणा और वार्डों के पुनर्गठन की राह में सबसे बड़ा तकनीकी रोड़ा राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अंतिम रिपोर्ट का लंबित होना है। नियमों के अनुसार, सीटों के आरक्षण का सही और नया खाका तैयार किए बिना चुनाव की तारीखों का ऐलान संभव नहीं है।

वर्तमान में राज्य ओबीसी आयोग आरक्षण निर्धारण की इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करने की दिशा में दिन-रात काम कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अभी भी राजस्थान की 400 से अधिक ऐसी ग्राम पंचायतें और अन्य जरूरी स्थानीय निकाय क्षेत्र हैं, जहां से आयोग को महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय आंकड़े प्राप्त होना बाकी है। काम पूरा होने पर ओबीसी आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस रिपोर्ट के आने के बाद ही रोटेशन के आधार पर ओबीसी वर्ग के लिए सीटों का आरक्षण तय हो पाएगा।

बीज निगम करप्शन: एसीबी के एक्शन से कांग्रेस का कॉन्फिडेंस हाई, कृषि मंत्री किरोड़ी से पूछे सवाल

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में बीज निगम भ्रष्टाचार मामले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई के बाद सियासी पारा भी चढ़ा हुआ है। करोड़ों रुपये के इस कथित भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद अब विपक्ष (कांग्रेस) बार बार कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की भूमिका पर सवाल उठा रही है।

बीज निगम डायरेक्टर सहित 6 लोगों के एसीबी के एक्शन के बाद विपक्ष का कॉन्फिडेंस पूरी तरह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है। इसी क्रम में राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने मीडिया के समक्ष कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा को घेरने की कोशिश की। डोटासरा ने तीखा तंज कसते हुए कहा, 'मंत्री किरोड़ी ने खुद स्वीकार कर रहा

है कि उन्होंने बीज निगम डायरेक्टर के तौर पर खुद नियुक्ति की थी इनपुट लेने के लिए। अब उन्होंने इनपुट से करोड़ों का 'आउटपुट' निकाल लिया।

एसीबी इसकी जांच करेगी। किसके लिए लिया जा रहा था और इस खेल के पीछे कौन-कौन से बड़े चेहरे शामिल हैं।

इस सियासी बवंडर और आरोपों पर पलटवार करते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मीडिया से बातचीत में सभी आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, *'मामले की जांच में यदि मेरी जरा भी संलिप्तता या अवैध गतिविधि से कोई संबंध सामने आता है, तो मैं तत्काल मंत्री पद छोड़ने और अपनी गिरफ्तारी देने तक के लिए तैयार हूं'।कृषि मंत्री ने यह भी कहा कि अगर कोई भ्रष्टाचार कर रहा था तो उसके खिलाफ कानूनन कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए।

इधर,नकली बीज प्रकरण में एसीबी की कार्रवाई के दौरान बीजेपी फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई के पूर्व निजी सहायक गणपत विश्नोई का नाम सामने आने के बाद उन्होंने भी सफाई दी है। गणपत विश्नोई की गिरफ्तारी पर बढ़ते विवाद के बीच विधायक पब्बाराम विश्नोई ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गणपत की कथित गतिविधियों की जानकारी मिलने पर उन्होंने उसे 31 मई को ही निजी सचिव के पद से हटा दिया था।

सरिस्का में दिखा दुर्लभ 'गोल्डन सांभर'

तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल

अलवर, 9 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में स्थित सरिस्का टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए रोमांचित कर देने वाली खबर आई है। सरिस्का क्षेत्र के गंगोरीतोप इलाके में पर्यटकों को एक 'गोल्डन सांभर' (सुनहरे रंग का सांभर) नजर आया। अमूमन गहरे भूरे (डार्क ब्राउन) रंग में दिखने वाले सांभर से अलग, यहां एक बेहद अनोखा सुनहरे रंग का सांभर घूमता हुआ दिखाई दिया।

जैसे ही पर्यटकों की नजर इस चमकीले और खूबसूरत 'गोल्डन सांभर' पर पड़ी, सबने तुरंत अपने कैमरे निकाल लिए। इस दुर्लभ वन्यजीव की तस्वीरें और वीडियो अब इंटरनेट पर हर तरफ छाए हुए हैं। सरिस्का टाइगर कंजर्वेशन ऑर्गेनाइजेशन के फाउंडर और सेक्रेट्री चिन्मय मैक मैसी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आम तौर पर सांभर का रंग गहरा भूरा होता है, लेकिन इस खास सांभर का रंग बिल्कुल सुनहरा है। ऐसे सुनहरे सांभर वाकई बहुत दुर्लभ होते हैं और इन्हें देखना किसी चमत्कार से कम नहीं है। सैलानियों को यह अनोखा नजारा दिखाने वाले गाइड विजय कुमार ने बताया कि प्रकृति में ऐसे जीव बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने समझाया कि आनुवंशिक भिन्नता (जेनेटिक वेरिएशन) या त्वचा के रंग में होने वाले किसी असामान्य विकार के कारण जीवों का रंग ऐसा हो जाता है।

घने जंगलों के बीच ऐसे सुनहरे रंग वाले सांभर का जिंदा रहना और नजर आना बेहद खास बात है। आपको बता दें कि सरिस्का में इस तरह का अनोखा नजारा पहली बार नहीं दिखा है। कुछ दिनों पहले ही यहां के बफर एरिया में एक अत्यंत दुर्लभ 'सफेद मोर' भी देखा गया था, जिसने सबका ध्यान खींचा था।

पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग- 7 की मौत, कई फंसे- तो कई झुलसे

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के खो नागोरियान इलाके में आज मंगलवार दोपहर के समय एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक घटना में 7 लोगों की मौत हुई है जबकि झुलसे हुए कई लोगों को गंभीर अवस्था में एसएमएस अस्पताल भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री के भीतर काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकलने और संभलने का मौका तक नहीं मिल सका। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस, आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाएं और दमकल की गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंची। यह एक पटाखा निर्माण इकाई है, इसलिए आग लगने के साथ ही भीतर रखे बारूद और तैयार पटाखों में लगातार सिलसिलेवार धमाके होने की बातें भी सामने आ रही हैं। धमाकों की गूंज और लगातार उठते काले धुएं की वजह से बचाव दल को शुरुआत में परिसर के भीतर दाखिल

होने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोग अपनी जान बचाकर सुरक्षित स्थानों की तरफ भागते हुए देखे गए।

खो नागोरियान की इस पटाखा फैक्ट्री में लगी आग के बाद सबसे ज्यादा चिंताजनक पहलू वहां काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर बना। प्रारंभिक इनपुट के अनुसार, जब यह हादसा हुआ तब फैक्ट्री के अंदर कई स्थानीय और प्रवासी मजदूर दैनिक मजदूरी के काम में व्यस्त थे। आग की लपटों ने पूरी बिल्डिंग को देखते ही देखते अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कुछ श्रमिकों के अंदर ही फंसे रह गए। पुलिस और स्थानीय युवाओं की मदद से फैक्ट्री के पिछले हिस्से की दीवारों को तोड़कर वेंटिलेशन बनाई और अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुट गए।

इस अग्निकांड में मलबे और आग की चपेट में आने से 4 श्रमिकों की मृत्यु हो गई। खो नागोरियान के इस इलाके में लगी आग की विभीषणता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हादसे के बाद उठने वाला काले धुएं का गुबार करीब 2 से 3 किलोमीटर दूर के इलाकों से भी साफ तौर पर आसमान में देखा गया। जयपुर नगर निगम और मुख्य अग्निशमन केंद्र से तुरंत दमकल गाड़ियों को पानी के टैंकरों के साथ मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगातार पानी और फोम की बौछारों की और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि उनकी पहली और एकमात्र प्राथमिकता मलबे या धुएं के बीच फंसे हर एक इंसान को सुरक्षित बाहर निकालने की रही। आग पूरी तरह से बुझने और सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही हताहतों की वास्तविक संख्या का पता चल सका। हालांकि इस हादसे के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर कयास लगाए जा रहे हैं कि शॉर्ट सर्किट या बारूद के रखरखाव में हुई किसी लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ हो सकता है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के परिवार पर पुलिस का शिकंजा, माता-पिता हिरासत में

श्रीगंगानगर, 9 जून (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा गिरोह के खिलाफ राजस्थान और हरियाणा पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान तेज कर दिया है। इस संबंध में हरियाणा पुलिस ने गोदारा के भाई हनुमान स्वामी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि चूरू जिले की रतनगढ़ पुलिस ने उसके माता-पिता को भी हिरासत में लिया है। पुलिस की लगातार कार्रवाइयों से गोदारा के गैंग नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा कसता रहा है। पुलिस के अनुसार हरियाणा की बहादुरगढ़ पुलिस अदालत से प्रोडक्शन वारंट जारी करवाकर बीकानेर जिले के लूणकरणसर थाना क्षेत्र के कपूरीसर निवासी हनुमान स्वामी पुत्र संतदास स्वामी को अपने साथ ले गई। हनुमान वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में था और उसे श्रीकरणपुर जेल से हरियाणा ले जाया गया है। पुलिस जांच के अनुसार स्वामी पर गैंग के लिए हथियार और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभाने के आरोप है। रेवाड़ी में एसटीएफ यूनिट पलवल के प्रभारी निरीक्षक अनिल छिल्लर पर हुए जानलेवा हमले के बाद पुलिस कार्रवाई तेज हुई थी। 20 अगस्त 2025 को गुरुग्राम के सेक्टर-10 में हुई मुठभेड़ में रोहित गोदारा गैंग के दो शूटर नितिन और यशपाल को गिरफ्तार किया गया था। इस मुठभेड़ में दोनों के पैरों में गोली लगी थी। पूछताछ के दौरान इन शूटरों ने हथियार उपलब्ध कराने के मामले में हनुमान स्वामी का नाम लिया था। उधर, चूरू जिले की रतनगढ़ पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा के पिता संतदास स्वामी और माता गीता देवी को भी हिरासत में लिया है। इसके अलावा गैंगस्टर वीरेंद्र चारण के पिता नरेंद्र चारण को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई गैंग को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मिल रही सहायता की जांच के तहत की जा रही है। सूत्रों के अनुसार हाल ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बाद गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई को लेकर पुलिस एजेंसियों को सख्त निर्देश मिले थे।

सावधान! कहीं आपके नाम का सिम कंबोडिया में तो नहीं चल रहा?

ईडी की राजस्थान और पंजाब में सात ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। देश में सिम कार्ड के जरिए होने वाली साइबर ठगी का एक बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें राजस्थान का नाम शामिल है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मलेशियाई नागरिकों और कंबोडिया से संचालित साइबर ठगी के एक मामले में राजस्थान और पंजाब में सात ठिकानों पर छापेमारी कर एक बड़े सिम कार्ड फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। ईडी ने बताया कि यह मामला भारतीय मोबाइल नंबरों को फर्जी तरीके से सक्रिय कर उन्हें मलेशियाई नागरिकों को उपलब्ध कराने से जुड़ा है। इस गिरोह ने देश के मासूम लोगों को अपना शिकार बनाया और उनसे सैकड़ों करोड़ रुपए लूट लिए।

एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच की शुरुआत जोधपुर के साइबर पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की थी। मामला कुछ पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) विक्रेताओं द्वारा सिम कार्ड के दुरुपयोग से जुड़ा है।

जांच में सामने आया कि देश में सिम विक्रेताओं ने हजारों मोबाइल नंबर फर्जी तरीके से सक्रिय किए और बाद में उनका इस्तेमाल कंबोडिया से विभिन्न राज्यों में व्हाट्सएप कॉल के जरिये साइबर ठगी करने में किया गया।

करीब 2.30 लाख मोबाइल नंबरों के विश्लेषण में पाया गया कि लगभग 36 हजार सिम कार्ड कंबोडिया में सक्रिय थे। इनमें से करीब 5300 नंबर ऐसे मामलों से जुड़े मिले जिनमें देशभर में लोगों से सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी की गई। ईडी के अनुसार आरोपी राहुल कुमार झा, मोहम्मद शरीफ और संदीप भट्ट ने अन्य सिम विक्रेताओं प्रकाश भील, रामअवतार राठी, हरीश मालाकार और हेमंत पंवार के साथ मिलकर सैकड़ों सिम कार्ड मलेशियाई नागरिकों को उपलब्ध कराए। ठग कंबोडिया से इन नंबरों के जरिए लोगों को व्हाट्सएप कॉल करते थे। इसके बाद वे डिजिटल अरेस्ट जैसी फर्जी धमकियां देकर लोगों से करोड़ों रुपये ऐंठ लेते थे।

जांच में पता चला कि आरोपी एयरटेल, जियो और वीआई जैसी दूरसंचार कंपनियों से प्राप्त पीओएस आईडी का इस्तेमाल कर सिम कार्ड जारी और सक्रिय करते थे। वे कम पढ़े-लिखे और भोले-भाले लोगों को मोबाइल नंबर पोर्ट कराने या नया सिम दिलाने का झांसा देते थे। इस दौरान उनकी जानकारी के बिना अतिरिक्त सिम कार्ड सक्रिय कर लिए जाते थे और बाद में पैसे के बदले मलेशियाई नागरिकों को सौंप दिये जाते थे।

छापेमारी के दौरान ईडी ने कई अहम दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। इसके अलावा अपराध से अर्जित धन से जुड़ी चल-अचल संपत्तियों की जानकारी भी सामने आई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

बीस करोड़ का साइबर खेल!

क्रिप्टो व म्यूल अकाउंट के जरिए ठगी का बड़ा नेटवर्क बेनकाब; आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, 9 जून (एजेंसियां)। बीकानेर के खाजूवाला क्षेत्र में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा किया है। साइबर थाना और खाजूवाला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी विष्णु विश्नोई को गिरफ्तार किया गया है, जिसके तार देशभर में दर्ज साइबर ठगी के 25 मामलों से जुड़े पाए गए हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी म्यूल अकाउंट और क्रिप्टोकरेंसी नेटवर्क के जरिए अवैध लेन-देन में शामिल था। पुलिस के अनुसार करीब 20 करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन का पता चला है। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी बाइनेंस एप के माध्यम से रकम को यूएसडीटी में कन्वर्ट करता था। मामले में हवाला नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है। यह कार्रवाई कार्यवाहक एसपी विशाल जांगिड़ के निर्देशन और आईजी ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में सीआई रमेश सर्वटा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है और पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है।

खाजूवाला थानाधिकारी सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ बीकानेर पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है और आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

एसीबी का बड़ा एक्शन: पटवारी के फर्जी साइन से माइनिंग लीज दिलाने वाले जेईएन समेत 8 आरोपियों पर चालान

भीलवाड़ा, 9 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इकाई भीलवाड़ा प्रथम ने पटवारी के फर्जी हस्ताक्षर कर माइनिंग लीज जारी कराने के ग्यारह राल साल पुराने मामले में भूजल वैज्ञानिक विभाग के कनिष्ठ अभियंता समेत आठ लोगों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया है। इसी मामले में खनिज विभाग के तीन कर्मियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति अभी लंबित है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की केस डायरी के अनुसार, वर्ष 2015 में ब्यूरो ने तीन प्रकरण दर्ज किए थे। इनमें एफआईआर संख्या-386 में राजस्थान उच्च न्यायालय की रोक है। जबकि एफआईआर संख्या-387 व 388 में एसीबी भीलवाई इकाई प्रथम के पुलिस उपाधीक्षक पारसमल ने 3 जून 2026 को चालान पेश किया था। इसमें 387 में ब्यूरो ने आशा मेहता, शीला मेहता, सुमित्रा देवी खोईवाल, संजय मेहता और मनीष पंवार तथा 388 में ब्यूरो ने मनीष पंवार के साथ ही संजय मेहता, रतनलाल व मुकेश खोईवाल को प्रथम दृष्टया आरोपी माना है।

एफआईआर-387 के अनुसार, मेसर्स अंजनी माइनकेम ने वर्ष 2012 में आसींद के पांडरू में माइनिंग लीज के लिए आवेदन किया था। उस वक्त साझेदार आशा मेहता, धापूदेवी व सुमित्रा खोईवाल थे। एफआईआर-388 के अनुसार, मेसर्स भोले माइंस एंड मिनरल ने वर्ष 2012 में आसींद के पांडरू में माइनिंग लीज के लिए आवेदन किया था। फर्म के साझेदार मुकेश खोईवाल, संजय मेहता और रतनलाल थे।

आरोप है कि दोनों ही फर्म की लीज के लिए प्रस्तावित क्षेत्र का सीमांकन कर मौका रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी वर्ष 2014 में खनिज विभाग के तत्कालीन फोरमेन मनीष पंवार को सौंपी गई थी। 6 मार्च 2014 को पंवार ने यह रिपोर्ट तैयार की, लेकिन तत्कालीन पटवारी नरेशनाथ ने मौके व राजस्व रिपोर्ट में भिन्नता होने की बात कहते हुए हस्ताक्षर नहीं किए।

कुछ अंतराल के बाद पटवारी नरेशनाथ को जानकारी में आया कि उसके फर्जी हस्ताक्षर के जरिए दोनों फर्म की मौका रिपोर्ट जारी हो चुकी है। एलआईओ भी जारी होने वाली है। इसके उपरांत पटवारी ने तहसीलदार को उसके फर्जी हस्ताक्षर किए जाने को लेकर शिकायत की।

विभाग के एमई को भी अवगत कराया गया। तब तक एलओआई भी जारी हो गई। फर्जीवाड़ा उजागर होने पर ब्यूरो ने मामला दर्ज किया। एफएसएल जांच में तस्दीक हो गई कि पटवारी के हस्ताक्षर फर्जी किए गए। ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक पारसमल ने बताया कि ने प्रकरण में मुख्य आरोपी तत्कालीन फोरमैन एवं मौजूदा भूजल वैज्ञानिक कार्यालय जोधपुर के कनिष्ठ अभियंता मनीष पंवार को 28 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया। एफआईआर 387 व 388 में नामजद आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक मामलात न्यायालय में 3 जून 2026 को चालान पेश किया गया।

डॉक्टर को हनीट्रैप में फंसाकर वसूले 25 लाख

लोन लेने पर हुआ मजबूर, 2 युवतियां गिरफ्तार

उदयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में हनीट्रैप का एक मामला सामने आया है। दोस्ती के जाल में डॉक्टर को फंसाकर वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने और 25 लाख रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस ने 2 युवतियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों उससे 10 लाख रुपए और मांग रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने जाल बिछाकर उन्हें पकड़ लिया। हिरणमगरी थाना पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया कि फरवरी 2026 में उसकी पहचान कृष्णा नामक युवती से हुई थी। कुछ समय बाद कृष्णा अपनी परिचित कशिश भारद्वाज को भी उससे मिलवाने लाई। आरोप है कि मार्च 2026 में कशिश उसके फ्लैट पर आई और दोनों के बीच संबंध बने। पीड़ित के अनुसार अगले ही दिन कृष्णा ने फोन कर बताया कि उसका और कशिश का वीडियो बना लिया है। इसके बाद दोनों युवतियों ने वीडियो वायरल करने, पत्नी और परिवार को भेजने तथा घर पर हंगामा करने की धमकी देकर पहले 30 लाख और बाद में 25 लाख रुपए की मांग की। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार दबाव और ब्लैकमेलिंग के कारण उसने बैंक से ऋण लिया तथा अपने गृह राज्य से भी राशि मंगवाई। इसके बाद तीन किस्तों में 25 लाख रुपए उदियापोल बस स्टैंड के पीछे कृष्णा को दिए। आरोप है कि राशि मिलने के बाद युवतियों ने वीडियो डिलीट करने और भविष्य में परेशान नहीं करने का भरोसा दिलाया था।

सिनेमा हॉल में शो के बीच गिरा फॉल-सीलिंग का हिस्सा, कुर्सी छोड़कर भागे दर्शक, मची अफरा-तफरी

कोटा, 9 जून (एजेंसियां)। कोटा के नए रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित आहलुवालिया मॉल के एक सिनेमा हॉल में नाइट शो के दौरान फॉल सीलिंग का हिस्सा गिरने से अफरा-तफरी मच गई। अचानक सीढ़ियों के ऊपर स्थित फॉल सीलिंग का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया जिससे हॉल में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और सब उठकर बाहर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज आवाज के साथ सीलिंग का मलबा नीचे गिरा तो कई दर्शक अपनी सीटें छोड़कर बाहर की ओर भागने लगे। हादसे के दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। राहत की बात ये रही कि मलबा सीधे दर्शकों पर नहीं गिरा जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी कुछ वीडियो सामने आए। जिसमें सीढ़ियों और उसके पास की कुछ कुर्सियों पर मलबा बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि फॉल सीलिंग का एक हिस्सा सीढ़ियों के ऊपरी भाग के पास से टूटा था।

हादसे की सूचना मिलते ही सिनेमा हॉल का प्रबंधन मौके पर पहुंचा और सुरक्षा के मद्देनजर सभी दर्शकों को हॉल से बाहर निकाल दिया। दर्शकों का कहना है कि उन्हें शो बीच में ही छोड़कर बाहर आना पड़ा। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन ने घटना की जिम्मेदारी लेने के बजाय केवल मूवी टिकट की राशि वापस करने की बात कही और दर्शकों को बाहर भेज दिया।

डमी कैंडिडेट बैठाकर बना सरकारी शिक्षक

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में दिखाई चालाकी, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में अपनी जगह डमी कैंडिडेट बैठाकर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले आरोपी को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी करीब साढ़े तीन साल से पुलिस को चकमा देकर लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। मामले में गिरफ्तारी के बाद एसओजी अब उस व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है जिसने परीक्षा में आरोपी की जगह बैठकर पेपर दिया था। एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि हेल्पलाइन पर मिली एक शिकायत में आरोप लगाया गया था कि वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 (विज्ञान विषय) में अभ्यर्थी श्रवण कुमार विश्नोई (निवासी धोरीमन्ना, बाड़मेर) ने स्वयं परीक्षा देने के बजाय अपने स्थान पर किसी अन्य युवक को बैठाया था। शिकायत मिलने के बाद एसओजी ने मामले की गहन जांच शुरू की और विभिन्न दस्तावेजों का परीक्षण किया। जांच के दौरान एसओजी ने आरपीएससी से आरोपी के आवेदन पत्र, प्रवेश पत्र, उपस्थिति पत्रक, ओएमआर शीट तथा पात्रता जांच से जुड़े दस्तावेज जब्त किए। दस्तावेजों के विश्लेषण और हस्ताक्षरों के मिलान में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए।

सहायक लेखाधिकारी ने भाई के लिए 7.50 लाख में खरीदा पेपर

आया मेरिट में 18वां स्थान, एसओजी ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। उपनिरीक्षक (एसआइ) भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक प्रकरण में एसओजी ने 10 हजार रुपए के इनामी सहायक लेखाधिकारी नागेश कुमार यादव को सीकर पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने भाई सुरजीत सिंह यादव को परीक्षा पास करवाने के लिए साढ़े सात लाख रुपए में पेपर खरीदा था, जिसके दम पर उसका भाई मेरिट में 18वें स्थान पर आया था। इस मामले में अब तक कुल 144 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा से एसआइ भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र और उत्तर कुंदन कुमार पंड्या ने हासिल किए थे। कुंदन ने इन्हें संदीप कुमार लाटा और पुरुषोत्तम दाधीच तक पहुंचाया। पुरुषोत्तम दाधीच उस समय उदयपुर में स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग में सहायक लेखाधिकारी के पद पर तैनात था। आरोपी नागेश और पुरुषोत्तम एक ही विभाग में होने के कारण परिचित थे। नागेश ने अपने भाई सुरजीत को फायदा पहुंचाने के लिए पुरुषोत्तम से 7.50 लाख रुपए में सौदा कर प्रश्नोत्तर का सेट हासिल कर लिया। इसके बाद परीक्षा से ठीक पहले उसने व्हाट्सऐप के जरिये यह पूरा सेट अपने भाई को भेज दिया।

भारत का पसंदीदा व्यापारिक केंद्र बनकर उभरा है हैदराबाद : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने राज्य भर में उद्यमिता को पोषित करने और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के निरंतर प्रयासों की सराहना की है।

मंगलवार को जुबली हिल्स स्थित जेआरसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एफटीसीसीआई एक्सीलेंस अवार्ड्स 2026 में विशिष्ट अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में उत्कृष्टता और उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देने में एफटीसीसीआई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, पुरस्कार भले ही छोटा लगे, लेकिन यह वर्षों की लगन, समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रतीक है। एफटीसीसीआई ने कई उद्यमियों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उन्हें अपने सपनों को सफल उद्यमों में बदलने में मदद मिली है।

तेलंगाना के मजबूत औद्योगिक क्षेत्र के बारे में बात करते हुए पर्यावरण के अनुकूल वातावरण के संदर्भ में, श्रीधर बाबू ने कहा कि हैदराबाद भारत में व्यापार विस्तार के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, भारत में निवेश करने वाले निवेशक तेजी से हैदराबाद की ओर रुख कर रहे हैं। यह विश्वास सरकार परिवर्तन के बावजूद हमारी नीतिगत निरंतरता से उपजा है। राजनीतिक विचारधाराएं भले ही भिन्न हों, हम उन नीतियों के प्रति प्रतिबद्ध हैं जो व्यापक जनहित और आर्थिक हित में हों। इस आयोजन को सफलता का उत्सव बताते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता पर निर्भर करती है।

दिवंगत रतन टाटा के एक प्रसिद्ध कथन को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'लोगों द्वारा आप पर फेंके गए पत्थरों को लें और उनका उपयोग एक स्मारक बनाने में करें।' उन्होंने आगे कहा कि पुरस्कार विजेताओं ने चुनौतियों को अवसरों में बदलकर इस भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है, बजाय इसके कि वे अपने उद्यमशीलता के सफर को शुरू करने के लिए अनुकूल परिस्थितियों की प्रतीक्षा करें। आज के कारोबारी माहौल की अनिश्चितताओं पर प्रकाश डालते हुए श्रीधर बाबू ने कहा कि व्यवधान एक निरंतर घटना बन गई है। ऐसे समय में आशावाद एक शक्तिशाली संपत्ति बन जाता है। हमारे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आशावादी, भविष्योन्मुखी और सकारात्मक हैं। एफटीसीसीआई जैसी संस्थाएं अनिश्चितता के दौर में व्यवसायों का मार्गदर्शन और समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, उन्होंने कहा। मंत्री ने एन.आर. नारायण मूर्ति के कथन का हवाला देते हुए कहा, विकास कष्टदायी होता है। परिवर्तन कष्टदायी होता है। लेकिन स्थिर रहने से ज्यादा कष्टदायी कुछ भी नहीं है।

तेलंगाना के महत्वाकांक्षी आर्थिक दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि ताइवान, जिसकी आबादी सिर्फ दो करोड़ से थोड़ी अधिक है, ने कई खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण किया है। उन्होंने कहा, जब तेलंगाना ने 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की अपनी आकांक्षा की घोषणा की, तो कई लोग आश्चर्यचकित और संशय में थे। इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए हमें उद्योग और उद्यमियों के समर्थन की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना भारत के विकास के अगले चरण में अग्रणी भूमिका निभाने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा, जीवन विज्ञान और विनिर्माण से लेकर गहन तकनीकी नवाचार तक, तेलंगाना न केवल भारत के विकास में भागीदार है, बल्कि इसे आकार देने और इसमें सक्रिय रूप से योगदान देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उद्योग के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, श्रीधर बाबू ने दृढ़ता से कहा, सरकार प्रत्येक उद्यमी की भागीदार है, न कि केवल एक नियामक। साथ मिलकर, हम एक जीवंत तेलंगाना का निर्माण करेंगे और न केवल हैदराबाद में बल्कि पूरे राज्य में सबसे उद्योग-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेंगे। उद्योग जगत द्वारा एमएसएमईएस के लिए लंबित प्रोत्साहनों के संबंध में उठाई गई चिंताओं का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य वित्तीय पुनर्गठन से गुजर रहा है, लेकिन फिर भी उसने इस क्षेत्र को देय सब्सिडी का एक हिस्सा जारी कर दिया है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना ने अपनी पहली एमएसएमई नीति पेश की है और इसके निर्माण में एफटीसीसीआई के बहुमूल्य योगदान को स्वीकार किया।

न्यूनतम मजदूरी से संबंधित चिंताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया और ऐसे दिशानिर्देश विकसित किए जो उद्योग के हितों और श्रमिकों के कल्याण दोनों की रक्षा करना चाहते हैं। कुशल कार्यबल की कमी और कौशल अंतर के बढ़ने के मुद्दे पर, मंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं को आश्वासन दिया कि सरकार कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना और अन्य क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों सहित कई पहलों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। तेलंगाना के वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभरने के बारे में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य चालू वर्ष के दौरान 100 जीसीसी को आकर्षित करना है, जिससे वैश्विक व्यापार और नवाचार केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति और मजबूत होगी। बाद में उन्होंने 15 श्रेणियों में उन संगठनों और व्यक्तियों को एफटीसीसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार 2026 प्रदान किए जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कीं। पुरस्कार विजेताओं में एल एनएसएस भी शामिल थे।

बाचुपल्ली फ्लाईओवर का श्रेय लेने पर कांग्रेस सरकार पर बरसे बीआरएस नेता

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के सचेतक केपी विवेकानंद ने बाचुपल्ली फ्लाईओवर परियोजना का श्रेय कांग्रेस सरकार द्वारा लेने पर सवाल उठाए हैं। मंगलवार को सीएमसी निजामपेट सर्कल स्थित नवनिर्मित फ्लाईओवर का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा कि यह परियोजना पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार की योजनाओं और प्रयासों का परिणाम है। विवेकानंद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपने कार्यकाल में कोई नई बड़ी अवसंरचना परियोजना शुरू नहीं कर सकी है और केवल बीआरएस शासनकाल में शुरू या पूरी की गई परियोजनाओं का उद्घाटन कर उनका श्रेय लेने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने दावा किया कि विधानसभा में लगातार मुद्दा उठाने और पार्टी के दबाव के कारण फ्लाईओवर के निर्माण और उद्घाटन की प्रक्रिया में तेजी आई।

बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा मियापुर से वर्चुअल माध्यम से फ्लाईओवर का उद्घाटन किए जाने की भी आलोचना की और इसे कुथबुल्लापुर क्षेत्र के लोगों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने सामरिक नाला विकास कार्यक्रम और सामरिक सड़क विकास कार्यक्रम के तहत बनी परियोजनाओं का केवल नाम बदला है, जबकि शहर की वर्तमान बुनियादी ढांचा आवश्यकताओं की अनदेखी की जा रही है।

मेगा जॉब मेले जल्द ही जिलों तक होंगे विस्तारित : अजहरुद्दीन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की प्रमुख परियोजना प्रजा पालन प्रगति प्रणलिका के अंतर्गत, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग और तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम (टीजीएमएफसी) के तत्वावधान में हैदराबाद के नामपल्ली स्थित रेड रोज पैलेस में एक विशाल रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस विशाल रोजगार मेले का उद्घाटन हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने किया। मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने टीजीएमएफसी के अध्यक्ष ओबेदुल्ला कोटवाल और रोजगार मेले के सफल आयोजन में योगदान देने वाले सभी हितधारकों के प्रति अपनी सराहना व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार की पहलों के माध्यम से पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जहां कई महत्वपूर्ण पहलें वर्षों से लंबित थीं, वहीं वर्तमान सरकार ने अल्पसंख्यक समुदायों के लिए समावेशी विकास और अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार लगभग एक लाख रोजगार के अवसर पैदा कर रही है और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, टीजीएमएफसी के समन्वय से, अल्पसंख्यक युवाओं को सार्थक रोजगार और करियर के अवसरों से जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। मंत्री ने मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, बौद्धों, जैनियों और अन्य सहित सभी अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को बिना किसी भेदभाव के समर्थन देने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले का उद्देश्य केवल ऑफर लेटर वितरित करना नहीं है, बल्कि प्रत्येक चयनित उम्मीदवार के लिए स्थायी रोजगार सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि हम पूरी भर्ती प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखेंगे। हमारी जिम्मेदारी ऑफर लेटर जारी करने के साथ समाप्त नहीं होती। हम उम्मीदवारों के अपने-अपने संगठनों में सफलतापूर्वक शामिल होने तक लगातार उनसे संपर्क बनाए रखेंगे। हमारे युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना हमारी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे घोषणा की कि अल्पसंख्यक युवाओं की अधिक संख्या को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए तेलंगाना भर में, निजामाबाद और अन्य जिलों सहित, इसी तरह के रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। मंत्री ने युवाओं से शिक्षा, व्यावसायिक विकास और कौशल संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम द्वारा संचालित विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

...तो मैं दे दूंगा इस्तीफा : किशन रेड्डी

तेलंगाना की जनता के आशीर्वाद से दिल्ली आया हूं

नई दिल्ली, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर उनके हालिया सार्वजनिक भाषणों में उन्हें निशाना बनाने के लिए जमकर हमला बोला और स्पष्ट कर दिया कि वह न तो मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रति जवाबदेह हैं और न ही उनसे डरते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उनके खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से तेलंगाना के मुख्यमंत्री तरह-तरह के झूठ और झूठी खबरों का इस्तेमाल करते हुए मेरी आलोचना कर रहे हैं। वे निराधार व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। वे मुझे 'कुचलने' की बात करते हैं और दावा करते हैं कि वे मुझे राज्य की सीमा पार नहीं करने देंगे या तेलंगाना में स्वतंत्र रूप से घूमने नहीं देंगे। मैंने कई मुख्यमंत्रियों को देखा है। मैंने उनके दरवाजे पर घेराव भी किया है। मैंने दिल्ली तक आंदोलन का नेतृत्व किया है। मैं अपनी विचारधारा और जिस पार्टी में विश्वास करता हूं, उसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और तेलंगाना की जनता के आशीर्वाद से दिल्ली आया हूं।

रेड्डी ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान तेलंगाना की जनता से किए गए '6 गारंटियों' और '420 उप-गारंटियों' के वादों को पूरा करने के बजाय, मुख्यमंत्री अपने खिलाफ बढ़ते जन असंतोष से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 10 साल तक मुख्यमंत्री बने रहने का दावा करते हुए रेवंत रेड्डी ध्यान भटकाने वाली राजनीति खेल रहे हैं।

बैंकों में नकदी संकट से किसान परेशान

निकासी सीमा तय होने से खेती-किसानी के कार्य प्रभावित

संगारेड्डी, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों में नकदी की कमी के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से तेलंगाना ग्रामीण बैंक (टीजीबी) और अन्य बैंकों की शाखाओं ने नकद निकासी पर सीमा निर्धारित कर दी है। कुछ शाखाओं में ग्राहकों को प्रतिदिन केवल 10 हजार रुपये तक नकद निकालने की अनुमति दी जा रही है, जबकि कुछ बैंक 20 हजार से 25 हजार रुपये तक की निकासी की सुविधा दे रहे हैं। हालांकि, यूपीआई और नेट बैंकिंग के माध्यम से लेनदेन पर कोई प्रतिबंध नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसान या तो स्मार्टफोन का उपयोग नहीं करते हैं या डिजिटल भुगतान प्रणाली से परिचित नहीं हैं, जिसके कारण उन्हें नकदी की आवश्यकता पड़ रही है। किसान इन दिनों खेतों की जुताई, बीज, उर्वरक और कीटनाशक खरीदने के साथ-साथ मजदूरों को भुगतान करने में जुटे हैं। चेगुंटा के किसान बी. शंकर ने बताया कि मजदूरी और कृषि कार्यों के लिए नकद भुगतान जरूरी है, जबकि कई साहूकार भी ऑनलाइन भुगतान स्वीकार नहीं कर रहे हैं। बैंक अधिकारियों के अनुसार, नकदी की आपूर्ति मांग के मुकाबले बेहद कम है।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल के शिविर का लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा मछली प्रसाद के लिए पूरे देश से बड़ी संख्या में हैदराबाद आए लोगों को भोजन, पानी और चिकित्सा सेवा प्रदान की । शिविर सोमवार, 9 जून को दोपहर 2 बजे तक जारी रहा।

प्रदर्शनी मैदान में 6 जून को स्थापित पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल के सेवा शिविर एवं आपातकालीन चिकित्सा शिविर का उद्घाटन हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने।किया अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं अग्रवाल सेवा दल वे परामर्शदाता शरद् बी. पित्ती सहित अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता ने बताया कि बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग के इलाज हेतु मछली प्रसाद का वितरण आज 8 जून से किया गया, लेकिन बाहरी क्षेत्रों से जानकारी की कमी के कारण लोगों का हैदराबाद आना 5 जून से ही प्रारंभ हो गया। बाहर से हजारों की संख्या में, हैदराबाद आये लोगों की सेवा पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल ने गत 5 जून से ही आरंभ कर दी थी। शिविर में लोगों ने भोजन व्यवस्था का लाभ लिया।

इसमें दमा रोगियों की सुविधा हेतु मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने वालों को अगले 45 दिनों तक किए जाने वाले परहेज की भोजन सामगी की प्रदर्शनी भी लगाई गई। शिविर में मेडिकवर अस्पताल के सहयोग से निःशुल्क आपातकालीन चिकित्सा तथा एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध करवाई गयी। चार दिवसीय शिविर में लगभग एक लाख लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों सहित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के कर्मचारीयों तथा अग्र महिला मंच एवं अग्रणी महिला मंच की सदस्याओं ने भी सेवा प्रदान की ।

शिविर का उद्घाटन हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी. पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता, कैलाश केड़िया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, अजय तुलस्यान, दीपक गुप्ता, विनोद अग्रवाल, निर्मला केडिया, गोपाल मोर, प्रदर्शनी सोसाइटी के अनिल मिश्रा, दिलीप पंसारी, रमेश अगवाल, नवीन केड़िया, विनोद अग्रवाल,नवीन पटवारी, गोविंद अग्रवाल, गोविंद केड़िया, काजल अग्रवाल,नीना अग्रवाल, संतोष अग्रवाल,अनीता अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन वे शाशिकांत अग्रवाल व पित्ती इंजीनियरिंग के कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

आंगनवाड़ी कर्मियों की उपेक्षा कर रही है सरकारः हरीश राव

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की बात करते हैं, लेकिन आंगनवाड़ी कर्मियों को समय पर वेतन तक नहीं मिल रहा है। एक बयान में हरीश राव ने कहा कि राज्य की लगभग 62 हजार आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं और सहायिकाओं को पिछले दो महीनों से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने सरकार से लंबित वेतन और मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों के उन्नयन के बाद बढ़े वेतन के बकाये का तत्काल भुगतान करने की मांग की। उन्होंने महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनुसूया उर्फ सीताक्का की भी आलोचना करते हुए कहा कि सरकार बड़े-बड़े वादों के बावजूद आंगनवाड़ी कर्मियों की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकी है। हरीश राव ने दावा किया कि पिछली बीआरएस सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि की थी और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं।

नि:शुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर संपन्न

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आयुर्वेदा सर्विसेज संस्थान के तत्वावधान में आयोजित 41 वें निःशुल्क आयुर्वेदिक अस्थमा चिकित्सा शिविर का समापन हुआ। आयुर्वेदा सर्विसेज संस्थान के तत्वावधान में आज गांधी ज्ञान मंदिर, कोठी में डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में अस्थमा चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ पंडित विशाल तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण पूजन-अर्चन और हवन के साथ हुआ।

बड़ी संख्या में अस्थमा रोगियों ने शिविर में आयुर्वेदिक परामर्श प्राप्त किया। उन्हें शुद्ध, प्राकृतिक एवं पूर्णतः निःशुल्क औषधियाँ प्रदान की गई। शिविर में अनुभवी वैद्यों द्वारा रोगियों को अस्थमा की रोकथाम, जीवनशैली व आहार के विषय में भी परामर्श दिया गया।

शिविर मे चिकित्सा सेवाओं का संचालन डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में डॉ. राजेन्द्र दाधीच, डॉ राज शर्मा, डॉ श्याम सुन्दर तिवारी, डॉ घीसुलाल जैन सहित अन्य आयुर्वेदाचार्यों की टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़ का सम्मान किया गया। समाज सेवी रमेश भाटी, बजरंग पवार एवं उमेश सांकला ने सहयोग प्रदान किया। शिविर मे हैदराबाद सिकंदराबाद के अलावा भारत के कई विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में शुद्ध शाकाहारी अस्थमा दावा का लाभ उठाया। शिविर में महेश अवस्थी, सुरेश गांधी, लक्ष्मीकांत व्यास, भगवती प्रसाद तिवारी, आदित्य शर्मा, रमेश पटेल, अजय लूणावत, रमेश अग्रवाल, महेंद्र सुराणा, पवन दाधीच, विपुल दाधिव, नकुल दाधीच, कौशिक अग्रवाल, सरला शर्मा, प्रीति दाधीच, जयश्री कड़किया, मोहिनी अग्रवाल, निधिशा दाधीच व अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

बजरंग सेना तेलंगाना ने मछली दवा बांटा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना ने हैदराबाद के एग्ज़िबिशन ग्राउंड्स में आयोजित सालाना मछली वाली दवा बांटने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सेना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव और शहर अध्यक्ष मनोज मोगलगिद्दी ने देश भर से आए मरीज़ों को खुद पारंपरिक मछली वाली दवा पिलाई। इस मौके पर रामेश्वर मिश्रा, कोंडा रेड्डी श्रीनिवास भी मौजूद थे।

भगवान साक्षात प्रेम की मूर्ति स्वरूप हैं : श्रीमाली

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गिरिराज मंदिर के निकट श्री वीसा मोढ़ गौ भुजा समाज वाड़ी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यासपीठ पर आसीन पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने बताया कि परमात्मा के स्वभाव को जीव नहीं जानता इसलिए सांसारियों की वाहवाही करता है। श्रीकृष्ण अत्यंत उदार हैं। परमात्मा विष देने वाले को भी मातृ गति प्रदान करने वाले हैं और भगवान साक्षात प्रेम की मूर्ति स्वरूप है। श्रीकृष्ण के बाल मित्र सखा सुदामा का प्रसंग सुनाते हुए कह रहे हैं कि सुदामा गरीब ब्राह्मण है परंतु कर्मनिष्ठ ब्राह्मण है। अपने कर्तव्यों को विधिपूर्वक करते हैं। महान ज्ञानी हैं। सुदामा ने अपने ज्ञान का कभी भी फायदा पैसे के लिए नहीं किया। सुदामा की पत्नी पतिव्रता हैं सुशीला। अनुकूल व विपरीत परिस्थितियों में भी वे दोनों शांत रहते हैं।

माताओं बहनों को चाहिए सदैव पति एवं परमात्मा की सेवा और पति की सेवा में अपना जीवन व्यतीत करें। पति को ही परमात्मा का विशेष अंश मानकर आज्ञा का पालन करते हुए उनकी सेवा करती रहें। जीवन में हर समय जीवन का हर समय सभी के लिए एक जैसा नहीं रहता। समय परिवर्तित होते रहता है हर अवस्था में प्रभु पर दृढ़ आस्था एवं पति को साथ देकर आगे बढ़ते रहना यह परम लक्ष्य रहना चाहिए और हमेशा परमात्मा को व पति को साथ रखकर के ही जीवन में आगे बढ़ते रहें।

पासपोर्ट बनवाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

एक दिन में काम कराने का झांसा देकर वसूलते थे पैसे

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) और मोंडा मार्केट पुलिस ने पासपोर्ट आवेदकों से ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अड्डागुट्टा निवासी शिवरात्रि सिद्दुलु, टी. वेंकटेश, वी. अश्विन कुमार तथा अलवाल निवासी पी. दीपक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह सिकंदराबाद पासपोर्ट कार्यालय के आसपास सक्रिय था और लंबित पासपोर्ट आवेदनों को एक दिन में निपटाने का झूठा दावा कर लोगों से पैसे वसूलता था। मामला तब सामने आया जब शाहीन सुल्ताना नामक महिला ने अपने पोते के लंबित पासपोर्ट आवेदन के संबंध में कार्यालय से संपर्क किया। इसी दौरान सिद्दुलु ने खुद को पासपोर्ट दलाल बताकर एक दिन में काम कराने का भरोसा दिलाया और कथित रूप से 6,000 रुपये ले लिए। बाद में उसने और पैसे की मांग करते हुए पासपोर्ट जारी न होने की धमकी भी दी। खुद को ठगा महसूस करने पर महिला ने मोंडा मार्केट थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर एसओटी ने आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरोह ने अन्य लोगों को भी अपना शिकार बनाया है या नहीं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए को ट्राई सीरीज का पहला वनडे हराया

दांबुला, 9 जून (एजेंसियां)। इंडिया-ए ने ट्राई सीरीज के पहले वनडे में श्रीलंका-ए को 8 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका-ए की टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका को आखिरी दो ओवर में 10 रन चाहिए थे और 3 विकेट बचे थे। लेकिन, 49वें ओवर में अरशद खान ने दो विकेट लेने के साथ एक रनआउट कराकर श्रीलंका की पारी को समेट दिया।

गायकवाड ने शतक लगाया, तिलक की फिफ्टी

दांबुला स्टेडियम में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 60 रन का योगदान दिया। IPL-2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी 14 रन ही बना सके। श्रीलंकाई टीम की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट झटके।

कप्तान सहान अराचिगे ने 74 रन बनाए

टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए सहान अराचिगे (74) और सदीरा समरविक्रमा (46) ने श्रीलंका की उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन भारत ने लगातार अंतराल पर विकेट निकालकर मैच का रुख पलट दिया।

भारत के लिए आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, अरशद खान और विप्रज निगम ने 2-2 विकेट लिए। अंशुल कंबोज को 1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

इंडिया-एः वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बदोनी, अनुकूल रॉय, सूर्यांश शेडगे, अंशुल कंबोज, अरशद खान और विप्रज निगम।

श्रीलंका-एः निरोशन डिकवेला (उप कप्तान और विकेटकीपर), अविष्का फर्नांडो, नुवानिदु फर्नांडो, सदीरा समरविक्रमा (विकेटकीपर), सहान अराचिगे (कप्तान), चमिका करुणारत्ने, रविन्दु फर्नांडो, वानुजा सहन, विजयकांत वियास्कंथ, मोहम्मद शिराज और गरुका संकेत।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप प्रैक्टिस मैच में भारत जीता

वेस्टइंडीज को 26 रन से हराया; भारती की नाबाद फिफ्टी, श्रेयांका को 4 विकेट

लंदन, 9 जून (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस टीम ने बल्लेबाजों और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पहले वार्म-अप मैच में वेस्टइंडीज को 26 रन से हरा दिया। कार्डिफ में खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 179 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की 8 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी।

भारत को शेफाली वर्मा और कप्तान स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5.2 ओवर में 59 रन जोड़े। मंधाना 23 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि शेफाली ने 13 गेंदों में 29 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद जेमिमा रोड्रिज सिर्फ 7 रनबना सकीं। हालांकि यास्तिका भाटिया और भारती फुलमाली ने चौथे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। यास्तिका 26 गेंदों पर 36 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुईं, जबकि फुलमाली ने 40 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए।

वेस्टइंडीज की ओर से अफी फ्लेचर सबसे सफल गेंदबाज रहीं। उन्होंने 4 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट झटके। फ्लेचर ने ऋचा घोष, राधा यादव और श्रेयंका पाटिल को भी आउट कर भारतीय बल्लेबाजी पर ब्रेक लगाया। करिश्मा रामहरैक और आलिया एलेन ने एक-एक विकेट लिया, जबकि डिएंड्रा डॉटिन को भी एक सफलता मिली।

180 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत संभली हुई रही। डिएंड्रा डॉटिन और शेमाइन कैंपबेल ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कैंपबेल 22 गेंदों पर 25 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुईं, जबकि डॉटिन ने 44 गेंदों में 49 रन की पारी खेली। हालांकि इसके बाद वेस्टइंडीज के लगातार विकेट गिरते रहे।

कियाना जोसेफ (5), जहजारा क्लैक्सटन (6), आलिया एलेन (13) और कप्तान चिनेल हेनरी (1) बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। जेनेलिया ग्लासगो ने 18 गेंदों पर 19 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत की ओर नहीं ले जा सकीं। भारत के लिए श्रेयांका पाटिल ने 4 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके। राधा यादव को भी 3 विकेट मिला। शेफाली वर्मा और श्री चरणी ने भी किफायती गेंदबाजी की।

कोहली भारत की सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी

ब्रांड वैल्यू 3542 करोड़; शाहरुख दूसरे, प्रियंका तीसरे और अमिताभ 7वें नंबर पर

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली भारत की सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। उनकी ब्रांड वैल्यू 3,542 करोड़ रुपए है। शाहरुख खान दूसरे और प्रियंका चोपड़ा जोनस तीसरे पायदान पर हैं।

फॉर्च्यून इंडिया और इंटरब्रांड ने देश की 25 सबसे वैल्युएबल सेलिब्रिटी पर रिसर्च की। इसमें टॉप 10 में 3 क्रिकेटर और 7 फिल्मी सेलिब्रटी हैं।

महिला सेलिब्रिटीज में प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर रहीं। इसके अलावा दीपिका पादुकोण (11वां स्थान), रश्मिका मंदाना (17वां स्थान), कृति सेनन, भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और साउथ की एक्ट्रेस नयनतारा को जगह मिली है। वैल्युएबल पर्सन की सूची में दिलजीत दोसांझ, करन जौहर, सौरव गांगुली और विकी कौशल के भी नाम हैं।

इस अध्ययन में ब्रांड वैल्यू तय करने के लिए सेलिब्रिटीज की कमाई, फॉलोअर्स या बॉक्स ऑफिस पर सफलता से इतर कई अन्य बातों पर भी ध्यान दिया गया है। इनमें ब्रांड की ताकत को तय करने वाले पहलुओं जैसे- विशिष्टता, सामंजस्य, जुड़ाव, विश्वास, आत्मीयता और जिम्मेदारी पर भी गौर किया गया है, जो मिलकर उनकी फाइनल ब्रांड वैल्यू तय करते हैं।

हरियाणा की बेटी काजल ने इंटरनेशनल मंच पर किया कमाल

रेसलिंग में जीता गोल्ड, विरोधियों को पटक-पटक के मारा

खेल डेस्क, 9 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव लाठ की रहने वाली उभरती हुई स्टार महिला पहलवान काजल ने इंटरनेशनल मंच पर एक बार फिर से सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। काजल ने मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित इंटरनेशनल रैंकिंग रेसलिंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 76 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से जिले, प्रदेश और पूरे देश का गौरव बढ़ा है। पहलवान काजल फिलहाल सोनीपत के सेक्टर-23 में अपने चाचा पहलवान कृष्ण के पास रहकर कुश्ती की बारिकियां सीख रही हैं। वह अपनी लगातार कठिन मेहनत, अनुशासित प्रशिक्षण और खेल के प्रति गजब के समर्पण के बल पर भारतीय महिला कुश्ती की सबसे उभरती हुई स्टार्स में शुमार हो चुकी हैं।

भारतीय महिला रेसलिंग टीम के पूर्व मुख्य कोच और बड़वासनी स्थित कुलदीप मलिक कुश्ती अकादमी के संचालक कुलदीप मलिक ने काजल की इस स्वर्णिम सफलता पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल स्तर पर मिला यह गोल्ड मेडल काजल की अथक मेहनत, कड़े अनुशासन और खेल के प्रति उसके अद्वितीय समर्पण का ही प्रतिफल है। वहीं, उनके कोच अजय मलिक ने काजल के खेल की तारीफ करते हुए बताया कि वह शुरू से ही बेहद मेहनती और

अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित खिलाड़ी रही हैं। वह प्रतिदिन मैट पर कठिन प्रशिक्षण लेती हैं और अपनी तकनीक को लगातार बेहतर बनाने का प्रयास करती हैं। कोच अजय ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में काजल विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों पर भी देश के लिए पदक जीतकर इतिहास रचेगी।

यह पहला मौका नहीं है जब काजल ने इंटरनेशनल मैट पर तिरंगा लहराया हो, उनका पुराना ट्रैक रिकॉर्ड भी बेहद शानदार रहा है। बुल्गारिया के समोकोव में आयोजित इस चैंपियनशिप में काजल ने कमाल का खेल दिखाते हुए 72 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। साल 2024 में आयोजित अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में भी काजल ने अपने भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय रेसलिंग में अपनी बादशाहत साबित की थी।

मंगोलिया में मिली इस ताजा सफलता के बाद काजल ने अपने अगले बड़े मिशन का भी खुलासा कर दिया है। काजल का अगला और मुख्य लक्ष्य वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है, जिसके लिए वे अभी से जी-तोड़ मेहनत में जुट गई हैं। भारत ने लंबे समय से ओलंपिक में रेसलिंग में कोई भी मेडल नहीं जीता है। भारत को इसकी लंबे समय से तलाश है।

बातों-बातों में गौतम गंभीर पर सुनील गावस्कर ने साधा निशाना!

कहा- खिलाड़ियों का आना-जाना टीम से लगा रहता है

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाजी के बजाय बल्लेबाजी को भारत की सबसे बड़ी चिंता बताते हुए कहा कि टीम को अब बदलाव के दौर की सोच से बाहर आना होगा। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन पारी और 300 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में डेब्यू करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने पहली पारी में 6 विकेट समेत मैच में कुल 7 विकेट लिए।

गावस्कर ने कहा कि हर टीम में समय-समय पर खिलाड़ियों का आना-जाना और बदलाव होता है लेकिन प्रदर्शन के स्तर को बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया

है कि टीम को बदलाव के दौर में बताने के बजाय टेस्ट क्रिकेट के मानकों पर परखा जाए। हर टीम में संन्यास, नए खिलाड़ियों का आना और बदलाव होते रहते हैं लेकिन ध्यान प्रदर्शन पर होना चाहिए।'

गावस्कर ने कहा, 'भारत के हाल के टेस्ट नतीजों को देखें तो गेंदबाजों ने अपना काम काफी हद तक किया है लेकिन बल्लेबाजों को खासकर मुश्किल परिस्थितियों में अधिक अनुशासन और बेहतर तकनीक दिखाने की जरूरत है।' उन्होंने यह भी कहा कि टी20 क्रिकेट की सोच को टेस्ट क्रिकेट में नहीं आने देना चाहिए।

गावस्कर ने कहा, 'कई बार कुछ डॉट गेंदों के बाद खिलाड़ी टी20 की मानसिकता में आ जाते हैं और जल्दबाजी में गलत फैसले कर बैठते हैं। टेस्ट क्रिकेट में अलग तरह के धैर्य और सोच की जरूरत होती है।' गावस्कर ने युवा स्पिनर मानव सुथार की जमकर तारीफ की लेकिन साथ ही सावधानी बरतने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, 'सात विकेट के साथ टेस्ट करियर की शुरुआत करना बेहद प्रभावशाली है, लेकिन किसी खिलाड़ी का मूल्यांकन सिर्फ एक मैच के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार और उत्साहजनक शुरुआत है लेकिन इसे मंजिल नहीं बल्कि लंबे सफर की शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए।'

अर्जुन तेंदुलकर अकेले ही पड़े भारी

टी20 मुंबई लीग में टीम को 9 विकेट से जीत दिलाई

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। अर्जुन तेंदुलकर ने टी20 मुंबई लीग में धमाकेदार प्रदर्शन किया है. वो अपने धुआंधार प्रदर्शन से अकेले ही विरोधी टीम पर भारी पड़ते दिखे हैं. टी20 मुंबई लीग में 8 जून को वानखेड़े स्टेडियम बांद्रा ब्लास्टर्स और एआरसीएस अंधेरी के बीच मुकाबला खेला गया. इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी की ओर से खेल रहे अर्जुन तेंदुलकर ने अपने मिजाज के मुताबिक प्रदर्शन किया. उन्होंने अपने ऑलराउंडर वाले रोल को पूरी तरह से निभाया. नतीजा, ये हुआ कि पहले उन्होंने बांद्रा ब्लास्टर्स के खिलाफ गेंद से तो कहर बरपाया ही. उसके बाद बल्ले से भी ऐसे बरसे कि सब देखते रह गए. सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांद्रा ब्लास्टर्स के

खिलाफ 3 ओवर में 3 विकेट लिए. इस दौरान उन्होंने 13 गेंदें डॉट फेंकी और रन भी सिर्फ 11 खर्च किए. गेंद से अर्जुन तेंदुलकर की मचाई इस तबाही का असर ये हुआ कि बांद्रा ब्लास्टर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी. अब, जिन लोगों को लगा कि बाएं हाथ के खिलाड़ी अर्जुन तेंदुलकर ने मैच में अपना काम कर दिया. उनके लिए उनकी बल्लेबाजी रोमांच का डबल डोज लेकर आई.

बांद्रा ब्लास्टर्स से मिले 145 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की टीम का पहला विकेट 32 रन पर ही गिर गया. दिव्यांश सक्सेना 11 गेंदों पर 26 रन की तेज-तर्रार पारी खेलकर आउट हो गए. उनके आउट होने के बाद क्रीज पर अर्जुन तेंदुलकर का आगमन हुआ और फिर जो देखने को मिला, उसने दर्शकों को सांस लेने की भी फुर्सत नहीं दी. अर्जुन तेंदुलकर के बल्ले से मुकाबले में बांद्रा ब्लास्टर्स की बर्बादी का खेल शुरू हो गया.

नंबर 3 पर खेलने उतरे अर्जुन तेंदुलकर आए तो फिर टीम को जीत दिलाकर ही लौटे. उन्होंने सिर्फ 34 गेंदों में ऐसा तहलका मचाया कि उनकी टीम एआरसीएस अंधेरी ने बड़ी जीत दर्ज कर ली. अर्जुन तेंदुलकर ने 34 गेंदों पर 194.12 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 66 रन बनाए, जिसमें चौके से ज्यादा छक्के शामिल रहे. उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के मारे. इस दौरान उन्होंने अपनी फिफ्टी 25 गेंदों में ही पूरी की. टी20 मुंबई लीग में ये एआरसीएस अंधेरी के लिए अर्जुन का पहला अर्धशतक है.अर्जुन तेंदुलकर के ऑलराउंडर खेल की बदौलत एआरसीएस अंधेरी ने बांद्रा ब्लास्टर्स को 9 विकेट से हराया. अर्जुन तेंदुलकर इस जीत के हीरो बने, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से अपना दम खूब दिखाया.

आरसीबी को आईपीएल ट्रॉफी जिताने के बाद भी वेंकटेश अय्यर का जलवा बरकरार, अब इस मैच में ढाया कहर

भोपाल, 9 जून (एजेंसियां)। वेंकटेश अय्यर आईपीएल 2026 में आरसीबी की चैंपियन टीम का हिस्सा रहे, उन्होंने टूर्नामेंट के 19वें सीजन में कई बार मैच विनिंग पारी खेली. इसके बाद अब वो मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में अपना जलवा दिखा रहे है. एक मुकाबले में उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाकर अपनी टीम इंदौर पिंक पैंथर्स को जीत दिला दी. इंदौर पिंक पैंथर्स ने होल्कर स्टेडियम में मालवा स्टैलियंस को 31 रनों से हराकर मध्य प्रदेश लीग टी20 सिंधिया कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की. इस जीत में कप्तान वेंकटेश अय्यर की शानदार आक्रामक पारी और साथ ही शिवम शुक्ला के बेहतरीन 5 विकेटों का अहम योगदान रहा.

इंदौर टीम के ओपनर सिद्धार्थ पाटीदार के जल्दी आउट होने के बाद पैंथर्स की शुरुआत लड़खड़ा गई थी. हालांकि, अथर्व जोशी ने 20 गेंदों में 45 रनों की तेज पारी खेलकर जवाबी हमला किया, जबकि करण थलियानी ने शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को स्थिरता

दी. उनकी कोशिशों से टीम संभल गई और बीच के ओवरों में भी अच्छा स्कोरिंग रेट बनाए रखा. 15वें ओवर में 131/4 के स्कोर पर टीम को नई रफ्तार की जरूरत थी, और अय्यर ने वही करके दिखाया. बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर ने बेखौफ होकर शॉट खेलते हुए मालवा की गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दीं. उनके आक्रामक अंदाज ने मैच का रुख पूरी तरह से पैंथर्स के फेवर में मोड़ दिया.

वेंकटेश अय्यर ने सिर्फ 22 गेंदों में 54 रन बनाए, जिसमें 6 छक्के और 1 चौका शामिल था. सारांश सुराना (जो 17 गेंदों में 50 रन बनाकर नाबाद रहे) के साथ मिलकर उन्होंने एक ऐसी साझेदारी की जिसने मैच का पासा पलट दिया और इंदौर को 229/5 के मजबूत स्कोर तक पहुँचाया.

मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए मालवा स्टैलियंस ने अंश यादव और सचिन विश्वकर्मा के योगदान के जरिए स्ट्रगल किया, जबकि पार्थ साहनी ने 28 गेंदों में 54 रनों की शानदार पारी खेलकर उम्मीदें जिंदा रखीं. उनकी कोशिशों के बावजूद, जरूरी रन रेट बढ़ता ही गया. पैंथर्स के गेंदबाजों ने लक्ष्य का पीछा करने के दौरान लगातार दबाव बनाए रखा. शिवम शुक्ला स्टार परफॉर्मर बनकर उभरे; उन्होंने मैच जिताऊ 5 विकेट लिए, जिससे स्टैलियंस की बैटिंग लाइनअप ढह गई और वे 198/9 के स्कोर पर ही रुक गए.

मैच के बाद, अय्यर ने टीम की पहली जीत और अपने योगदान पर खुशी जाहिर की. उन्होंने माना कि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन उन्हें इस बात की खुशी थी कि उनकी सोच-समझकर खेली गई पारी ने 2 अहम प्वॉइंट्स दिलाने में मदद की और टीम के साथियों और सपोर्ट स्टाफ के चेहरों पर मुस्कान ला दी.

लॉर्ड्स जीत के बाद स्टोक्स-एटकिंसन नाइटक्लब विवाद में घिरे

रग्बी खिलाड़ियों से बहस हुई, ईसीबी की जांच शुरू; दूसरे टेस्ट में खेलना मुश्किल

लंदन, 9 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन नए विवाद में फंस गए हैं। दोनों खिलाड़ियों का रविवार रात एक नाइटक्लब में सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ विवाद हो गया। इस घटना में किसी खिलाड़ी के घायल होने की खबर नहीं है। लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर 115 रन की जीत के बाद स्टोक्स और एटकिंसन तड़के एक नाइटक्लब पहुंचे थे। उसी दौरान सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ी भी सीजन समाप्ति का जश्न मनाने वहां मौजूद थे। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत गस एटकिंसन और सरेसेंस रग्बी क्लब के एक एकेडमी खिलाड़ी के बीच हुई बहस से हुई थी, जो बाद में बढ़ गई। सरेसेंस रग्बी क्लब ने पुष्टि की है कि उनका एक एकेडमी खिलाड़ी रविवार रात हुई इस घटना में शामिल था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने टीम प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोप में स्टोक्स और एटकिंसन के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता के बीच खबरें हैं कि स्टोक्स कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। 17 जून से द ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट के दौरान भी जांच जारी रहने की संभावना है।

रोहित-हार्दिक ने फिटनेस टेस्ट पास किया

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलेंगे

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से शुरू होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या भी खेलेंगे हैं। दोनों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे।

हाल ही में हुए आईपीएल के दौरान रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं हार्दिक पांड्या बैक स्पाज्म की वजह से परेशान थे। दोनों मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए चोटिल हुए थे।

रोहित-हार्दिक को वनडे सीरीज के लिए सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया था। अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने दोनों को फिटनेस क्लियरेंस दे दी है।

कोहली पहले ही सीरीज से बाहर हो चुके

विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की वजह से टीम से बाहर हो चुके हैं। आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था।

स्क्वाड अनाउंस के समय बीसीसीआई चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने बताया था कि कोहली की रिकवरी का सही समय अभी तय नहीं है। इंग्लैंड वनडे सीरीज तक वह फिट हो सकते हैं, लेकिन यह पक्का नहीं है। कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल को अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

रोहित टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके

रोहित ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद 29 जून को टी-20 से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने 7 मई 2025 को टेस्ट से भी रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया।

भारत की वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर ब्रार, हर्ष दुबे।

नॉर्वे चेस चैंपियन प्रज्ञानानंदा को तमिलनाडु के सीएम विजय ने दिया 50 लाख का इनाम

चेन्नई, 9 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने वाले प्रज्ञानानंदा को स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ तमिलनाडु की तरफ से 50 लाख का कैश अवॉर्ड दिया। चेन्नई स्थित मुख्य सचिवालय में आयोजित इस सम्मान समारोह के दौरान एक दिलचस्प नजारा भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री विजय ने सम्मान देने के साथ ही साल के ग्रैंडमास्ट प्रज्ञानानंदा के साथ चेस बोर्ड पर बाजी भी आजमाई। प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत वैश्विक नेतृत्व के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा : राज्यपाल

हैदराबाद, 9 जून(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के सर्वाधिक समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का गौरव प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की जनता द्वारा व्यक्त किए गए अटूट विश्वास और भरोसे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक उन्नति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना के विकास तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। साथ ही राष्ट्रीय हितों की रक्षा और संवर्धन को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीतियां तथा 'विकसित भारत-2047' का संकल्प देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति, समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। राज्यपाल ने कहा, तेलंगाना की जनता की ओर से मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं देता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनका नेतृत्व भारत को और अधिक विकास, समृद्धि तथा विश्व-पटल पर अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

नवाचार और स्टार्टअप का बड़ा केंद्र बनकर उभरा हैदराबाद

रिपोर्ट में शहर की तेज विकास यात्रा का उल्लेख

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पिछले एक दशक में बहु-क्षेत्रीय नवाचार केंद्र के रूप में तेजी से उभरा है। हैदराबाद इनोवेशन रिपोर्ट 2026 में यह बात सामने आई है। प्रारंभिक चरण की वेंचर कैपिटल फर्म एंडिया पार्टनर्स और टी-हब द्वारा जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, शहर अब पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि स्टार्टअप, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), जीवन विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उन्नत प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। टी-हब में आयोजित 'हैदराबाद कैपिटल एंड स्टार्टअप फोरम 2026' में 225 से अधिक उद्यमियों, निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया। रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद में वर्तमान में 10 हजार से अधिक स्टार्टअप संचालित हैं और वर्ष 2014 से अब तक यहां 3 अरब डॉलर से अधिक का वेंचर निवेश आकर्षित हुआ है। इसके अलावा, देश के कुल जीसीसी का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हैदराबाद में स्थित है। रिपोर्ट में जैव प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में शहर की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित किया गया है तथा भविष्य के विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है।

शिक्षा नीति को लेकर कांग्रेस सरकार पर बरसे बीआरएस नेता

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार की शिक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया। तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने सरकारी स्कूलों की संख्या 27 हजार से घटाकर 4 हजार करने के कथित प्रस्ताव पर सवाल उठाए। श्रीधर रेड्डी ने कहा कि स्कूलों की संख्या कम करना शिक्षा व्यवस्था के युक्तिकरण का विकल्प नहीं हो सकता। उन्होंने आशंका जताई कि इस तरह के कदम से गांवों, आदिवासी बस्तियों और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुंच प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या ऐसे प्रस्ताव शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अनुरूप हैं। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों के लिए नाश्ता योजना जैसे वादों को पूरा करने में विफल रही है और पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई 'मना ऊरु-मना बाड़ी' जैसी योजनाओं की अनदेखी कर रही है।

दुबई सड़क हादसे में सात लोगों की मौत

तेलंगाना के तीन प्रवासी श्रमिकों ने गंवाई जान

दुबई, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुबई की एमिरेट्स रोड पर सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जिनमें तेलंगाना के तीन प्रवासी श्रमिक भी शामिल हैं। दुर्घटना उस समय हुई जब एक मिनीबस सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कई अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान जगतियाल जिले के मेटपल्ली मंडल निवासी अब्दुल रफीक, कोडिमियाल मंडल निवासी सैयद सलीम और मलियाल मंडल निवासी गजुला तिरुपति के रूप में हुई है। घायलों में हैदराबाद निवासी मोहम्मद सईद भी शामिल हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। बताया गया है कि सभी पीड़ित शारजाह स्थित एक एल्युमीनियम ग्लास और डोर फ्रेम निर्माण कंपनी में कार्यरत थे। दुबई पुलिस के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण एक ट्रक सड़क के बीच रुक गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मिनीबस चालक सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा और समय रहते वाहन नहीं रोक सका, जिससे यह हादसा हुआ। घटना के बाद भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवारों से संपर्क किया और अधिकारियों की टीम ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

हैदराबाद के आसमान में दिखेगा वायु सेना का रोमांचक करतब

11 और 13 जून को सूर्य किरण एरोबेटिक टीम करेगी प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम (एसकेएटी) एक बार फिर हैदराबाद के आसमान में अपने हैरतअंगेज हवाई करतबों का प्रदर्शन करने जा रही है। यह प्रदर्शन 11 और 13 जून को दुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में आयोजित संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) के दौरान किया जाएगा। हाल ही में अपनी 30वीं वर्षगांठ मना चुकी सूर्य किरण एरोबेटिक टीम में नौ हॉक एमके-132 विमान और 12 कुशल पायलट शामिल हैं। टीम का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन अजय दासराथी कर रहे हैं। यह टीम बेहद कम दूरी पर एक साथ उड़ान भरते हुए क्रॉस-ओवर, बैरल रोल, इनवर्टेड पास, तेजस, युवा और हार्ट फॉर्मेशन जैसे आकर्षक प्रदर्शन करती है। 'डीएनए तिरंगा फॉर्मेशन' टीम की विशेष पहचान माना जाता है। वर्ष 1996 में स्थापित यह टीम कर्नाटक के बीदर वायुसेना स्टेशन पर आधारित है और एशिया की एकमात्र नौ विमानों वाली एरोबेटिक टीम है। अब तक यह 72 से अधिक शहरों में 800 से ज्यादा प्रदर्शन कर चुकी है तथा कई देशों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। हाल के वर्षों में विमानों में विशेष स्मोक पॉड्स लगाए गए हैं, जिनकी मदद से हवाई प्रदर्शन के दौरान आकाश में तिरंगे के रंग भी उकेरे जाते हैं।

वायु सेना अकादमी की पासिंग आउट परेड में शामिल होंगे रक्षा मंत्री

13 जून को दुंडीगल में आयोजित होगा भव्य समारोह

नई दिल्ली/हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 13 जून को हैदराबाद के दुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी में आयोजित 217वें कोर्स की संयुक्त दीक्षांत परेड (सीजीपी) में शामिल होंगे। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, यह समारोह भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं के फ्लाइट कैडेटों के प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। राजनाथ सिंह परेड की सलामी लेंगे और सफल प्रशिक्षुओं को राष्ट्रपति आयोग प्रदान करेंगे। समारोह में भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल तथा वियतनाम के प्रशिक्षुओं को 'विंग्स' और 'ब्रेवेट' प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से उत्तीर्ण महिला कैडेटों के पहले बैच को भी कमीशन दिया जाएगा। रक्षा मंत्री विभिन्न शाखाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को 'राष्ट्रपति की पट्टिका' भी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में आकाश गंगा, एयर वॉरियर ड्रिल टीम, सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के विशेष हवाई प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र होंगे। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह के नेतृत्व में फ्लाईपास्ट भी आयोजित किया जाएगा।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान

पीछा करने और उत्पीड़न से परेशान थी छात्रा

जगतियाल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल ग्रामीण मंडल के अनंतराम गांव में एक 20 वर्षीय युवती ने कथित उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सैदु श्रीलता के रूप में हुई है, जिसने सोमवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, संगमपल्ली निवासी अंकाथी राजू और श्रीलता ने कक्षा 10 तक एक ही विद्यालय में पढ़ाई की थी। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद श्रीलता घर पर रह रही थी, जबकि राजू इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष का छात्र है। आरोप है कि राजू पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध के नाम पर श्रीलता को परेशान कर रहा था। परिवार के सदस्यों और गांव के बुजुर्गों ने उसे पहले भी चेतावनी दी थी। कुछ समय तक दूर रहने के बाद उसने हाल ही में फिर से युवती को परेशान करना शुरू कर दिया। आरोप है कि सोमवार को उसने फोन पर धमकी भी दी, जिससे आहत होकर श्रीलता ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला की आत्महत्या मामले में लोन ऐप एंगल की जांच

पति की भूमिका की भी पड़ताल कर रही पुलिस

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट पुलिस 25 वर्षीय शिवदानपु देवानंदिनी की आत्महत्या के मामले में लोन ऐप से जुड़े उत्पीड़न के पहलू की जांच कर रही है। कृष्णा जिले की मूल निवासी देवानंदिनी की शादी वर्ष 2022 में एलुरु जिले के टी. रेवंत कुमार से हुई थी। दंपति पिछले तीन वर्षों से जेजे नगर में रह रहा था और निजी क्षेत्र में कार्यरत था। पुलिस के अनुसार, 7 जून को देवानंदिनी अपने घर के बेडरूम में फांसी के फंदे से लटकी मिली थी। उसके पति के घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई।

प्रारंभिक जांच में पुलिस ने कार्यस्थल के तनाव, वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं और आर्थिक परेशानियों जैसे पहलुओं की जांच शुरू की थी। इसी दौरान मोबाइल फोन की जांच में पता चला कि उसने कथित तौर पर एक लोन ऐप के माध्यम से ऋण लिया था और भुगतान में देरी होने पर वसूली एजेंट लगातार उससे संपर्क कर रहे थे। दूसरी ओर, मृतका के पिता वेंकट रेड्डी ने मामले की गहन जांच की मांग करते हुए पुलिस से उसके पति की संभावित भूमिका की भी जांच करने का आग्रह किया है। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की मौत का सदमा नहीं सह सका पति

अंतिम संस्कार के अगले दिन दी जान

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पत्नी की आत्महत्या के कुछ दिनों बाद पति ने भी फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस के अनुसार, गोल्लापल्ली निवासी 37 वर्षीय एएस श्रीकांत रोजगार के लिए पिछले दो वर्षों से दुबई में रह रहे थे। उनकी पत्नी स्वप्ना (34) हैदराबाद में अकेली रह रही थीं। बताया गया कि स्वप्ना ने 2 जून को अपने घर में आत्महत्या कर ली थी। पत्नी की मौत की सूचना मिलने पर श्रीकांत दुबई से वापस आए और रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया। परिवार के लोगों के मुताबिक, पत्नी की मौत से वह बेहद दुखी और मानसिक रूप से परेशान थे। सोमवार को श्रीकांत ने कथित तौर पर उसी कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जहां उनकी पत्नी ने अपनी जान दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शमशाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान मजदूर की मौत

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर हुआ हादसा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार रात प्लेटफार्म संख्या-8 पर हुआ। मृतक की पहचान झारखंड निवासी 31 वर्षीय मोहम्मद आजाद अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रात करीब 10 बजे वह ट्रेन संख्या 12720 जयपुर एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर सरकारी रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटनावश हुआ प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उसके पास मिले आधार कार्ड से की गई और उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

गोदावरी नदी में डूबे एक ही परिवार के तीन सदस्य

निर्मल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बासर के पास गोदावरी नदी में स्नान के दौरान एक ही परिवार के तीन लोगों के डूब जाने से हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, हैदराबाद के काचीगुड़ा स्थित चप्पल बाजार निवासी चंद्रशेखर (38), रामचंदर (36) और मल्लेश कुमार तीर्थयात्रा पर बासर आए थे। मंगलवार को पवित्र स्नान के दौरान उनमें से एक व्यक्ति तेज धारा में फंस गया, जिसे बचाने के प्रयास में अन्य दो भी नदी में उतर गए और तीनों पानी में बह गए। आशंका है कि तेज बहाव के कारण वे डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम मौके पर पहुंची और तीनों की तलाश के लिए सर्च अभियान शुरू किया। पुलिस ने मोबाइल फोन के माध्यम से पीड़ितों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। परिवार के सदस्य बासर के लिए रवाना हो चुके हैं। समाचार लिखे जाने तक तीनों की तलाश जारी थी।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने की किसानों के हितों की उपेक्षा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार किसानों की समस्याओं को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी किसानों के साथ खड़े होने के बजाय तथ्यों को छिपाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

भुवनगिरी जिले के यादगिरिगुट्टा में मीडिया से बात करते हुए राव ने कहा कि पिछले महीने जिले के अनाज खरीद केंद्रों का दौरा करने के बाद हमने पाया कि अनाज खरीद की धीमी गति के कारण किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था और बारिश के कारण अनाज खराब होने का खतरा था। मिल मालिकों की निष्क्रियता के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई कि किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भी अपनी उपज नहीं बेच पा रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा के सांसदों, विधायकों, एमएलसी और नेताओं द्वारा किसानों का समर्थन करने और राज्य भर के खरीद केंद्रों पर विरोध प्रदर्शन करने के बाद ही सरकार ने खरीद प्रक्रिया में तेजी लाई। चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने अनाज का एक-एक दाना खरीदने का वादा किया था। लेकिन आज वह अपना वादा निभाने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि अनाज की खरीद की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। खरीद प्रक्रिया से संबंधित खर्चों की प्रतिपूर्ति, भंडारण लागत और परिवहन लागत सहित सभी खर्च केंद्र सरकार वहन करती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देशभर में बड़े पैमाने पर अनाज की खरीद की है। तेलंगाना से भी भारी मात्रा में अनाज खरीदा गया है। इसके बावजूद केंद्र सरकार पर झूठे आरोप लगाना अस्वीकार्य है।

राज्य सरकार को फसल की पैदावार का पूर्व अनुमान लगाना, केंद्र को आवश्यक सूचना भेजना और तदनुसार खरीद करना होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस जिम्मेदारी को पूरा किए बिना केंद्र सरकार को दोष देना जनता के साथ विश्वासघात है और सरकार से पूछा कि राज्य द्वारा आरक्षित मात्रा के बराबर भी खरीद क्यों नहीं हो रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को यह पूछने के बजाय कि भाजपा नेताओं ने तेलंगाना के लिए क्या किया है, जनता के सामने यह तथ्य रखना चाहिए कि कांग्रेस सरकार ने अपने दो साल के शासनकाल में तेलंगाना के लिए क्या किया है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार राज्य में नया निवेश नहीं लाई है। उसने सेवानिवृत्त कर्मचारियों का बकाया भुगतान नहीं किया है। रैतु भरोसा योजना का ठीक से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। बेरोजगारों के लिए कोई नौकरी नहीं है।

राज्य की कांग्रेस सरकार के कामकाज की आलोचना करते हुए राव ने कांग्रेस पार्टी से जनता को यह बताने को कहा कि कांग्रेस द्वारा घोषित छह वादों की स्थिति क्या है। वारंगल घोषणापत्र, खम्मम घोषणापत्र और हैदराबाद घोषणापत्र में किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। सरकार को यह बताना होगा कि युवा गारंटी, अनुसूचित जाति गारंटी और अन्य वादे कहां तक लागू किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी के मजबूत होने के साथ ही कांग्रेस नेता भाजपा के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे हैं। राज्य पार्टी प्रमुख ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें सबसे पहले अपनी भाषा और राजनीतिक दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें भाजपा नेताओं के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां करना बंद करना होगा।

30 हाथियों के झुंड से किसानों में दहशत

वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी, लोगों से सतर्क रहने की अपील

कुमराम भीम आसिफाबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के सावली क्षेत्र में करीब 30 हाथियों के झुंड की आवाजाही से सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों में दहशत फैल गई है। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने सावली कस्बे के पास एक झील के निकट हाथियों के झुंड को देखा और उनके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए। हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजने के प्रयास शुरू किए। अधिकारियों ने बताया कि विशेषज्ञों की मदद से हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। बताया जाता है कि झारखंड और छत्तीसगढ़ में बढ़ती खनन गतिविधियों के कारण हाथियों के झुंड महाराष्ट्र के जंगलों की ओर रुख कर रहे हैं। ये हाथी अक्सर भोजन और पानी की तलाश में खेतों में पहुंच जाते हैं, जिससे फसलों को नुकसान होता है। वर्ष 2024 में एक हाथी ने कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में दो लोगों की जान ले ली थी, जिसके बाद क्षेत्र के किसानों में हाथियों को लेकर भय बना हुआ है। हाथियों के झुंड के फिर से क्षेत्र के करीब पहुंचने से ग्रामीणों ने वन विभाग से अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

दलित ईसाइयों को एससी दर्जा देने की मांग तेज

बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दलित ईसाइयों को अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा देने की मांग को लेकर बीआरएस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति के.जी. बालकृष्णन से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने 1950 के राष्ट्रपति आदेश में संशोधन कर दलित ईसाइयों को भी अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा सांसद वद्दीराजु रविचंद्र, पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर, बीआरएस महासचिव आर.एस. प्रवीण कुमार और पार्टी नेता मेदे राजीव सागर शामिल थे। नेताओं ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद भी दलित समुदाय के लोगों को सामाजिक भेदभाव और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना करना पड़ता है, इसलिए उन्हें संवैधानिक संरक्षण और आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने भी तेलंगाना विधानसभा में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया था। बीआरएस नेताओं ने आयोग से अनुच्छेद 341 के तहत राष्ट्रपति आदेश में संशोधन की सिफारिश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दलित ईसाइयों को अनुसूचित जाति का दर्जा देना सामाजिक न्याय और समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। साथ ही इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.